अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर (हि. प्र.)

वार्षिक प्रतिवेदन

२०२०-२०२१

संस्थान प्रतीक चिन्ह

CIRCULAR RING signifies the Continuity, Consistency and Community Involvement. The Maroon colour represents Ambition & Passion of the members of the Institute.

The **RISING SUN** symbolizes bright future and vital energy as a new era dawns for Medical Innovation through research in all spheres of life and also portrays preservation and nurturing of health.
The **12 RAYS OF SUN** are representation of 12 districts of Himachal Pradesh which this institute would serve.

STAFF OF CADUCEUS, the traditional symbol of Medical Profession
Wings of staff of Caduceus symbolizes freedom of innovation in Medical Education and Research to its faculty and students

MOTIF is a unique local social & cultural identity of the Himachal Pradesh, usually seen being used in Himachali Handlooms like Shawls, Caps etc. The intense colours of these portray enthusiasm for life

RIBBON signifies Hope and Strength and the Golden Yellow colour potrays optimism. The Sanskrit saying translates into **"LET ALL BE FREE FROM ILLNESS"**

Visuals of Himachal Pradesh are incomplete without **SNOWCLAD MOUNTAINS**, which have become the identity of the State and is reflected in the name too..
The peaks of mountains represents the height of academic and medical care the institute determines to provide.

The **BOOK** is representation of Learning and Knowledge imparted through this Institute

The local geographical identity of the District Bilaspur is the famous **BHAKRA DAM**, often termed as "Temple of Resurgent India" and huge **GOBIND SAGAR LAKE**. The Dam symbolizes the institute as storehouse of knowledge with ability to harness the potential of intelligence (water) and channelizing the energy of the youth for benefit of the society. The huge Gobind Sagar lake is representation of the vastness of the Medical Knowledge.

डॉ. हर्ष वर्धन

माननीय केंद्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार

श्री अश्विनी कुमार चौबे

माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार

७ जुलाई २०२१ उपरांत

डॉ. मनसुख मांडविया

माननीय केंद्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और
रसायन एवं उर्वरक, भारत सरकार

डॉ. भारती प्रविण पवार

माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार

एम्स बिलासपुर एक नजर में

मार्च २०२१ तक की तारीख

परियोजना विवरण

कैबिनेट अनुमोदन की तिथि	:	०३ जनवरी २०१८
परियोजना की स्वीकृत लागत (संशोधित)	:	१४७१.०४ करोड़ रुपये।
कुल भूमि क्षेत्र	:	२४७ एकड़
कार्यकारी एजेंसी	:	मेसर्स एनबीसीसी (आई) लिमिटेड
ईपीसी ठेकेदार	:	मेसर्स एनसीसी लिमिटेड
प्रोक्योरमेंट सपोर्ट एजेंसी	:	HITES
प्रारंभ की तिथि (संविदात्मक)	:	२४.०१.२०१९
पूरा होने की तिथि	:	३०.०६.२०२२
बाह्य रोगी विभाग शुरू होने की तारीख	:	अभी शुरू होना बाकी है
रोगी विभाग के शुरू होने की तारीख	:	अभी शुरू होना बाकी है
एमबीबीएस शुरू होने की तिथि	:	०१ जनवरी २०२१
नर्सिंग महाविद्यालय का प्रारंभ	:	अभी शुरू होना बाकी है

शैक्षणिक विवरण

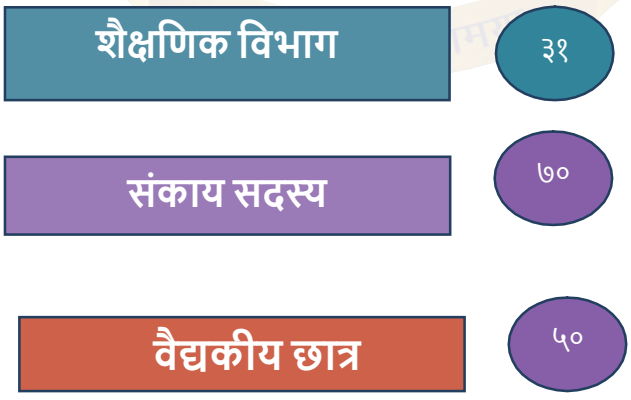

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर (हि.प्र.)

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर, को एक रास्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के चरण-V के अंतर्गत स्थापित किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य देश में सस्ती व विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता में असंतुलन को दूर करना है। साथ ही अल्प-सेवा वाले राज्यों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए सुविधाओं में वृद्धि करना भी योजना का मूल उद्देश्य है । इस परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ०३ जनवरी, २०१८ को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद, भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने ०३ अक्टूबर, २०१७ को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर की आधारशिला रखी। श्री जेपी नड्डा जी और हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर जी ने तत्पश्चात भूमि पूजन किया। परियोजना को ३ चरणों में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में, हिमाचल प्रदेश के जिला बिलासपुर के कोठीपुरा गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग- २०५ (शिमला-कांगड़ा) पर लगभग २४७ एकड़ भूमि में चरण १ का निर्माण कार्य चल रहा है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर, सभी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस १५-२० सुपर स्पेशियलिटी विभागों के साथ ७५० बिस्तरों वाला अस्पताल होगा।

मिशन वक्तव्य

- चिकित्सा शिक्षा के उच्चतम मानकों का प्रदर्शन करके और प्रशिक्षण और स्वतंत्र सोच को प्रोत्साहित करके उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना।
- बहुविषयक सहयोगात्मक अनुसंधान को सुगम बनाकर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उदाहरण पेश करना।
- विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के लोगों को और व्यापक पहलू में राष्ट्र को , उन्नत तृतीयक स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना।

चिकित्सा महाविद्यालय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर की भर्ती प्रक्रिया २०१९ में विभिन्न प्री-क्लिनिकल, पैरा-क्लीनिका, और क्लिनिकल विभागों के लिए १८३ पदों के विज्ञापन के साथ शुरू हुई थी। जिसमें से ८५ शिक्षकों का चयन किया गया था और ७० चयनित शिक्षकों ने ३१ मार्च, २०२१ तक संस्थान में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा दी थी। एम्स बिलासपुर का शैक्षणिक सत्र ११ जनवरी, २०२१ को ५० एमबीबीएस छात्रों के प्रथम बैच में शामिल होने के साथ शुरू हुआ था।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामया

अध्यक्ष का सन्देश

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल और उच्च चिकित्सा शिक्षा देश की विकास और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। एक पुरानी कहावत है कि स्वास्थ्य ही धन है लेकिन इसे "एक स्वस्थ राष्ट्र एक धनी राष्ट्र है" तक बढ़ाया जा सकता है । एक राष्ट्र तभी धनी है अगर उसके लोग स्वस्थ और खुश हैं। लेकिन गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा महंगी हो गई है इसलिए यह जरूरी है कि हम उच्चतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करें ताकि चिकित्सा शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा व्यापक रूप से सभी के लिए उपलब्ध हो । भारत सरकार ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों की स्थापना की महत्वाकांक्षी परियोजना पूरे देश में उच्चतम चिकित्सा शिक्षा और उच्चतम स्तर की स्वस्थ्य देखभाल को उपलब्ध करवाने के लिए शुरू की है । एम्स, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) देशभर में स्थापित किए जा रहे संस्थानों की श्रृंखला में एक कड़ी है ।

मुझे विश्वास है कि यह संस्थान हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेगा तथा डॉक्टर बनने की तमन्ना लिए विद्यार्थियों के सपनों को भी पूरा करेगा ।

वर्तमान में, एम्स, बिलासपुर प्रारंभिक चरण में है लेकिन मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि इसने एक विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में विकसित होने की अपनी यात्रा में तेजी से कदम उठाए हैं । एम.बी.बी.एस. का पहला बैच २०२० सत्र से प्रारम्भ हो चुका है तथा इनकी कक्षाएं समय पर शुरू हो गई है । संस्थान की यात्रा के दौरान मैंने पाया कि कार्य तीव्र गति से चल रहा है तथा में कार्यप्रगति से संतुष्ट हूँ । मैं, प्रो. जगत राम जी, निदेशक, को धन्यवाद देता हूं कि उनके प्रयासों और सहयोग से विभिन्न विकासात्मक गतिविधियाँ निर्वाध रूप से चल रही है । मैं आशान्वित हूं कि ओपीडी सेवाएं २०२१ में शुरू हो जाएगी ।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और हमारे आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन जी की परिकल्पना अनुसार हम इस संस्थान को स्वास्थ्य शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में एक विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में उभरता हुआ देखेंगे । मैं दोनों का तथा भारत सरकार का आभारी हूँ कि इन्होने मुझे इस संस्थान का प्रथम अध्यक्ष होने का दायित्व दिया । मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा कि इस बड़ी जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाऊँ।

मैं हिमाचल सरकार व इसके जबरदस्त नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहता हूं कि इन्होने महत्वपूर्ण घटक जैसे जमीन, पानी तथा बिजली जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को अविलम्ब पूरा किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से हम इस संस्थान को चिकित्सा शिक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के विश्वस्तरीय केंद्र के रूप में विकसित करेंगे। मेरी हिमाचल प्रदेश की समस्त जनता को हार्दिक सुभकामनाएँ।

पिछले एक साल के दौरान दुनिया थम सी गई है ।

COVID-19 महामारी ने दुख और निराशा को जन्म दिया लेकिन हमारे वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों व माननीय प्रधानमंत्री जी के अविरल प्रोत्साहन से हमने इस महामारी के विरुद्ध स्वदेशी टीका विकसित कर लिया है । मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस महामारी पर हम शीघ्र ही नियंत्रण पा लेंगे । मैं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर के सभी सदस्यों, अधिकारियों व कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं सहर्ष वर्ष २०२०-२१ का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूँ ।

जय हिन्द,

डॉ प्रमोद गर्ग

अध्यक्ष

अ.भा.आ.सं. बिलासपुर (हि प्र)

निदेशक की रिपोर्ट

हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत राज्य में हिमालय की शिवालिक पर्वतमाला की गोद में स्थित, एम्स बिलासपुर ने वर्ष २०२०-२१ में हमारे देश के लिए प्रासंगिक नैदानिक देखभाल, शिक्षण और अत्याधुनिक अनुसंधान के उच्चतम मानक प्रदान करने की दिशामें अपनी यात्रा शुरू की।भौगोलिक दृष्टि से कठिन होने के कारण हिमाचल प्रदेश में तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की हमेशा कमी थी। एम्स, बिलासपुर की स्थापना प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य सस्ती तृतीयकस्तर की स्वास्थ्य देखभाल की उपलब्धतामें इस क्षेत्रीय असंतुलन को ठीक करना और हिमाचल प्रदेश और आस-पास के क्षेत्रों के दूर-दराज में रहने वाले लोगों की सेवा करना है।

अधोसंरचना विकास

COVID-19 लॉकडाउन के कारण निर्माण में कुछ देरी रही है, हालांकि अनलॉक के बाद, निष्पादन एजेंसी कार्य को गति देने का प्रयास कर रही है और परियोजना को पूरा करने के लिए समय-सीमामें संशोधन कर रही है। एम्स बिलासपुर में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल एस. एस. नगियाल के साथ नोडल अधिकारी डॉ राकेश सहगल लगातार परियोजना की निगरानी कर रहे हैं। वर्ष २०२०-२१ में, एम्स प्रशासन ने आयुष ब्लॉक को अस्थायी ओपीडी शुरू करने के लिए निष्पादन कंपनी से गृहित कर लिया है, और ओपीडी प्रारम्भ करने की कोशिश जारी है । रात्रि-आश्रय भवन को एक अस्थायी प्रशासनिक ब्लॉक में परिवर्तित कर दिया गया है और नए भर्ती एमबीबीएस बैच के लिए मेडिकल कॉलेज के रूप में उपयोग किया जा रहा है। पीजी लड़कों और पीजी विवाहित छात्रावासों को भी नए एमबीबीएस छात्रों के आवास के लिए ले लिया गया है और टाइप II आवासीय क्वार्टर के 2 ब्लॉक भर्ती किए गए संकाय को ट्रांजिट आवास के रूप में आवंटित किए गए हैं। HITES के माध्यम से उपकरण खरीद भी निर्माण प्रगति के अनुरूप है औरओपीडी सेवाओं के संचालनऔर एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए आवश्यक बुनियादी उपकरण पहले से ही मौजूद हैं।

संकाए भर्ती

वर्ष २०२०-२१ में, पी.जी.आई.एम.ई.आर, (मेंटर इंस्टीट्यूट) ने वर्ष २०१९-२० में विज्ञापित १८३ स्वीकृत पदों के खिलाफ भर्ती के २ दौर आयोजित किए। स्थायी चयन समितिने ८५ संकाय सदस्यों

का चयन किया, जिनमें से ७० संकाय सदस्य सुपर-स्पेशियलिटी विभागों सहित विभिन्न प्री-क्लिनिकल, पैरा-क्लिनिकल और क्लिनिकल विभागों में नवंबर में संस्थान में शामिल हुए हैं। NORCET ने एम्स बिलासपुर के लिए ९७ नर्सों की भर्ती की है जोओपीडी सेवाएं शुरू होने के बाद जल्द ही संस्थान में शामिल हो जाएंगी।

शिक्षा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदाता तैयार करने का अधिदेश दिया गया है। उस जनादेश के साथ, एम्स बिलासपुर ने ११ जनवरी, २०२१ को एमबीबीएस छात्रों के अपने संस्थापक बैच के लिए शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन किया। ५० मेडिकल छात्रों के उत्साही समूह, उनकी आंखोंमें सपने और दिल में आकांक्षाओं के साथ गतिशील संकाय सदस्योंको देखकर वास्तव में खुशी हुई। छात्रों के लिए प्रभावी शिक्षण-अधिगम अनुभव के लिए संस्थान में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हैं।

एक नया स्थापित संस्थान संस्थापक संकाय और कर्मचारियोंको उस संस्थान के विकासमें योगदान करने का अवसर प्रदान करता है जिसकी वे आकांक्षा रखते हैं। साथ ही, यह सब कुछ को शुरु से शुरू करने के मामलेमें कुछ अनूठी चुनौतियों का भी सामना करता है। एम्स बिलासपुर के संकाय और कर्मचारी इस अवसर पर आगे आए हैं और संस्थान में अपने विभागों को स्थापित करने और शिक्षण और अनुसंधानको आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

एम्स बिलासपुर ने अपने इच्छित उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक शुरुआत की है, लेकिन अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। लेकिन हमें यकीन है कि सभी हितधारकों के सहयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के समर्थन से हम इसे एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने में सक्षम होंगे, ताकि यह चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और देश में अनुसंधान के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान साबित हो सके । मैं एम्स बिलासपुर की वर्ष २०२०-२१ के लिए वार्षिक रिपोर्ट और लेखा और लेखा परीक्षण विवरण प्रस्तुत करते हुए अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

जय हिन्द।

प्रो. जगत राम
निदेशक, एम्स, बिलासपुर

CONTENTS

क्र. संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
A	**संस्थान एवं समितीयॉ**	०१
B	**वार्षिक रिपोर्ट २०२० – २१**	
I	प्रगति रिपोर्ट	०९
१	निर्माण प्रगति	१०
२	आधारभूत संरचना	११
३	उपकरण	१२
४	जन-शक्ति	१३
II	**शैक्षणिक कार्यक्रम**	
१	प्रथम एम.बी.बी.एस. शैक्षणिक सत्र	१५
२	ओरिएंटेशन मॉड्यूल	२०
३	फाउंडेशन कोर्स	२२
४	व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र	२३
५	मेंटरशिप प्रोग्राम	२४
६	संकाय शैक्षणिक सत्र	२५
७	कार्यक्रम और समारोह	२९
III	**विभागिय वार्षिक रिपोर्ट**	
१	सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग	३१
२	शरीर रचना विज्ञान विभाग	३३
३	जीव रसायन विज्ञान विभाग	३४
४	बर्न अवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग	३७
५	हृदय वक्ष संवहिनी शल्य चिकित्सा विभाग	३८
६	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग	४०
७	दन्तरोग विज्ञान विभाग	४३
८	त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठरोग विभाग	४५

९	अंतस्रावी, मधुमेह, उपापचय विज्ञान विभाग	४७
१०	कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड-नेक सर्जरी विभाग	४८
११	न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग	५१
१२	सामान्य चिकित्सा विभाग	५३
१३	सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग	५५
१४	अस्पताल प्रशासन विभाग	५६
१५	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	५८
१६	नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग	६१
१७	वृक्क रोग विज्ञान विभाग	६४
१८	तंत्रिका विज्ञान विभाग	६७
१९	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग	७०
२०	नेत्र विज्ञान विभाग	७२
२१	अस्थिरोग विभाग	७४
२२	बालरोग शल्य चिकित्सा विभाग	७५
२४	बालरोग विज्ञान विभाग	७६
२५	विकृति विज्ञान विभाग	७८
२६	भेषजगुण विज्ञान विभाग	७९
२७	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	८१
२८	मनश्चिकित्सा विभाग	८३
२९	विकिरण निदान विभाग	८४
३०	विकिरण चिकित्सा विभाग	८५
३१	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग	८६
३२	रक्तआधान औषधि एवं रक्त कोष विभाग	८८
IV	वित्तीय प्रगति	८९
V	२०२०-२१ वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा रिपोर्ट	९०

अ.भा.आ.सं - संगठनात्मक संरचना

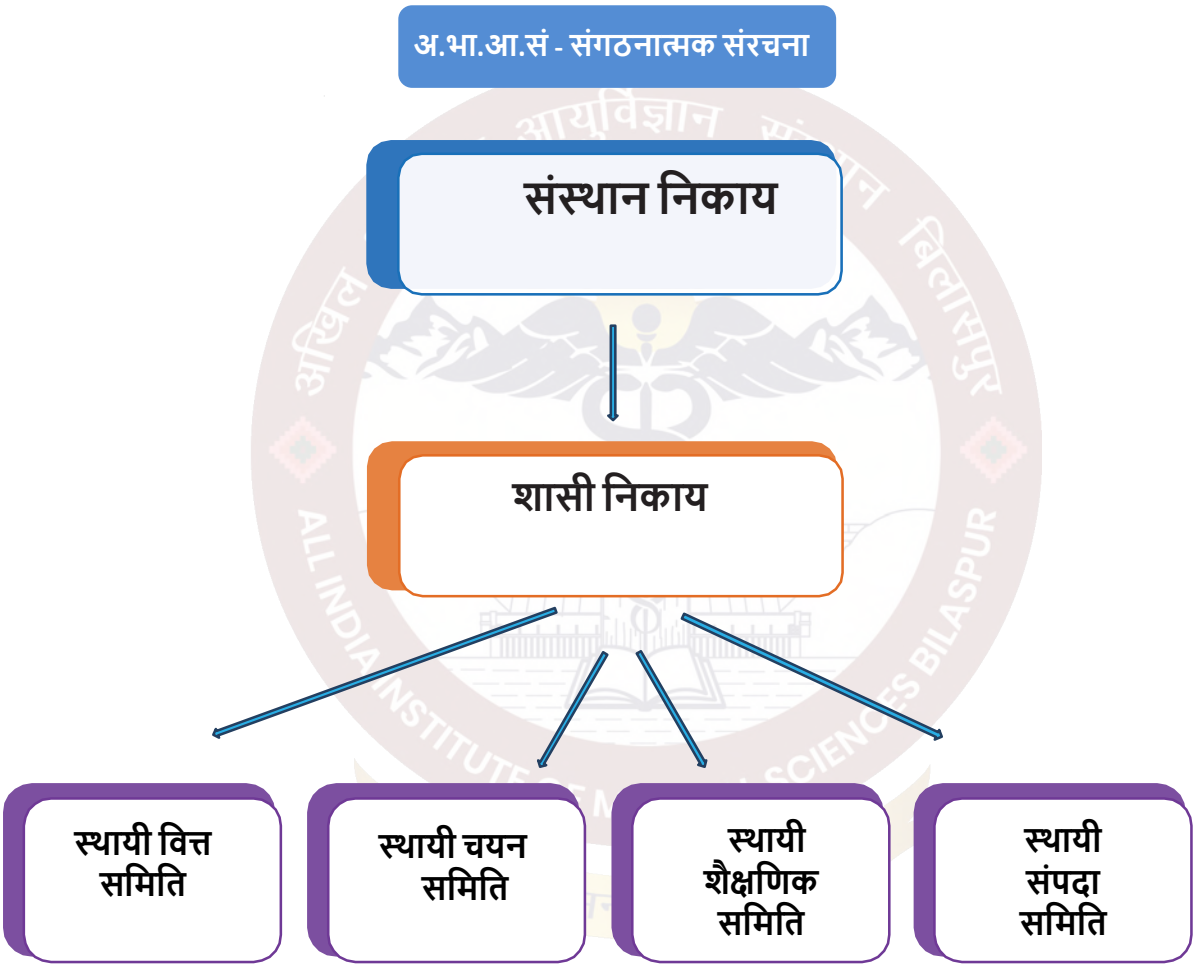

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामया

संस्थान निकाय

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
१.	प्रो. (डॉ) प्रमोद गर्ग कार्यकारी निदेशक, अनुवाद स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद प्राध्यापक, जठरांत्ररोगविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली पूर्व सहयोगी संकाय अध्यक्ष (अनुसंधान), एम्स, नई दिल्ली	अध्यक्ष
२.	श्री सुरेश कश्यप संसद सदस्य - लोक सभा	सदस्य
३.	श्री राम स्वरुप शर्मा संसद सदस्य - लोक सभा	सदस्य
४.	प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
५.	डॉ सुनील कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
६.	डॉ. डी. स. गंगवार अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
७.	श्री अनिल कुमार खाची मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	सदस्य
८.	प्रो. गंगाधर महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	सदस्य
९.	प्रो. अरविंद राजवंशी निदेशक, एम्स रायबरेली	सदस्य
१०.	डॉ. अजय दुसेजा प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
११.	डॉ. आदर्श चौधरी अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा	सदस्य
१२.	डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
१३.	प्रो. पीयूष साहनी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
१४.	श्री अनिल बलूनी संसद सदस्य - राज्य सभा	सदस्य
१५.	प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी	पदेन सदस्य
१६.	प्रो. जगत राम निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य सचिव

शासी निकाय

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
१.	प्रो. (डॉ) प्रमोद गर्ग कार्यकारी निदेशक, अनुवाद स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद प्राध्यापक, जठरांत्ररोगविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली पूर्व सहयोगी संकाय अध्यक्ष (अनुसंधान), एम्स, नई दिल्ली	चेयर पर्सन
२.	श्री सुरेश कश्यप संसद सदस्य - लोक सभा	सदस्य
३.	श्री राजेश भूषण सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
४.	डॉ. सुनील कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	पदेन सदस्य
५.	डॉ. डी. स. गंगवार अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
६.	प्रो. अरविंद राजवंशी निदेशक, एम्स रायबरेली	सदस्य
७.	प्रो. पीयूष साहनी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
८.	श्री अनिल कुमार खाची मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	सदस्य
९.	डॉ. आदर्श चौधरी अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा	सदस्य
१०.	डॉ. अजय दुसेजा प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
११.	प्रो. जगत राम निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य सचिव

स्थायी वित्त समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
१.	श्री राजेश भूषण सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	चेयर पर्सन
२.	श्री राम स्वरुप शर्मा संसद सदस्य - लोक सभा	वाईस चेयर पर्सन
३.	डॉ. सुनील कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
४.	प्रो. पीयूष साहनी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
५.	डॉ. डी. स. गंगवार अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
६.	प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
७.	प्रो. अरविंद राजवंशी निदेशक, एम्स रायबरेली	सदस्य
८.	डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
९.	प्रो. जगत राम निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य सचिव

स्थायी चयन समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
१.	प्रो. पीयूष साहनी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	चेयर पर्सन
२.	प्रो. अरविंद राजवंशी निदेशक, एम्स रायबरेली	वाईस चेयर पर्सन
३.	डॉ. सुनील कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
४.	डॉ. आदर्श चौधरी अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा	सदस्य
५.	प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
६.	प्रो. गंगाधर महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	सदस्य
७.	डॉ. अजय दुसेजा प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
८.	डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
९.	प्रो. जगत राम निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य सचिव

स्थायी शैक्षणिक समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
१.	प्रो. अरविंद राजवंशी निदेशक, एम्स रायबरेली	चेयर पर्सन
२.	प्रो. पीयूष साहनी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	वाईस चेयर पर्सन
३.	श्री अनिल बलूनी संसद सदस्य - राज्य सभा	सदस्य
४.	डॉ. सुनील कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
५.	प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
६.	डॉ. अजय दुसेजा प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
७.	डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
८.	प्रो. गंगाधर महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	सदस्य
९.	प्रो. जगत राम निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य सचिव

स्थायी संपदा समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
१.	श्री सुरेश कश्यप संसद सदस्य - लोक सभा	चेयर पर्सन
२.	डॉ. डी. स. गंगवार अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	वाईस चेयर पर्सन
३.	डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
४.	श्री अनिल कुमार खाची मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	सदस्य
५.	प्रो. अरविंद राजवंशी निदेशक, एम्स रायबरेली	सदस्य
६.	प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
७.	डॉ. अजय दुसेजा प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
८.	प्रो. पीयूष साहनी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
९.	प्रो. जगत राम निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य सचिव

प्रशासन

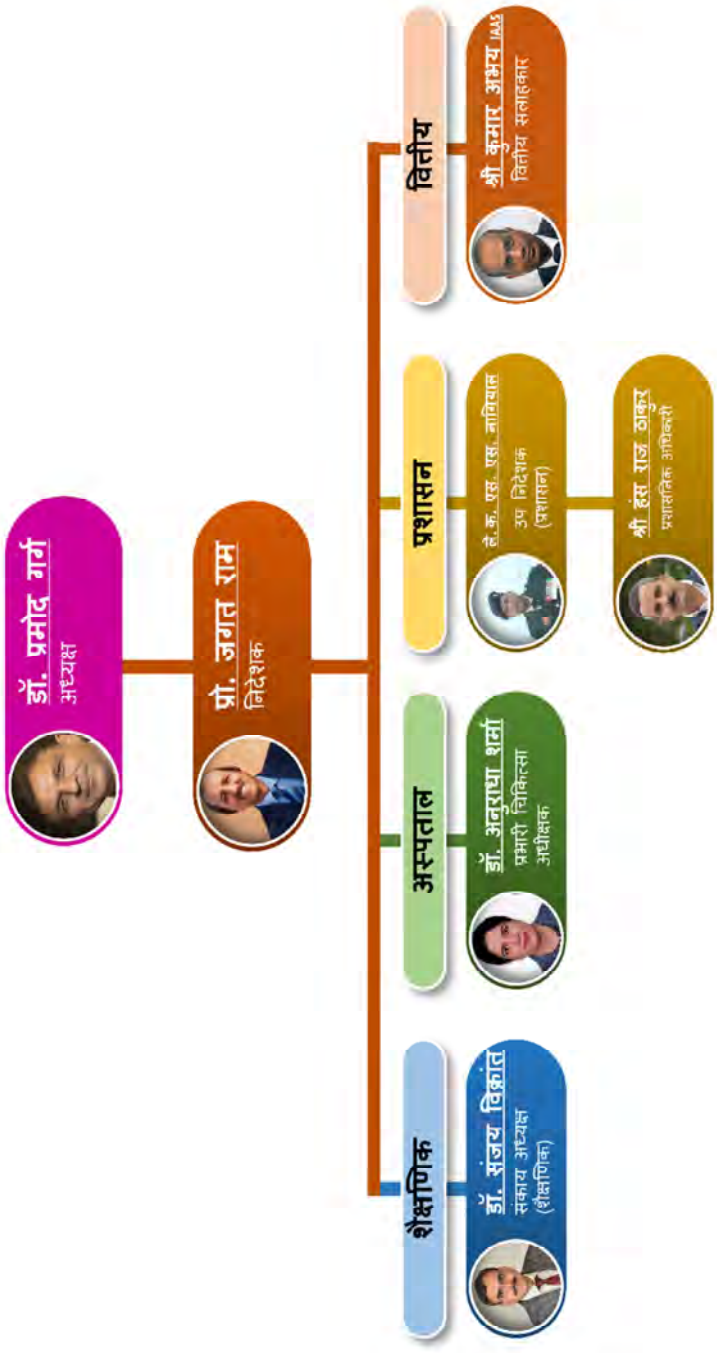
डॉ. प्रमोद गर्ग
अध्यक्ष
प्रो. जगत राम
निदेशक
वित्तीय
श्री कुमार अभय IAAS
वित्तीय सलाहकार
प्रशासन
ले.क. एस. एस. नौटियाल
उप निदेशक
(प्रशासन)
श्री हंस राज ठाकुर
प्रशासनिक अधिकारी
अस्पताल
डॉ. अनुराधा शर्मा
प्रभारी चिकित्सा
अधीक्षक
शैक्षणिक
डॉ. संजय विक्रांत
संकाय अध्यक्ष
(शैक्षणिक)

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामया

परियोजना प्रगति रिपोर्ट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

भौतिक प्रगति

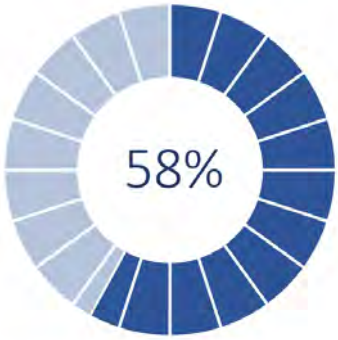
58%

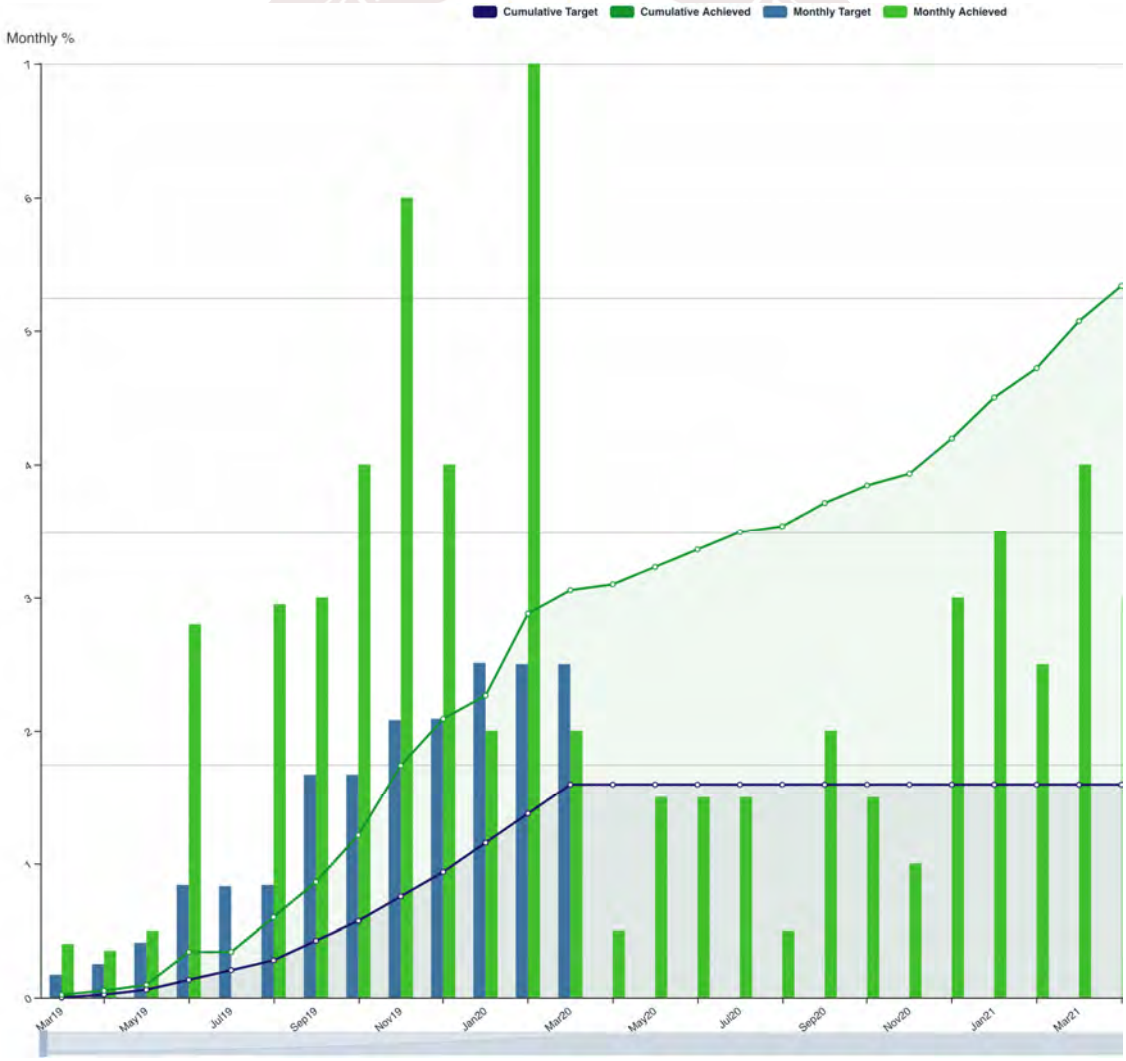
Cumulative Target
Cumulative Achieved
Monthly Target
Monthly Achieved
Monthly %
0
1
2
3
4
5
6
7
Mar19
May19
Jul19
Sep19
Nov19
Jan20
Mar20
May20
Jul20
Sep20
Nov20
Jan21
Mar21

निर्माण प्रगति

अधिग्रहित भवन

क्र. संख्या	भवन का नाम	विन्यास	निर्मित क्षेत्र (वर्ग मीटर)	निर्माण प्रगति
१	आयुष भवन	G+१	२८७०	ओपीडी सेवाएं शुरू करने के लिए तैयार
२	टाइप II हाउसिंग ब्लॉक-बी१, बी३ (कुल ३ में से २)	G+८	८५७७	फैकल्टी हाउसिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है
३	पीजी बॉयज हॉस्टल डी१ए	G+७	५९१९	छात्र छात्रावास और संकाय कार्यालयों के रूप में उपयोग किया जा रहा है
४	पीजी मैरिड हॉस्टल डी३ए	G+६	२५२५	एनबीसीसी से लिया गया
५	रात्रि आश्रय और सुविधाएं	G+१	२०२५	अस्थाई मेडिकल कॉलेज भवन और एडमिन ब्लॉक के रूप में उपयोग किया जा रहा है

निर्माणाधीन भवन

क्र. संख्या	भवन का नाम	विन्यास	निर्मित क्षेत्र (वर्ग मीटर)
1.	अस्पताल ब्लॉक - मुर्दाघर, कपड़े धोने और अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं सहित	G+६	७४०३८
2.	मेडिकल और एडमिन ब्लॉक	S+६+५	२३३५०
3.	सभागार	G+२	२८५०
4.	निदेशक निवास	G+२	५००
5.	टाइप V हाउसिंग	G+१०	३९१६
6.	टाइप IV हाउसिंग	G+१०	३०६४
7.	टाइप III हाउसिंग	G+४	११७०
8.	टाइप II हाउसिंग (३ ब्लॉक)	G+८	८५७७
9.	क्लब और गेस्ट हाउस	G+३	११४०
10.	पूर्वस्नातक बॉयज छात्रावास	G+६	३९१६
11.	पूर्वस्नातक गर्ल्स छात्रावास	G+३	२०४१
12.	स्नातकोत्तर बॉयज छात्रावास डी१ए	G+७	५९१९
13.	स्नातकोत्तर बॉयज छात्रावास डी१बी	G+६	४८१४
14.	स्नातकोत्तर गर्ल्स छात्रावास डी२ए	G+६	४६१७
15.	स्नातकोत्तर विवाहित छात्रावास डी३बी	G+६	२६०४
16.	उपचारिका छात्रावास	G+७	६०७५
17.	डाइनिंग ब्लॉक (२ ब्लॉक)	G G+१	१३००
18.	शॉपिंग सेंटर	G	२००
19.	कार पार्क सेवा क्षेत्र	-	७५००

आधारभूत संरचना

INSTITUTE OF MEDICAL SCIEN
सर्वे सन्तु निरामया

उपकरण

क्र. संख्या	उपकरण का नाम	मात्रा	कुल लागत	स्थापना की तिथि
१	सेमि ऑटो विश्लेषक	०१	९३२२०.००	२१/०१/२१
२	ईसीजी मशीन -१२ चैनल	०१	१२३२००.००	२९/०१/२१
३	आटोक्लेव वर्टीकल	०४	३०७२८१.४०	११/०२/२१
४	द्विनेत्री माइक्रोस्कोप	०४	५८०६५.४४	११/०२/२१
५	ऑपरेशन थियेटर लाइट	०१	१५०९७६.००	१७/१२/२०
६	ओटी टेबल	०१	१०००००.००	०८/०१/२१
७	मुर्दाघर कूलर	०१	६१५९६०.००	३०/१२/२१
८	इनक्यूबेटर	०२	९४४००.००	०९/०२/२१
९	स्पेक्ट्रोफोटोमीटर	०१	४५९०२०.००	२१/०१/२१
१०	फ्रिज	१०	९५५८००.००	१६/१२/२०
११	एलिसा रीडर	०१	१५९०६४.००	२१/०१/२१
१२	ईसीजी मशीन -१२ चैनल	०३	३६९६००.००	२९/०१/२१
१३	द्विनेत्री माइक्रोस्कोप	११५	१६६९३८१.४०	१२/०१/२१
१४	रोटरी माइक्रोटोम	०१	२११९६३.००	२१/०१/२१
१५	पी एच मीटर	०१	५६६४०.००	०१/०१/२१
१६	आटोक्लेव वर्टीकल	०१	७६८२०.००	०५/०१/२१
१७	सेमि ऑटो विश्लेषक	०२	१८६४४०.००	०४/०३/२१
१८	टॉप लोडिंग बैलेंस	०१	२०१७८०.००	३०/१२/२०
१९	इनक्यूबेटर	०२	२४६८७२.५२	२९/१२/२०
२०	इनक्यूबेटर / गर्म हवा ओवन	०२	६१३६०.००	०९/०२/२१
२१	दिस्सेक्टिंग माइक्रोस्कोप	२३	१८९४३७२.००	०८/०३/२१
२२	आल-गिलास डिस्टिलेशन उपकरण	०१	१२७४४०.००	३०/१२/२०
२३	बैलेंस माइक्रो	०१	१११९८२०.००	१२/०२/२१

जन-शक्ति

एम्स बिलासपुर की भर्ती प्रक्रिया २०१९ में १८३ पदों के विज्ञापन के साथ शुरू हुई थी, जिसमें से ८५ फैकल्टी का चयन किया गया था और ७० वर्तमान में संस्थान में कार्यरत हैं।

संकाय पद

क्र. संख्या	संकाय पद	विज्ञापित पदों की संख्या	संकाय चयनित	नियुक्त
१.	प्राध्यापक	३३	०५	०४
२.	अतिरिक्त प्राध्यापक	२६	०५	०३
३.	सह – प्राध्यापक	३९	१५	११
४ .	सहायक- प्राध्यापक	८५	६०	५२
	कुल	**१८३**	**८५**	**७०**

गैर संकाय पद

क्र. संख्या	प्रकार	स्वीकृत	नियुक्त	टिप्पणी
१.	वरिष्ठ रेजिडेंट	१६	०३	
२.	कनिष्ठ रेजिडेंट	१६	०१	
३.	उपचारिका	८३३	००	NORCET २०२० के माध्यम से भर्ती के लिए ९७ उपचारिओंका का चयन किया गया
४.	अन्य	१२१	००	
	कुल	**९७०**	**०४**	

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामया

शैक्षणिक कार्यक्रम

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

शैक्षणिक कार्यक्रम

बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी (एम.बी.बी.एस.)

प्रथम एम.बी.बी.एस. शैक्षणिक सत्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर ने जनवरी, २०२१ में अपने पहले शैक्षणिक एमबीबीएस सत्र की शुरुआत के साथ एक मील का पत्थर हासिल किया। पाठ्यक्रम अपने पहले बैच में ५० छात्रों के साथ शुरू हुआ। २०२३ तक एमबीबीएस छात्रों की संख्या बढ़ाकर १०० कर दी जाएगी। प्रशासन, संकाय और छात्रों ने संयुक्त रूप से अधूरे बुनियादी ढांचे और चल रही कोविड-१९ महामारी द्वारा लगाई गई कई बाधाओं को दूर किया। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान कोविड-१९ प्रोटोकॉल का पालन किया गया और छात्रों को शामिल होने के बाद (स्थानीय दिशानिर्देशों के अनुसार) २ सप्ताह के लिए छोड़ दिया गया।

एम्स बिलासपुर के पहले शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन ११ जनवरी, २०२१ को ५० एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच की शुरुआत के साथ हुआ था। उद्घाटन समारोह एम्स, बिलासपुर के परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स, बिलासपुर के संस्थान निकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रमोद गर्ग ने किया। सत्र के दौरान प्रो. जगत राम, निदेशक, एम्स, बिलासपुर, प्रो. राकेश सहगल, नोडल अधिकारी, एम्स बिलासपुर, प्रोफेसर संजय विक्रांत, डीन (अकादमिक), प्रो. अनुराधा शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक और लेफ्टिनेंट कर्नल एस.एस. नगियाल, उप निदेशक (प्रशासन) उपस्थित थे। इसके अलावा, एम्स बिलासपुर के सभी संकायों और एमबीबीएस छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर तथा विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद एम्स, बिलासपुर द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रस्तावित बुनियादी ढांचे और सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए लघु ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति दी गई ।

प्रो जगत राम ने स्वागत भाषण दिया और मेडिकल छात्रों के जीवन में अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने एमबीबीएस छात्रों को अनुकरणीय डॉक्टर और जीवन भर सीखने वाले बनने के लिए प्रेरित किया।

सत्र का मुख्य आकर्षण सफेद कोट और एमबीबीएस छात्रों का शपथ ग्रहण समारोह था। छात्रों को उनके मेडिकल करियर की शुरुआत के एक हिस्से के रूप में सफेद कोट दिए गए। इसके बाद चेयरपर्सन और फैकल्टी के सामने व्यक्तिगत छात्र का परिचय दिया गया। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन प्रो संजय विक्रांत, डीन (अकादमिक), एम्स बिलासपुर द्वारा किया गया था और इसमें उनके द्वारा हिप्पोक्रेटिक शपथ पाठ शामिल था जिसे एमबीबीएस छात्रों द्वारा दोहराया गया था।

मुख्य अतिथि प्रो. प्रमोद गर्ग ने एम्स बिलासपुर की स्थापना पर प्रकाश डालने के बारे में बात की जो इक्विटी के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने, चिकित्सा शिक्षा के उच्च मानकों को प्रदान करने और अनुसंधान को बढ़ावा देने में एक लंबा सफर तय करेगा।

उन्होंने एमबीबीएस में शामिल हुए नए छात्रों को बधाई दी और उन्हें इस शिक्षा के मंदिर में अपना जीवन समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने देश में चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाने के लिए देश भर में एम्स जैसे संस्थानों की स्थापना में उनके नेतृत्व और दूरदृष्टि के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन जी को धन्यवाद दिया। उन्होंने श्री जे पी नड्डा जी को बिलासपुर में एम्स को बढ़ावा देने और स्थापित करने के लिए भी धन्यवाद दिया। संस्थान को निरंतर सहयोग देने के लिए वे हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर जी के आभारी हैं।

मुख्य अतिथि ने एम्स बिलासपुर के संकाय सदस्यों के साथ भी बातचीत की और उनसे इस नवोदित संस्थान को निकट भविष्य में एक प्रमुख संस्थान बनाने का आग्रह किया।

डॉ राकेश सहगल ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और संस्थान के डीडीए लेफ्टिनेंट कर्नल एस एस नगियाल के प्रयासों की सराहना की।

समारोह के बाद, संस्थान के अध्यक्ष ने परिसर का दौरा किया और चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास का जायजा लिया और संस्थान को समय पर पूरा करने के लिए भविष्य के निर्देश दिए।

ओरिएंटेशन एंड फाउंडेशन कोर्स

एमबीबीएस सत्र के पहले ३ सप्ताह ओरिएंटेशन और फाउंडेशन कोर्स को समर्पित थे। COVID १९ नियमों और विनियमों को ध्यान में रखते हुए, इनमें से अधिकांश कक्षाएं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ली गईं, जबकि कुछ को COVID १९ के उचित व्यवहार को बनाए रखते हुए शारीरिक रूप से लिया गया।

डीन (अकादमिक) के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के फैकल्टी द्वारा ओरिएंटेशन एंड फाउंडेशन कोर्स का संचालन किया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम संस्थान के परिचय और डीन (शिक्षाविद) द्वारा एमबीबीएस पाठ्यक्रम के अवलोकन के साथ शुरू हुआ। इसके बाद COVID १९ महामारी और इसकी रोकथाम के लिए संबंधित नियमों और विनियमों पर २ सत्रों का आयोजन किया गया। उन्हें कॉलेजों में रैगिंग से निपटने के लिए रैगिंग रोधी उपाय भी बताए गए। छात्रों को पहले पेशेवर विषयों- एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री और कम्युनिटी मेडिसिन के लिए उन्मुख किया गया था। साथ ही, छात्रों को बायोमेडिकल रिसर्च की अवधारणाओं से संक्षिप्त रूप से परिचित कराया गया। जीवन में रोजमर्रा के तनाव से निपटने के लिए उन्हें घर और कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन के बारे में सिखाया गया।

फाउंडेशन कोर्स की शुरुआत इंडियन मेडिकल ग्रेजुएट की भूमिका और इसके सामाजिक महत्व के परिचय के साथ हुई। छात्रों को समाज में डॉक्टर के महत्व और भूमिका और देश से एमबीबीएस छात्रों की अपेक्षाओं के बारे में बताया गया। उन्हें विश्व और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा दी गई। स्वास्थ्य देखभाल वितरण के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका के बारे में बताया गया। उन्हें एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा अन्य प्रकार की पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के प्रति भी संवेदनशील बनाया गया।

एमबीबीएस छात्रों को विभिन्न शिक्षण और सीखने के तरीकों के साथ-साथ वर्तमान एमबीबीएस पाठ्यक्रम में उपयोग की जाने वाली मूल्यांकन विधियों से परिचित कराया गया। उन्हें चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं अर्थात उपचारात्मक या

आंतरिक चिकित्सा और निवारक या सामुदायिक/पारिवारिक चिकित्सा के बारे में बताया गया। उन्हें देश भर में चल रही विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों और स्वास्थ्य वितरण प्रणालियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

छात्रों को उनके जीवन और पेशे में विभिन्न संबंधों जैसे पारस्परिक संबंध और डॉक्टर-रोगी संबंध के बारे में भी बताया गया। साथ ही, उन्हें ध्यान और योग जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके घर और कार्यस्थल पर तनाव और इसके प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनाया गया। छात्रों के लिए योग सत्र आयोजित किए गए और उन्होंने उनमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

उन्हें समय प्रबंधन तकनीकों के बारे में भी सिखाया गया जो जीवन भर उपयोगी होंगी। उन्हें व्यावसायिकता और नैतिकता और पेशेवर और परोपकारी व्यवहार की अवधारणाओं से भी परिचित कराया गया। उन्हें टीम वर्क और टीम डायनामिक्स के बारे में सिखाया गया और उसी के लिए रोल प्ले भी किया गया

उन्हें कंप्यूटर आधारित कौशल, अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय बोली सहित विभिन्न भाषाओं में संचार और विभिन्न सांस्कृतिक और विकलांगता दक्षताओं जैसी विभिन्न दक्षताओं से परिचित कराया गया। उन्हें सार्वभौमिक संक्रमण सावधानियों, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, हाथ धोने, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में सिखाया और प्रदर्शित किया गया। टीकाकरण और स्वास्थ्य और रोग में पर्यावरण की भूमिका पर व्याख्यान दिए गए। उन्हें व्याख्यान और प्रदर्शन के माध्यम से बुनियादी जीवन कौशल से भी परिचित कराया गया। एटिट्यूड, एथिक्स एंड कम्युनिकेशन (एईटीसीओएम) मॉड्यूल भी फैकल्टी की एक टीम द्वारा 'डॉक्टर होने का क्या मतलब है?' पर आयोजित किया गया था जिसमें व्याख्यान, स्व-निर्देशित शिक्षा और रोल प्ले शामिल थे।

एमबीबीएस प्रथम वर्ष के लिए ओरिएंटेशन मॉड्यूल का कार्यक्रम

क्र. संख्या	विषय	संकाय	दिनांक	समय
१.	संस्थान का परिचय (उपलब्ध सुविधाओं सहित)	लेफ्टिनेंट कर्नल एस.एस.नागियाल उप निदेशक प्रशासन	०२.०१.२०२१	११-१२ पूर्वाह्न
२.	एमबीबीएस पाठ्यक्रम का अवलोकन	डॉ. संजय विक्रांत संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक)	०२.०१.२०२१	१२-०१ अपरान्ह
३.	कोविड १९ भाग १ वायरस, उभरना, महामारी का प्रसार, निदान, वैक्सीन आदि	डॉ. दीप्ति (जीव रसायन विज्ञान विभाग)	०४.०१.२०२१	११-१२ पूर्वाह्न
४.	कोविड १९ भाग II नैदानिक प्रस्तुति, रोकथाम और नियंत्रण, उपचार का अवलोकन	डॉ डार्विन (कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड-नेक सर्जरी विभाग)	०४.०१.२०२१	१२-०१ अपरान्ह
५.	रैगिंग रोधी उपाय	डॉ अनुराधा शर्मा (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग)	०५.०१.२०२१	११-१२ पूर्वाह्न
६.	अभिविन्यास सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग	डॉ. मीनल एम ठाकरे (सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग)	०५.०१.२०२१	१२-०१ अपरान्ह
७.	अभिविन्यास शरीर रचना विज्ञान विभाग	डॉ. संजय के शर्मा (शरीर रचना विज्ञान विभाग)	०६.०१.२०२१	११-१२ पूर्वाह्न
८.	अभिविन्यास शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	डॉ. पूनम वर्मा (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग)	०६.०१.२०२१	१२-०१ अपरान्ह
९.	अभिविन्यास जीव रसायन विज्ञान विभाग	डॉ जगत कँवर (जीव रसायन विज्ञान विभाग)	०७.०१.२०२१	११-१२ पूर्वाह्न
१०.	बेसिक लाइफ सपोर्ट	डॉ पूजा गुरनाल (सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग)	०७.०१.२०२१	१२-०१ अपरान्ह
११.	अनुसंधान का परिचय	डॉ. नवप्रीत (सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग)	०९.०१.२०२१	११-१२ पूर्वाह्न
१२.	स्वस्थ मन - तनाव प्रबंधन	डॉ ज्योति गुप्ता (मनश्चिकित्सा विभाग)	०९.०१.२०२१	१२-०१ अपरान्ह

एमबीबीएस प्रथम वर्ष के लिए ओरिएंटेशन मॉड्यूल का कार्यक्रम

क्र. संख्या	विषय	संकाय	दिनांक	समय
१३.	भारतीय चिकित्सा स्नातक की भूमिका और इसे सामाजिक महत्व से जोड़ना	डॉ. पूनम वर्मा (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग)	१२.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
१४.	समाज में डॉक्टर का महत्व और भूमिका	डॉ कपिल शर्मा (सामान्य चिकित्सा विभाग)	१२.०१.२०२१	०३-०५ अपरान्ह
१५.	देश से छात्रों की अपेक्षा	डॉ जगत कँवर (जीव रसायन विज्ञान विभाग)	१३.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
१६.	विश्व और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा	डॉ आशीष शर्मा (तंत्रिका विज्ञान विभाग)	१३.०१.२०२१	०३-०५ अपरान्ह
१७.	स्वास्थ्य देखभाल वितरण के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका	डॉ. मीनल एम ठाकरे (सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग)	१४.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
१८.	पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के प्रकार	डॉ पुनीत के गुप्ता (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग)	१४.०१.२०२१	०३-०५ अपरान्ह
१९.	एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रयुक्त टी/एल विधियों का संक्षिप्त परिचय	डॉ प्रबल जोशी (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग)	१५.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
२०.	एमबीबीएस पाठ्यक्रम में उपयोग की जाने वाली आकलन विधियों का संक्षिप्त परिचय	डॉ. पूनम वर्मा (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग)	१५.०१.२०२१	०३-०४ अपरान्ह
२१.	आंतरिक चिकित्सा बनाम पारिवारिक चिकित्सा	डॉ भूपेंद्र (सामान्य चिकित्सा विभाग)	१५.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
२२.	परिवार चिकित्सा के सिद्धांत और अभ्यास	डॉ अनुपमा धीमान (सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग)	१६.०१.२०२१	११-१२ पूर्वाह्न
२३.	दुनिया भर में पारिवारिक चिकित्सा और भारत	डॉ. नवप्रीत (सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग)	१६.०१.२०२१	१२-०१ अपरान्ह

एमबीबीएस प्रथम वर्ष के लिए फाउंडेशन कोर्स की कार्यक्रम अनुसूची

क्र. संख्या	विषय	संकाय	दिनांक	समय
१.	पारस्परिक संबंध	डॉ ज्योति गुप्ता (मनश्चिकित्सा विभाग)	१८.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
२.	व्यावसायिकता और नैतिकता की अवधारणा	डॉ हरप्रीत कौर (प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग)	१८.०१.२०२१	०३-०४ अपरान्ह
३.	व्यावसायिक व्यवहार और परोपकारी व्यवहार	डॉ मोहम्मद कौसर (अस्पताल प्रशासन विभाग)	१८.०१.२०२१	०४-०५ अपरान्ह
४.	स्वास्थ्य देखभाल टीम/समूहों में कार्य करना	डॉ विक्रांत कँवर (अस्पताल प्रशासन विभाग)	१९.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
५.	विकलांग योग्यताएं	डॉ आशीष शर्मा (तंत्रिका विज्ञान विभाग)	१९.०१.२०२१	०३-०४ अपरान्ह
६.	सांस्कृतिक योग्यता और कंप्यूटर कौशल	डॉ यतिराज सिंगी (न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग)	१९.०१.२०२१	०४-०५ अपरान्ह
७.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्य और नीतियां/स्वास्थ्य वितरण प्रणाली	डॉ. मीनल एम ठाकरे (सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग)	२१.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
८.	सार्वभौमिक सावधानी और टीकाकरण	डॉ जसबीर सिंह (बालरोग विज्ञान विभाग)	२१.०१.२०२१	०३-०४ अपरान्ह
९.	समय प्रबंधन	डॉ विक्रांत कँवर (अस्पताल प्रशासन विभाग)	२१.०१.२०२१	०४-०५ अपरान्ह
१०.	पर्यावरण और स्वास्थ्य समस्या	डॉ. नवप्रीत (सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग)	२२.०१.२०२१	०२-०३ अपरान्ह
११.	सार्वभौमिक संक्रमण सावधानी	डॉ अनुराधा शर्मा (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग)	२२.०१.२०२१	०३-०४ अपरान्ह
१२.	जैव खतरों और सुरक्षा की अवधारणा	डॉ अनुराधा शर्मा (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग)	२२.०१.२०२१	०४-०५ अपरान्ह
१३.	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट	डॉ पुनीत के गुप्ता (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग)	२३.०१.२०२१	११-१२ पूर्वाह्न
१४.	हाथ धोना / स्वच्छता / व्यक्तिगत स्वच्छता	डॉ मेघा शर्मा (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग)	२३.०१.२०२१	१२-०१ अपरान्ह

एमबीबीएस छात्रों के व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र

एमबीबीएस के प्रथम बैच का शैक्षणिक सत्र ११ जनवरी, २०२१ से औपचारिक शिक्षण सत्र की शुरुआत के साथ शुरू किया गया था। सत्रों को शुरू में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लिया गया था, जिनमें से कुछ को शारीरिक रूप से COVID १९ के उपयुक्त व्यवहार को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री विभाग कई बाधाओं की उपस्थिति के बावजूद वर्ष के दौरान सिद्धांत व्याख्यान और व्यावहारिक सत्रों में लगन से शामिल थे।

मेंटरशिप प्रोग्राम

मेंटरिंग का अर्थ है एक ऐसी प्रक्रिया जिसके द्वारा एक अनुभवी, सहानुभूति रखने वाला व्यक्ति (संरक्षक), अपने स्वयं के विचारों, सीखने और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के विकास और पुन: परीक्षक में दूसरे (आमतौर पर युवा) व्यक्ति (मेंटी) का मार्गदर्शन करता है। मेंटर को विश्वास में सुनकर या बात करके मेंटर इसे हासिल करता है। मेंटर ज्ञान और अनुभव को साझा करके, और निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करके मेंटी को अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इसका उद्देश्य मेंटी को समग्र विकास का अवसर प्रदान करना, उन्हें नए वातावरण में सहज बनाना और कॉलेज जीवन से परिचित कराना है, ताकि वे सभी क्षेत्रों में अपनी पूरी क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें।

लक्ष्य आने वाले छात्रों के लिए तत्काल सहायता नेटवर्क शुरू करना है। इस प्रकार, नए प्रवेशकर्ता कॉलेज में जीवन से अकादमिक और सांस्कृतिक रूप से परिचित होंगे, ताकि वे अपनी पूरी शैक्षणिक क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें। सलाह देने वाले संबंध कार्यस्थल को उत्तेजित करते हैं, जिससे यह और अधिक प्रभावी हो जाता है। बेहतर संचार, नेटवर्किंग और मूल्यों को साझा करना है।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एम्स, बिलासपुर में ५० एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच के शुरू होने और संकाय में शामिल होने के बाद एक परामर्श कार्यक्रम शुरू किया गया था। प्रत्येक मेंटी (छात्र) को एक यादच्छिक चयन प्रक्रिया के माध्यम से एक संरक्षक (संकाय) आवंटित किया गया था। बेहतर संचार प्रक्रिया के लिए उनके संपर्क नंबर साझा किए गए। प्रत्येक डायड को महीने में कम से कम एक बार भौतिक रूप से या वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक-दूसरे के पास जाना पड़ता था। छात्रों ने इसे एक बहुत ही उपयोगी कार्यक्रम के रूप में पाया क्योंकि वे अपनी दिन-प्रतिदिन की समस्याओं को अपने आकाओं के साथ साझा करने में सक्षम थे और साथ ही परीक्षक के समय जैसे तनाव के समय में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों को साझा करने में सक्षम थे। गुरु अपने ज्ञान और देखभाल के व्यवहार के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम थे।

यह परामर्श कार्यक्रम भविष्य में और अधिक उपयोगी कार्यक्रम के रूप में विकसित होगा। परिवर्तनशील दृष्टिकोण और प्रत्येक संरक्षक और परामर्शदाता के विभिन्न अनुभव कार्यक्रम की सफलता में इजाफा करेंगे।

संकाय शैक्षणिक सत्र

एम्स, बिलासपुर ने अंतर-विभागीय निरंतर चिकित्सा शिक्षा के एक तरीके के रूप में संकाय की 'अकादमिक बैठक' शुरू करने की पहल की। इन बैठकों ने शिक्षकों के बीच बातचीत को भी सुगम बनाया। चल रहे COVID-१९ महामारी के कारण, ये बैठकें एक ही समय (हाइब्रिड मोड) में भौतिक और ऑनलाइन मोड में आयोजित की गईं। बैठक में शारीरिक रूप से शामिल होने वालों के बीच कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया गया और दूरी बनाए रखी गई। ये बैठकें ११ दिसंबर से शुरू हुई थीं और अब तक चल रही हैं।

दिनांक	विभाग का नाम	संकाय का नाम	विषय
११/१२/२०२०	शरीर रचना विज्ञान विभाग	डॉ. संजय शर्मा	परिचय और बेसिक्स ऑफ़ एनाटोमी
१४/१२/२०२०	सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग	डॉ पूजा गुरनाल	परिचय और ऐरवे मैनेजमेंट इन COVID
१५/१२/२०२०	जीव रसायन विज्ञान विभाग	डॉ ओंजळ क तायवाड़े	परिचय
१८/१२/२०२०	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग	डॉ मीनल मधुकर ठाकरे	ओवरव्यू ऑफ़ अकादमिक अचीवमेंट्स और डिपार्टमेंटल प्लान
२१/१२/२०२०	दन्तरोग विज्ञान विभाग	डॉ दिनेश वर्मा	परिचय और स्पेक्ट्रम ऑफ़ मैक्सिलोफासिअल सर्जरी
२२/१२/२०२०	त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठरोग विभाग	डॉ मंजू दरोच	परिचय और इंटरेस्टिंग केसेस इन डर्मेटोलॉजी
२३/१२/२०२०	सामान्य चिकित्सा विभाग	डॉ अजय जरयाल	COVID १९- करंट स्टेटस
२४/१२/२०२०	कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड-नेक सर्जरी विभाग	डॉ डार्विन	परिचय और स्पेक्ट्रम ऑफ़ हेड, नैक सुरगरिएस & चैलेंजेज
२८/१२/२०२०	न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग	डॉ यतिराज सिंगी	परिचय और डीलिंग विथ मेडिको-लीगल केसेस
३०/१२/२०२०	अंतस्रावी,मधुमेह,उपापचय विज्ञान विभाग	डॉ प्रियंदर	परिचय /सम इंटरेस्टिंग एंडोक्राइन केसेस
३१/१२/२०२०	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	डॉ पुनीत कुमार गुप्ता	परिचय और इन्फेक्शन कण्ट्रोल परिचय और इन्फेक्शन कण्ट्रोल मेजर्स
०१/०१/२०२१	वृक्क रोग विज्ञान विभाग	डॉ संजय विक्रांत	परिचय टू नेफ्रोलॉजी

०४/०१/२०२१	तंत्रिका विज्ञान विभाग	डॉ आशीष शर्मा	सेल्फ & डिपार्टमेंटल परिचय
०५/०१/२०२१	प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग	डॉ हरप्रीत कौर	परिचय और covid-१९- रिस्क दूरिंग प्रेगनेंसी और मैटरनल फीटल ट्रांसमिशन
०६/०१/२०२१	नेत्र विज्ञान विभाग	डॉ नृपेन गौर	परिचय और अ ब्रीफ ओवरव्यू ऑफ़ पेडियेट्रिक ओफ्थल्मोलॉजी
०८/०१/२०२१	विकृति विज्ञान विभाग	डॉ गुरविंदर कौर	परिचय /सम इंटेरसेस्टिंग केसेस
१२/०१/२०२१	भेषजगुण विज्ञान विभाग	डॉ मीनाक्षी मीनू	परिचय /बायोडाटा
१३/०१/२०२१	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	डॉ प्रबल जोशी	परिचय /रोल ऑफ़ फिजियोलॉजी
१४/०१/२०२१	मनश्चिकित्सा विभाग	डॉ ज्योति गुप्ता	कंसल्टेशन लायसन इन साइकाइट्री
१५/०१/२०२१	विकिरण निदान विभाग	डॉ लोकेश राणा	परिचय
१८/०१/२०२१	विकिरण चिकित्सा विभाग	डॉ प्रियंका ठाकुर	परिचय टू रेडियोथेरेपी
१९/०१/२०२१	रक्तआधान औषधि एवं रक्त कोष विभाग	डॉ राकेश कुमार	परिचय और सम इंटरेस्टिंग मेडिको-लीगल केसेस
२०/०१/२०२१	शरीर रचना विज्ञान विभाग	डॉ सचिन सोनी	परिचय
२१/०१/२०२१	जीव रसायन विज्ञान विभाग	डॉ दीप्ति मलिक	परिचय
२२/०१/२०२१	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग	डॉ अनुपमा धीमान	बायोडाटा-परिचय
२५/०१/२०२१	दन्तरोग विज्ञान विभाग	डॉ अनुराग नेगी	बायोडाटा और परिचय टू इंटरडिसिप्लिनरी ऑर्थोडोंटिक्स
२७/०१/२०२१	अस्पताल प्रशासन विभाग	डॉ विक्रांत कँवर	परिचय और टेलेहेल्थ (IST), RTI एक्ट (२nd)
२८/०१/२०२१	सामान्य चिकित्सा विभाग	डॉ कपिल शर्मा	परिचय
२९/०१/२०२१	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	डॉ मेघा शर्मा	परिचय , इंटरेस्टिंग केसेस, मालदी टॉफ़-MS
०१/०२/२०२१	प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग	डॉ सुश्रुति कौशल	परिचय / कॉर्ड-ब्लड स्टेम सेल बैंकिंग
०२/०२/२०२१	नेत्र विज्ञान विभाग	डॉ नितिन कुमार	परिचय और वरिएड ओफ्थल्मोलॉजिक केसेस विथ सिस्टमिक इन्वॉल्वमेंट
०३/०२/२०२१	अस्थिरोग विभाग	डॉ गौरव कुमार शर्मा	बोन बैंकिंग

०४/०२/२०२१	बालरोग विज्ञान विभाग	डॉ जसबीर सिंह	बायोडाटा और इंडिया न्यूबोर्न एक्शन प्लान विथ इम्पोर्टेंस ऑफ़ बेसिक निओनेटल केयर
०५/०२/२०२१	भेषजगुण विज्ञान विभाग	डॉ यांग्शे ल्हामो	परिचय और सेंसिटाईसेशन टू फार्माकोविजिलैंस
०८/०२/२०२१	शरीर रचना विज्ञान विभाग	डॉ भाग्यश्री	परिचय
०९/०२/२०२१	जीव रसायन विज्ञान विभाग	डॉ सुमिता शर्मा	परिचय / न्यूमैटिक ट्यूब सिस्टम
१०/०२/२०२१	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग	डॉ नवप्रीत	बायोडाटा/परिचय
११/०२/२०२१	सामान्य चिकित्सा विभाग	डॉ भुपेन्दर कुमार	परिचय और NAFLD
१२/०२/२०२१	शरीर रचना विज्ञान विभाग	डॉ विजयकिशन भीमवारपु	परिचय ऑफ़ न्यूरोएनाटोमी
१५/०२/२०२१	सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग	डॉ रुपाली ब्रह्मा	सीपीआर इन एडल्ट्स
१६/०२/२०२१	जीव रसायन विज्ञान विभाग	डॉ जगत कँवर	टार्गेटेड नैनोमेडिसिन: ओप्पोरचुनिटी फॉर फ्यूचर
१७/०२/२०२१	कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड-नेक सर्जरी विभाग	डॉ शशिकांत अनिल पोल	परिचय और स्पेक्ट्रम ऑफ़ इनटी सर्जेरीस
१८/०२/२०२१	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	डॉ अनुराधा शर्मा	TDAP बूस्टर नीडेड फॉर प्रेग्नेंट और अन-इम्मुनाइज़्ड पापुलेशन
१९/०२/२०२१	बालरोग विज्ञान विभाग	डॉ स्मृति गुप्ता	परिचय और मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम इन चिल्ड्रन (mis-c) टेम्पोरली एसोसिएटेड विद कोविड १९ इन्फेक्शन
२२/०२/२०२१	प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग	डॉ अस्मिता	रेकॉम्बीनैंट बीटा hcg वेक्सिनेशन फॉर कंट्रासेप्शन- अ फेज १/२ ट्रायल
२३/०२/२०२१	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	डॉ भूपेन्द्र पटेल	ऍप्लिकेशन्स ऑफ़ इवेंट रिलेटेड पोटेंशियल (ERP)
२४/०२/२०२१	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग	डॉ चित्रेश कुमार	फ्लोरेसेंस गाइडेड ब्रैस्ट कोन्सेर्विंग सर्जरी
२५/०२/२०२१	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	डॉ प्रीति चिमनलाल भंडेरी	परिचय और फिजिकल एक्टिविटी और हेल्थ
२६/०२/२०२१	बालरोग शल्य चिकित्सा विभाग	डॉ बिजय कुमार सेठी	परिचय / इनोवेटिव वर्क्स

०१/०३/२०२१	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	डॉ हितेशकुमार अरविंदभाई जानी	ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्ट
०२/०३/२०२१	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	डॉ पूनम वर्मा	
०३/०३/२०२१	विकिरण निदान विभाग	डॉ प्रतीक सिहाग	रेडिएशन रिस्क्स इन मेडिकल इमेजिंग
०४/०३/२०२१	सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग	डॉ अनीता सरन	परिचय और माय एक्सपीरियंस इन NHS
०५/०३/२०२१	जीव रसायन विज्ञान विभाग	डॉ मनीष कुमार	परिचय /इन्हिबीशन ऑफ़ हिस्टोन ऐसीटाईलट्रांसफरऐस फंक्शन रेडिओसेन्सिटिज़ेस crebbp/ep३०० म्यूटेंट्स वाया रेप्रेशन ऑफ़ होमोलोगस रेकॉम्बिनेशन, पोटेंशिअली टार्गेटिंग अ गेन ऑफ़ फंक्शन
०८/०३/२०२१	त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठरोग विभाग	डॉ पायल चौहान	इंटरेस्टिंग क्लीनिकल स्केनरियस इन डर्मेटोलॉजी
०९/०३/२०२१	नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग	डॉ नलिनि	न्यूबोर्न केयर- बेसिक्स और बियॉन्
१०/०३/२०२१	प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान विभाग	डॉ निशा मलिक	गायनोकोलॉजिकल एंडोस्कोपी
१२/०३/२०२१	विकिरण निदान विभाग	डॉ मिन्हाज सादिक शेख	MRI और इट्स ऍप्लिकेशन्स इन न्यूरो-रेडियोलोजी
१६/०३/२०२१	सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग	डॉ कृति चौधरी	सीपीआर इन चिल्ड्रन
१७/०३/२०२१	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	डॉ रुपाली पार्लेवार	परिचय
१८/०३/२०२१	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	डॉ स्वाति गुप्ता	परिचय और EPTB डायग्नोस्टिक मॉडेलिटीज़
१९/०३/२०२१	शरीर रचना विज्ञान विभाग	डॉ वंदना तिवारी	परिचय ऑफ़ माइक्रो-एनाटोमी
२२/०३/२०२१	सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग	डॉ कृति चौधरी	लोकल एनेस्थेसिया सिस्टेमिक टॉक्सिसिटी
२३/०३/२०२१	शरीर रचना विज्ञान विभाग	डॉ सचिन सोनी	टुबेरियल ग्लैंड्स
२४/०३/२०२१	जीव रसायन विज्ञान विभाग	डॉ जगत कँवर	कैंसर थेरनॉटिक्स और कॉर्नियल हेज़
२५/०३/२०२१	बर्न अवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग	डॉ नवनीत शर्मा	परिचय और स्कोप ऑफ़ सर्विसेज
२६/०३/२०२१	ह्रदय वक्ष संवहिनी शल्य चिकित्सा विभाग	डॉ लक्ष्मी कुमारी साँख्यान	कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग- ऐन ओवरव्यू
३०/०३/२०२१	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग	डॉ मीनल मधुकर ठाकरे	नेशनल फॅमिली हेल्थ सर्वे ५ और PMSSY और वर्ल्ड हेल्थ डे २०२१
३१/०३/२०२१	दन्तरोग विज्ञान विभाग	डॉ दिनेश कुमार वर्मा	परिचय टू ऑर्थोग्नेथिक सर्जरीज़

कार्यक्रम और समारोह

गणतंत्र दिवस समारोह

२६ जनवरी २०२१ को आयुष ब्लॉक, एम्स, बिलासपुर में ७२वां गणतंत्र दिवस देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो (डॉ.) राकेश सहगल, नोडल अधिकारी, एम्स बिलासपुर द्वारा भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर प्रो (डॉ.) संजय विक्रांत, डीन अकादमिक, लेफ्टिनेंट कर्नल एस.एस. नगियाल, उप निदेशक (प्रशासन), प्रो (डॉ.) अनुराधा शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, संकाय, छात्र और कर्मचारी उपस्थित थे। समारोह में शिक्षकों और छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम को चिह्नित किया गया।

डॉ राकेश सहगल (नोडल अधिकारी)
राष्ट्र ध्वज फहराते हुए।

एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र नृत्य
प्रस्तुत करते हुए।

डॉ भूपेंद्र पटेल (सहायक आचार्य) शरीरक्रिया विज्ञान विभाग
देशभक्ति गीत प्रस्तुत करते हुए।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामया

विभागीय रिपोर्ट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ कृति चौधरी	सहायक आचार्य	०४/०२/२०२१
०२.	डॉ रुपाली ब्रह्मा	सहायक आचार्य	०२/०१/२०२१
०३.	डॉ. अनीता सरन	सहायक आचार्य	२९/०१/२०२१
०४.	डॉ पूजा गुरनाल	सहायक आचार्य	२३/११/२०२०

विभाग के विषय में

सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग नवंबर, २०२० में स्थापित किया गया था। विभाग में चार सहायक प्रोफेसर शामिल हैं। फैकल्टी ने एमबीबीएस छात्रों के फाउंडेशन कोर्स के साथ-साथ फैकल्टी एकेडमिक सेशन में प्रेजेंटेशन के हिस्से के रूप में बेसिक लाइफ सपोर्ट स्किल्स पर व्याख्यान और प्रदर्शन में सक्रिय रूप से शामिल होकर शिक्षाविदों में योगदान दिया है। चूंकि संस्थान अभी शैशवावस्था में है, विभाग कई प्रशासनिक कार्यों में शामिल रहा है जैसे ओटी और आईसीयू की लेआउट योजनाओं की समीक्षा करना, छोटे और बड़े ओटी के लिए उपकरणों और उपकरणों की सूची तैयार करना और आपातकालीन देखभाल, विभाग के लिए एसओपी तैयार करना और कोविड १९ प्रोटोकॉल। इनके अलावा विभाग ने एनेस्थीसिया के लिए कई चेकलिस्ट और फॉर्म तैयार किए हैं। छात्र परामर्श कार्यक्रम में शिक्षक भी शामिल थे।

विभागीय योजना

नैदानिक सेवाएं: एनेस्थिसियोलॉजी विभाग वैकल्पिक और आपातकालीन ओटी सेवाएं प्रदान करेगा। छोटे और बड़े ओटी में भी आपातकालीन और पुनर्जीवन सेवाएं प्रदान की जाएंगी। विभाग गंभीर रूप से बीमार रोगियों को आईसीयू में गहन देखभाल सेवाएं प्रदान करेगा जो चरणबद्ध तरीके से कार्य करना शुरू कर देगा। लेवल ३ आईसीयू की स्थापना के साथ, उन्नत वेंटिलेशन, एचएफओवी, इनवेसिव हेमोडायनामिक और सेरेब्रल मॉनिटरिंग, ईसीएमओ, एसएलईडी और सीआरआरटी जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके रोगियों की निगरानी और प्रबंधन किया जाएगा। चल रहे COVID १९ महामारी के दौरान, विभाग COVID १९ रोगियों की देखभाल के लिए चिकित्सा, बाल रोग, OBG और सर्जिकल विशिष्टताओं के विभागों के सहयोग से संस्थान में समर्पित COVID देखभाल केंद्र स्थापित करेगा। इसके अलावा, विभाग लेबर एनाल्जेसिया और तीव्र दर्द सेवाएं भी प्रदान करेगा और पुराने दर्द के साथ-साथ ऑन्कोलॉजी रोगियों के लिए दर्द क्लिनिक स्थापित करेगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग में एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: सवेंदनाहरण विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एमडी)

पद-डॉक्टोरल कार्यक्रम: विभिन्न उप-विशिष्टताओं में पद डॉक्टरेट फेलोशिप पाठ्यक्रम और डीएम पाठ्यक्रम स्थापित किए जाएंगे

डॉक्टरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, छात्रों, डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए समय-समय पर बीएलएस और एसीएलएस पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। मेडिकल छात्रों और नर्सों के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए कौशल और अनुकरण प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी। विभाग विभिन्न राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सीएमई और सम्मेलन आयोजित करने में शामिल होगा।

अनुसंधान: संस्थान के भीतर अन्य विभागों के साथ-साथ देश के अन्य प्रमुख संस्थानों के सहयोग से एनेस्थीसिया, पुनर्जीवन, गहन देखभाल और वायुमार्ग प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर शोध किया जाएगा।

सामुदायिक जुड़ाव: समुदाय में कार्डियक अरेस्ट और कम्प्रेशन ओनली लाइफ सपोर्ट के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में आम लोगों के लिए COLS कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आस-पास के स्वास्थ्य संस्थानों के स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए बीएलएस/एसीएलएस कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। लेबर एनाल्जेसिया सेवाओं और पुराने दर्द प्रबंधन के बारे में आम जनता को संवेदनशील बनाया जाएगा।

अनुसंधान
विभागीय परियोजनाएं (थीसिस / शोध प्रबंध सहित)
पूरा हुआ
डॉ कृति चौधरी

क्र. संख्या	परियोजनाएं
०१.	"सयको-सोशल इम्पैक्ट और चॉपिंग स्ट्रेटेजीज ऑफ़ फ्रोंटलीने हैल्थकारे वर्कर्स इन वेस्टर्न राजस्थान दूरिंग COVID-१९ पान्डेमिक "

प्रकाशन
अनुसंधान अनुच्छेद
डॉ कृति चौधरी

1. चौधरी G , **चौधरी K***, स्वामी R, कर्णावत R. कपरिसन ऑफ़ क्लोनिडीन विथ फ़ेंटानील एस एन एडजुवांत टू इसबारिक रोपिवाकेन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग वैजिनल हिस्टरेक्टमी अंडर सुबरकनाइड ब्लॉक. श्री लंकाँ जर्नल ऑफ़ अनेस्थेसिओलोग्य २०२१;२९:१८-२३.

शरीर रचना विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ संजय कुमार शर्मा	सह – आचार्य	२३/११/२०२०
०२.	डॉ भाग्यश्री	सहायक आचार्य	११/११/२०२०
०३.	डॉ. सचिन सोनी	सहायक आचार्य	२३/११/२०२०
०४.	डॉ वंदना तिवारी	सहायक आचार्य	१०/०२/२०२१
०५.	डॉ विजयकिशन भीमवारपु	सहायक आचार्य	२२/१२/२०२०

विभाग के विषय में

अंडरग्रेजुएट मेडिकल छात्रों के लिए **शरीर रचना विज्ञान** महत्वपूर्ण विषय है। चिकित्सा के आकर्षक क्षेत्र में यात्रा मानव शरीर की संरचना को समझने की कोशिश से शुरू होती है। **शरीर रचना विज्ञान** का विषय कोशिकीय से स्थूल स्तर तक मानव शरीर के अध्ययन से संबंधित है। विभाग में भ्रूणविज्ञान, ऊतक विज्ञान, आनुवंशिकी भी शामिल है। यहां छात्र शरीर के अंगों को सीखते हैं, वहां शरीर में अभिविन्यास होता है। दान किए गए शवों का श्मशान और संरक्षण भी यहां किया जाता है।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: विभाग का भविष्य में निदान और अनुसंधान के उद्देश्य से एक आनुवंशिक प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव है।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक शिक्षण: विभाग एमबीबीएस छात्रों के लिए पाठ्यक्रम विकसित और कार्यान्वित करेगा।

स्नातकोत्तर शिक्षण: विभाग एमडी, एमएससी, पीएचडी चलाएगा।

पैरामेडिकल साइंस के लिए पाठ्यक्रम: विभाग बीएससी, बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अनुसंधान: विभाग कैडेवर उन्मुख अध्ययन और अस्थि विज्ञान अध्ययन, न्यूरोएनाटॉमी, सिर और गर्दन और विकासात्मक शरीर रचना विज्ञान, तुलनात्मक और विकासात्मक शरीर रचना विज्ञान में अनुसंधान करेगा। विभाग एक समर्पित हिस्टोलॉजी लैब भी विकसित करेगा, इंट्राम्यूरल और एक्स्ट्राम्यूरल फंडिंग का उपयोग करके अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करेगा। विभाग बोन बैंक और संग्रहालय की स्थापना की योजना विकसित करेगा।

सामुदायिक आउटरीच: विभाग सीएमई और जागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।

शिक्षा

डॉ संजय कुमार शर्मा

1. बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स (एनपीटीईएल) (ऑनलाइन) (अगस्त-दिसंबर २०२०)

परीक्षक

डॉ संजय कुमार शर्मा

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	१स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	आरयूएचएस, जयपुर	२३-२७ मार्च २०२१

डॉ सचिन सोनी

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	१स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	एस एच के एम जी एम सी, नूंह, मेवात	२३-२७ फरवरी २०२१

जीव रसायन विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ जगत राकेश कंवर	प्रोफेसर और प्रमुख	२८/१२/२०२० (३१/०३/२०२१ तक)
०२.	डॉ सुमिता शर्मा	सह - आचार्य	०६/०१/२०२१
०३.	डॉ दीप्ति मलिक	सहायक आचार्य	११/११/२०२०
०४.	डॉ मनीष कुमार	सहायक आचार्य	२३/०१/२०२१
०५.	डॉ ओंजल कमलाकर तायवाड़े	सहायक आचार्य	२०/११/२०२०
०६.	डॉ गगनदीप मलिक	सीनियर रेजिडेंट	०३/०८/२०२०
०७.	डॉ कुमारी अनुपम	डेमोंस्ट्रेटर	०१/०४/२०२०

विभाग के विषय में

रोगी देखभाल में सहायता के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, चिकित्सा अनुसंधान सुविधाओं और नैदानिक प्रयोगशाला सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने के लिए **जीव रसायन विज्ञान** विभाग, एम्स, बिलासपुर की स्थापना की गई है। हमने स्नातक छात्रों (एमबीबीएस) के लिए व्याख्यान और व्यावहारिक कक्षाएं आयोजित कीं।

अंडरग्रेजुएट टीचिंग में, हमने समस्या आधारित लर्निंग, केस बेस्ड डिस्कशन और अर्ली क्लिनिकल एक्सपोजर जैसी नवीन शिक्षण तकनीकों को नियोजित किया। संकाय अकादमिक ब्लॉक में जैव रसायन विभाग और अस्पताल (ब्लॉक सी) में क्लिनिकल लैब की योजना/डिजाइनिंग में भी शामिल था। संकाय भी अनुसंधान गतिविधियों की योजना बनाने में सक्रिय रूप से शामिल था और इस अवधि के दौरान विभिन्न उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की खरीद के लिए इनपुट दिया। संकाय ने विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने के लिए पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के साथ भी सहयोग किया।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: विभाग नियमित जैव रसायन जांच और हार्मोन परीक्षण चलाएगा। भविष्य में, विभाग कैंसर प्रबंधन के लिए जैव रासायनिक मार्करों की जांच करने की योजना बना रहा है। विभाग कुछ नई सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रहा है जैसे कि COVID १९ संबंधित जांच (CRP, IL-६, D- Dimer, Ferritin)। सामान्य विकारों के लिए नवजात स्क्रीनिंग सुविधा की स्थापना की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। हम डीबीटी-निदान केंद्र शुरू करने का प्रस्ताव रखेंगे।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक शिक्षण: विभाग एमबीबीएस छात्रों के लिए पाठ्यक्रम लागू करेगा। स्नातकोत्तर शिक्षण: विभाग द्वारा एमडी, एमएससी (मेडिकल बायोकैमिस्ट्री) और पीएचडी पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे।

अनुसंधान: विभाग मधुमेह मेलेटस, बांझपन, नवजात स्क्रीनिंग (एनबीएस), प्रयोगशाला में गुणवत्ता नियंत्रण प्रथाओं, आनुवंशिक विकारों के निदान, विभिन्न कोलाइड ट्यूमर की ऑन्कोजीन स्क्रीनिंग और वयस्कों और बाल रोगियों दोनों में हेमटोलोगिक विकृतियों के क्षेत्र में अनुसंधान करेगा। कैंसर सेल एपिजेनोमिक्स पर miRNA-२९०९ की भूमिका, सिर और गर्दन के कैंसर के चिकित्सीय प्रतिरोध में हिस्टोन एसिटाइल ट्रांसफरेज़ की भूमिका, फैटी लीवर, एथेरोस्क्लेरोसिस, कैंसर।, श्रवण हानि का आणविक मूल्यांकन, स्ट्रोक बायोमार्कर, चिकित्सीय / निदान के लिए एंटीबॉडी प्रोटीन इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म। हेपेटाइटिस, कैंसर और घातक एजेंट। प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के आणविक हस्ताक्षर पर अध्ययन।

सामुदायिक आउटरीच: विभाग पोषण, मधुमेह, नवजात स्क्रीनिंग जैसे स्वास्थ्य संबंधी विषयों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगा।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

Dr Deepti Malik

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	**आयोजक**
०१.	*"इन-विट्रो* टेक्निक्स - सेल	एडवांस्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम इन	२१-२२ दिसंबर	पीजीआईएमईआर,

	बायोलॉजी प्रोटोकॉल्स"	एक्सपेरिमेंटल बेहवियरल न्यूरोसइनेस	२०२०	चंडीगढ़
०२.	*"इन-विट्रो* टेस्टिंग ऑफ़ ड्रग्स"	ड्रग डिजाइनिंग अगेंस्ट SARS-CoV-२ वर्चुअल कांफ्रेंस	८-९ जनवरी २०२१	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
०३.	" सेल कल्चर इन फार्माकोजेनोमिक्स"	फार्माकोजेनोमिक्स : बेसिक्स टू एडवांस्ड (२०२१) वर्चुअल कांफ्रेंस	५-६ फरवरी २०२१	मेडिकल फार्माकोलॉजिस्ट सोसायटी और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ जगत राकेश कंवर

1. जैन, अंकित; प्रजापति, शिव कुमार ; त्रिपाठी , माधवी ; रायचूर , अशोक M; कँवर , जगत R; एक्सप्लोरिंग द रूम फॉर रेपुरपोसेड हयड्रोक्सयचलोरोक्किने टू इम्पेड COVID-१९: टॉक्सीसीटीएस और मल्टीप्रांगड़ कॉम्बिनेशन अप्रोचेस विथ फार्मास्यूटिकल इनसाइट्स , एक्सपर्ट रिव्यु ऑफ़ क्लीनिकल फार्माकोलॉजी (एक्सेप्टेड फॉर पब्लिकेशन)

डॉ दीप्ति मलिक

1. जितेंदर सिंह , **दीप्ति मालिक** , अशविंदर रैना . इम्युनो-इन्फार्मेटिक्स एप्रोच फॉर B-सेल और T-सेल एपीटोप बेस्ड पेप्टाइड वैक्सीन डिज़ाइन अगेंस्ट नावेल COVID-१९ वायरस. वैक्सीन ३९ (७), १०८७-१०९५. पब्लिश्ड ऑनलाइन २०२१ जनुअरी ९.डीओआई:१०.१०१६/जे.वैक्सीन.२०२१.०१.०११
2. जितेंदर सिंह, **दीप्ति मालिक**, अशविंदर रैन मॉलिक्यूलर डॉकिंग एनालिसिस ऑफ़ अज़िथ्रोमैकिन और हयड्रोसीक्लोरोक्किन विथ स्पाइक सरफेस ग्लाइकोप्रोटीन ऑफ़ SARS-CoV-२. बिओइन्फोर्मशन १७(१): ११-२२ (२०२१). आईएसएसएन नंबर ०९७३-२०६३। ३१ जनवरी, २०२१ को प्रकाशित
3. जितेंदर सिंह , **दीप्ति मालिक** , अशविंदर रैना . कम्प्यूटेशनल इन्वेस्टीगेशन फॉर आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ पोटेंशियल फ्तोकेमिकल्स और एंटीवायरल ड्रग्स एस पोटेंशियल इन्हिबिटर्स फॉर RNA-डिपेंडेंट RNA पॉलीमरऐस ऑफ़ COVID-१९. ज बिओमोल स्ट्रक्ट धयन . २०२०: १-१६। ऑनलाइन प्रकाशित २०२० नवंबर १७. doi: १०.१०८०/०७३९११०२.२०२०.१८४७६८८
4. रूपा जोशी , सीमा बंसल , **दीप्ति मालिक** , रूबल सिंह , अभिषेक मिश्रा , अजय प्रकाश , बिकाश मेढ़ी ., कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग ऑफ़ ACE२ इन्हिबिटर्स फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ ड्रग्स अगेंस्ट कोणवीरसेस , मेथड्स इन फार्माकोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी , २०२१

डॉ ओंजल कमलाकर तायवाड़े

1. चौरसिया N, बुंदिवाल AK, **तायवाड़े OK,** अग्रवाल BK, इवैल्यूएशन ऑफ़ इंफ्लेमेटरी मार्कर्स एडिपोनेक्टिन और ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर अल्फा (TNF-A) और देयर करेलशन विथ मेटाबोलिक सिंड्रोम और इतस कंपोनेंट्स आईजेएमएसीआर, आईएसएसएन: २५८१ - ३६३३, खंड ३, अंक ६, नवंबर - दिसंबर २०२०, पृष्ठ संख्या: ९७ - १०६

डॉ कुमारी अनुपम

1. अंकित टंडन , **कुमारी अनुपम** , ज्योत्सना कौशल , प्रीती गौतम , अमन शर्मा और अर्चना भटनागर. आलटरड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस मार्कर्स इन रिलेशन टू T सेल्स , NK सेल्स & किलर इम्युनोग्लोबुलिन रिसेप्टर्स डॉट आर एसोसिएटेड विथ डिजीज एक्टिविटी इन SLE पेशेंट्स . लुपस २०२० २९(१४):१८३१-१८४४.

किताब में अध्याय

डॉ जगत राकेश कंवर

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	संस्करण	प्रकाशक	प्रकाशन का वर्ष
०१.	भाटी, उर्वशी; बैरो, कोलिन J; **कँवर, जगत R**; कपट, अर्नब; रमना, वेंकटा; कँवर, रुपिंदर K.	एंटी - एनजीओजनिक थेरेपी फॉर लंग कैंसर : फोकस ओन बायो-ऐसे डेवलपमेंट इन ए क्रेस्ट फॉर एंटी -VEGF ड्रग्स	यशवंत पाठक, नज़रुल इस्लाम	हैंडबुक ऑफ़ लंग टार्गेटेड ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स : रीसेंट ट्रेंड्स और क्लीनिकल एविडेन्सेस	प्रथम	सीआरसी प्रेस	२०२१

डॉ कुमारी अनुपम

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	प्रकाशन का वर्ष
०१.	अखिल, ज्योत्सना कौशल, अंकित टंडन, **कुमारी अनुपम**, अर्चना भटनागर	सिग्नीफिकेन्स ऑफ़ डाइटरी फैक्टर्स इन सिस्टमिक लुपस एरीथेमॅटोसस (SLE)	२०२०

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

डॉ दीप्ति मलिक

1. वैल्युएबल कंट्रीब्यूशन एस जज फॉर ओरल /पदर प्रेजेंटेशन इन इंटरनेशनल वेबिनार ओन "फार्माकोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी " & ४० वीं एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ सोसाइटी ऑफ़ टॉक्सिकोलॉजी (STOX), इंडिया STOX-२०२१" २९-३० जनवरी, २०२१

परीक्षक

डॉ सुमिता शर्मा

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	१स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	एनसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, इसराना, पानीपत	२५-२७ फरवरी २०२१

डॉ ओंजल कमलाकर तायवाड़े

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	१स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	एसएलबीएस गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नेर चौक (हि.प्र.)	२२-२४ फरवरी २०२१

बर्न अवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ नवनीत शर्मा	सहायक आचार्य	२३/११/२०२०

विभाग के विषय में

एक संकाय सदस्य के शामिल होने के साथ नवंबर २०२० में एम्स, बिलासपुर में विभाग शुरू किया गया था। एम्स बिलासपुर में ओपीडी और आईपीडी सेवाएं अभी तक कार्यात्मक नहीं हैं, इसलिए संकाय ने ओपीडी/आईपीडी सेवाओं के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची तैयार की और प्रस्तुत की। विभाग ने अंतरिक्ष आवंटन और विभाग के कामकाज के संबंध में बैठक में भी भाग लिया। विभाग में एकमात्र फैकल्टी भी स्टोर निरीक्षण समिति के सदस्य हैं। संकाय सदस्य स्नातक एमबीबीएस शिक्षण में भी शामिल रहे हैं।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल: संस्थान में ओपीडी की शुरुआत के साथ, विभाग ओपीडी सेवाएं, मामूली ऑपरेशन सेवाएं और संवहनी विकृतियों के लिए इंट्रालेसनल स्क्लेरोथेरेपी जैसी अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करेगा। आईपीडी सेवाओं के शुरू होने से प्रमुख सर्जिकल सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी। विभाग ने विभाग के सहयोग से डायबिटिक फुट क्लीनिक शुरू करने की योजना बनाई है। एंडोक्रिनोलॉजी और पीएमआर।

शिक्षण और प्रशिक्षण: विभाग स्नातक एमबीबीएस शिक्षण और सामान्य शल्य चिकित्सा स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं को पढ़ाने में शामिल होगा। नैदानिक सेवाओं के विस्तार के साथ, एम.सीएच. बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी में शुरू किया जाएगा। फ्री-फ्लैप्स और हैंड रिकंस्ट्रक्शन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अनुसंधान: विभाग की योजना आघात पुनर्निर्माण, मधुमेह के पैर और कटे होंठ/तालु जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान करने की है। विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के साथ अनुसंधान और बहु-केंद्रित परियोजनाओं के लिए अंतर-विभागीय सहयोग का हिस्सा बनने की योजना बना रहा है।

हृदय वक्ष संवहिनी शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ लक्ष्मी कुमारी साँख्यान	सहायक आचार्य	०९/११/२०२०

विभाग के विषय में

विभाग को एम्स, बिलासपुर में नवंबर २०२० में फैकल्टी के शामिल होने के साथ शुरू किया गया था। विभाग ने नींव पाठ्यक्रम के दौरान और शरीर रचना विज्ञान के साथ लंबवत एकीकरण में स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया है। कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी के लिए इष्टतम सेट-अप सुनिश्चित करने के लिए विभाग निर्माणाधीन अस्पताल ब्लॉक के लिए एआरसीओपी (डिजाइन सलाहकार और वास्तुकार) के साथ सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल: विभाग ओपीडी सेवाओं की शुरुआत संस्थान में ओपीडी सेवाओं की शुरुआत के साथ टेलीकंसल्टेशन और फिजिकल ओपीडी दोनों के माध्यम से करेगा। संस्थान में आईपीडी सेवाओं की शुरुआत के साथ, विभाग अन्य विभागों को बहु-विषयक देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों की देखभाल के लिए आपातकालीन सेवाएं और सहायता प्रदान करेगा। विभाग समय के साथ सीएबीजी, वॉल्व ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी और मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी जैसी कार्डियक सर्जरी शुरू करेगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण: विभाग सीटीवीएस में एम.सीएच पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। उस समय तक, विभाग सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेगा। विभाग बीएससी परफ्यूज़न और फिजिशियन असिस्टेंट ट्रेनिंग कोर्स भी शुरू करेगा।

अनुसंधान: विभाग की अनुसंधान अध्ययन में एम्स, नई दिल्ली और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के साथ सहयोग करने की योजना है। प्रस्तावित अनुसंधान के लिए कुछ क्षेत्र स्कूल जाने वाले बच्चों में रुमेटिक हृदय रोग, इस्केमिक हृदय रोग और उच्च ऊंचाई के संबंध और जन्मजात हृदय रोग हैं।

सामुदायिक भागीदारी: लोगों को हृदय संबंधी जोखिम कारकों के बारे में शिक्षित करने के लिए सामुदायिक जागरूकता शिविरों की योजना बनाई जाएगी; आम जनता के लिए आघात पुनर्जीवन और रूमेटिक हृदय रोग के लिए स्कूल जागरूकता कार्यक्रम।

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ लक्ष्मी कुमारी साँख्यान

1. ६७ एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ द इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ कार्डियोवैस्कुलर - थोरेसिक सुरगेओंस , वर्चुअल सिम्पोजियम , २६th – २८th Feb २०२१;२६ से २८ फरवरी २०२१

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ लक्ष्मी कुमारी साँख्यान

1. **साँख्यान LK**, चौधरी UK. जॉर्ज N, सुषमागायत्री B. परफॉरमेंस ऑफ़ मैकेनिकल और बायोलॉजिकल मिट्रल प्रोस्थेसिस इन यंग रहेउमाटिक्स एन्ड बिलो ४५ इयर्स . J. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी और कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस . २०२१ ;४(७):२६४१-०४१९
2. **साँख्यान LK**, जॉर्ज N. सुषमागायत्री B. एट अल, (२०२०) टोटल पेरिकार्डएक्टोमी वाया मॉडिफाइड लेफ्ट अन्तेरोलाट्रल थोरकोटमी विथाउट कार्डियोपल्मोनरी बाईपास (UKC मॉडिफिकेशन): अ वीडियो प्रेजेंटेशन . J. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी और कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस . दिसंबर २०२० ३(१३); डी ओ ई : । ०.३१५७९/२६४१-०४ । ९/१०८.
3. **साँख्यान LK**, यादव V, शर्मा S, चौबे M. जॉर्ज N. सुषमागायत्री . विश्वास मालिक . उज्जवल K. चौधरी (२०२१) असेसमेंट ऑफ़ मायोकार्डियल मैकेनिक्स इन पेशेंट्स ुन्देरगोइंग पेरिकार्डएक्टोमी फॉर क्रोनिक

कंस्ट्रिक्टिव पेरिकार्डिटिस बी टिश्यू डोप्पलर इमेजिंग और २D स्पेकलेड़ ट्रैकिंग एचोकर्दिओग्रफ्य : अ प्रोस्पेक्टिव ऑब्ज़र्वेशनल (कोर्ट) स्टडी . J. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी और कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस .:Feb २०२१ ;४(२):२६४१-०४१९

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ लक्ष्मी कुमारी साँख्यान

1. इनोवेटिव हैल्थकारे लीडरशिप अवार्ड - CTVS फॉर एक्सीलेंस और लीडरशिप इन हैल्थकारे बी गोल्डन एआईएम अवार्ड, २४ नवंबर २०२०

सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ मीनल मधुकर ठाकरे	अतिरिक्त आचार्य	१६/११/२०२०
०२.	डॉ नवप्रीत	सहायक आचार्य	०५/१२/२०२०
०३.	डॉ अनुपमा धीमान	सहायक आचार्य	०५/१२/२०२०

विभाग के विषय में

सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग, एम्स, बिलासपुर की स्थापना वर्ष २०२० में अत्यधिक महत्व के तीन डोमेन यानी शिक्षण और प्रशिक्षण, आउटरीच सेवाओं और अनुसंधान की सेवा के उद्देश्य से की गई थी। जैसा कि नाम से ही संकेत मिलता है कि फैमिली मेडिसिन के अभ्यास में जीवन भर यानी गर्भ से लेकर कब्र तक सेवाओं का एक व्यापक पैकेज शामिल है। इसकी सेवाओं की एक श्रृंखला है जिसमें प्रसवपूर्व, प्रसवपूर्व, प्रसवोत्तर, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, स्वास्थ्य और बीमारी में व्यक्तियों की देखभाल आदि शामिल हैं। यह अपने परिधीय स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से कई प्रकार की प्रोत्साहक, निवारक और उपचारात्मक सेवाएं प्रदान करने का इरादा रखता है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों। जिले में और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में समुदाय की भागीदारी, भागीदारी और हितधारकों के साथ संपर्क बनाए रखना यहां के लोगों के स्वास्थ्य स्तर के समग्र उत्थान के लिए महत्वपूर्ण है। जो पहले से उपलब्ध है उसे जोड़ने के लिए और यह समुदाय की स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर आधारित होगा जैसा कि सामुदायिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया गया है और स्वास्थ्य अनुसंधान डेटा और अन्य संसाधनों द्वारा समर्थित है।

मेडिकल छात्रों को समुदाय आधारित देखभाल और सेवाओं की ओर उन्मुख करना सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग की एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस उद्देश्य के लिए, विभाग ने २० स्वास्थ्य और संबंधित एजेंसियों की पहचान की है, जहां छात्र तीसरे सेमेस्टर में अपनी नैदानिक पोस्टिंग के दौरान दौरे का भुगतान करेंगे। यह न केवल उन्हें इन एजेंसियों के काम करने के बारे में एक प्रत्यक्ष विचार देगा, बल्कि सामुदायिक चिकित्सक बनने के लिए उनकी रुचि और झुकाव भी विकसित करेगा। विभाग विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और नीतियों में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की क्षमता निर्माण के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: विभाग टीकाकरण क्लिनिक, पारिवारिक चिकित्सा ओपीडी / सामान्य ओपीडी जैसे विशेष क्लीनिक चलाएगा। विभाग एंटीरेबीज क्लीनिक भी स्थापित करेगा। भविष्य में विभाग ने मोबाइल मैमोग्राफी वैन, डेक्सा स्कैन, यूएसजी, पीएपी स्मीयर जैसी विभिन्न नई सेवाएं प्रदान करने की योजना विकसित की है। यह ध्यान में रखते हुए कि हम शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के मालिक हैं, हम २४ x ७ चल रहे ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में आईपीडी रख सकते हैं। तीव्र गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण, श्वसन पथ संक्रमण, डीओटी केंद्र, नामित सूक्ष्म केंद्र, एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र, त्वचा रोग, प्रजनन पथ संक्रमण, प्रसवपूर्व क्लीनिक, परिधि पर टीकाकरण क्लीनिक जैसी छोटी बीमारियों का इलाज करना।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक शिक्षण: विभाग एमबीबीएस छात्रों के लिए पाठ्यक्रम विकसित और कार्यान्वित करेगा।

स्नातकोत्तर शिक्षण : जन स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों में एमडी व परास्नातक विभाग द्वारा चलाए जाएंगे

पैरामेडिकल साइंस के लिए पाठ्यक्रम: विभाग बीएससी, बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अनुसंधान: पीजीआईएमईआर के सहयोग से विश्व एनसीडी फेडरेशन का इरादा देश के प्रत्येक क्षेत्र में पायलटिंग के लिए एक जिला बनाने का है। विभाग इस परियोजना के लिए सहयोगी केंद्रों में से एक होगा। एम्स, नई दिल्ली - ५-१८ वर्ष के आयु वर्ग में कोविड-१९ महामारी के कारण मनोवैज्ञानिक प्रभाव के आकलन पर परियोजना।

विभाग ने स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के सहयोग से हिमाचल प्रदेश राज्य में खाद्य स्वच्छता प्रथाओं और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के प्रशिक्षण पर शोध करने की योजना बनाई है।

सामुदायिक आउटरीच: समुदाय के नेताओं, हितधारकों, स्वास्थ्य शिक्षा के साथ संबंध बनाने के लिए क्षेत्र का दौरा। विभाग स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक मुद्दों की पहचान करेगा, सामाजिक मुद्दों को दौरे की जरूरत है और मुद्दों को खोजने के लिए क्षेत्र आधारित अध्ययन और फिर एम्स से विभिन्न विशिष्टताओं की मदद से इसका निपटारा करेगा। एनएफएचएस ५ डेटा के आधार पर स्क्रीनिंग परीक्षणों का बहुत कम प्रसार। क्षेत्र में स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, मुंह के कैंसर की जांच की जरूरत है।

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

डॉ मीनल मधुकर ठाकरे

1. CME कन्वेनर , POSH: टैकलिंग थे मेनेस ऑफ़ सेक्सुअल हरस्मेंट - रोल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ प्रोफेशनल्स, दूरिंग नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ प्रिवेंटिव और सोशल मेडिसिन २०२१ आर्गनाइज्ड बय डिपार्टमेंट ऑफ़ कम्युनिटी मेडिसिन और स्कूल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ , पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ दिनांक: ०८.०३.२०२१

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ मीनल मधुकर ठाकरे

1. ४८ एनुअल नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ प्रिवेंटिव & सोशल मेडिसिन "पब्लिक हेल्थ इन २१ सेंचुरी: करंट चैलेंजेज & फ्यूचर ओप्पोर्तुनिटीज़ " मार्च १९-२१,२०२१ पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

डॉ नवप्रीत

1. प्री- कांफ्रेंस CME ऑफ़ IAPSMCON २०२१ शीर्षक POSH दिनांक ०८.०३.२०२१
2. ४८ नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ IAPSMCON २०२१ दिनांक मार्च १९-२१, २०२१
3. IAPSM यंग लीडर्स' नेशनल कॉन्क्लेव दिनांक. मार्च २६-२७, २०२१

डॉ अनुपमा धीमान

1. प्री- कांफ्रेंस CME ऑफ़ IAPSMCON २०२१ शीर्षक POSH दिनांक ०८.०३.२०२१
2. ४८ नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ IAPSMCON २०२१ दिनांक मार्च १९-२१, २०२१
3. IAPSM यंग लीडर्स' नेशनल कॉन्क्लेव दिनांक. मार्च २६-२७, २०२१

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

डॉ मीनल मधुकर ठाकरे

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
०१.	विजय नारायण पुरस्कार सत्र के लिए विशेषज्ञ जूरी	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव और सोशल मेडिसिन का राष्ट्रीय सम्मेलन २०२१	१९-२१ मार्च २०२१	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
०२.	प्रजनन स्वास्थ्य पर पदर सत्र के लिए न्यायाधीश	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव और सोशल मेडिसिन का राष्ट्रीय सम्मेलन २०२१	१९-२१ मार्च २०२१	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
०३.	विशेषज्ञ समीक्षक- युवा संकाय और सामुदायिक चिकित्सा के निवासियों के बीच पारिवारिक चिकित्सा अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुदान प्रस्ताव के लिए, वर्ल्ड एनसीडी फेडरेशन द्वारा सम्मानित किया गया	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव और सोशल मेडिसिन का राष्ट्रीय सम्मेलन २०२१	१९-२१ मार्च २०२१	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ मीनल मधुकर ठाकरे

1. दीपक शर्मा, नवीन कृष्ण गोयल, मुनीश कुमार शर्मा, दिनेश कुमार वालिआ, **मीनल मधुकर ठाकरे**, वनिता गुप्ता, संदीप मित्तल, मनीष शर्मा. परेवालेन्स ऑफ़ तंबाकू यूज़ और एसोसिएटेड फैक्टर्स अमंग इंजेक्टिंग ड्रग यूजरज और में हु हैवे सेक्स विथ में. इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी और फॅमिली मेडिसिन. जनवरी २०२१; ७(१):५९

डॉ नवप्रीत

1. कौर K, गोयल N, शर्मा M, **सिंह N**, बिश्नोई M, रोहिल्ला R. द सोशल कैपिटल अमंग एल्डर्ली पापुलेशन ऑफ़ चंडीगढ़ : क्रॉस सेक्शनल स्टडी. हेल्थलाइन . २०२१;१२(१): २९-३६

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ मीनल मधुकर ठाकरे

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	उपाध्यक्ष	इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन, स्टेट ब्रांच, चंडीगढ़
०२.	संपादकीय बोर्ड सदस्य	जर्नल ऑफ आईपीएचए, स्टेट ब्रांच, चंडीगढ़
०३.	आजीवन सदस्य	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव और सोशल मेडिसिन
०४.	आजीवन सदस्य	इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन

डॉ नवप्रीत

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	कार्यकारी सदस्य	इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन, स्टेट ब्रांच, चंडीगढ़
०२.	आजीवन सदस्य	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव और सोशल मेडिसिन
०३.	आजीवन सदस्य	इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ
०४.	आजीवन सदस्य	अंतर्राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संघ
०५.	आजीवन सदस्य	ब्रेस्ट फीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया
०६.	आजीवन सदस्य	इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ न्यूट्रिशन

डॉ अनुपमा धीमान

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	कार्यकारी सदस्य	इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन, स्टेट ब्रांच, चंडीगढ़
०२.	आजीवन सदस्य	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव और सोशल मेडिसिन
०३.	आजीवन सदस्य	इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ
०४.	आजीवन सदस्य	अर्बन हेल्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया
०५.	आजीवन सदस्य	इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ न्यूट्रिशन

दन्तरोग विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ दिनेश कुमार वर्मा	आचार्य	१६/११/२०२०
०२.	डॉ निशांत	सहायक आचार्य	२५/०२/२०२१
०३.	डॉ अनुराग नेगी	सहायक आचार्य	०२/१२/२०२०
०४.	डॉ.काजा मोहैदीन.ए	सीनियर रेजिडेंट	०१/०१/२०२०

विभाग के विषय में

१६ नवंबर, २०२० को एम्स बिलासपुर में दन्तरोग विज्ञान विभाग की स्थापना उस दिन शिक्षकों की नियुक्ति के साथ हुई थी। वर्तमान में, विभाग में कुल ३ संकाय हैं जिनमें मौखिक और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के एक प्रोफेसर, ऑर्थोडोंटिक्स के एक सहायक प्रोफेसर और बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा के एक सहायक प्रोफेसर शामिल हैं। शैक्षणिक बैठकों में शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। ओपीडी सेवाएं शुरू होने से पहले दंत चिकित्सा विभाग द्वारा ई संजीवनी ओपीडी प्लेटफॉर्म पर टेली-परामर्श सेवाएं शुरू की गईं जो आज तक जारी हैं।

विभाग योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: दंत चिकित्सा विभाग मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, ऑर्थोडोंटिक्स और पेडोडोंटिक्स में सामान्य दंत चिकित्सा और विशेष सेवाओं की ओपीडी सेवाएं प्रदान करेगा। विभाग मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा, बेनाइन ट्यूमर, ओरल मैलिग्नेंसीज, टीएमजे सर्जरी, मैक्सिलोफेशियल इन्फेक्शन, ऑर्थोगैथिक सर्जरी और मैक्सिलोफेशियल रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में भी आईपीडी सेवाएं प्रदान करेगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

दंत चिकित्सा विभाग ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, ऑर्थोडॉन्टिक्स और पेडोडोंटिक्स में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण शुरू करेगा। विभाग मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा में फेलोशिप भी शुरू करेगा।

अनुसंधान: विभाग ने निरंतर स्थानीय दवा वितरण में अनुसंधान पर जोर देने वाले क्षेत्रों की पहचान की है; कंकाल लंगरगाह आधारित कार्यात्मक हड्डी रोग और जल फ्लोराइडेशन। विभाग ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस रजिस्ट्री भी स्थापित करेगा।

सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ: विभाग स्कूल मौखिक स्वास्थ्य रजिस्ट्री और आदिवासी मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू करके स्थानीय समुदाय को शामिल करेगा।

शिक्षा

डॉ दिनेश कुमार वर्मा

1. आईसीएमआर हेल्थ रिसर्च फंडामेंटल्स

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ दिनेश कुमार वर्मा

1. ग्लोबल ओरल ऑन्कोलॉजी वर्चुअल कांफ्रेंस
1. १३ द्विवार्षिक कांफ्रेंस ऑफ़ इंटरनेशनल फॉर मैक्सिलोफासिअल रिहैबिलिटेशन

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ दिनेश कुमार वर्मा

1. **वर्मा DK,** बलि RK. COVID-१९ एंड मुकरमैक्सिस ऑफ़ थे क्रानिओ-फेसिअल स्केलेटन : कौसल , कंट्रीब्यूटरी और कोइन्सिडेंटल ?. J मैक्सिलोफासिअल ओरल सर्जरी .२०२१मार्च २७;२०(२):१-२

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ दिनेश कुमार वर्मा

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	संपादक – मंडल	जर्नल ऑफ़ ओरल बायोलॉजी और क्रानिओफ़ेसिअल रिसर्च
०२.	सह-संपादक	जर्नल ऑफ़ मैक्सिलोफासिअल और ओरल सर्जरी
०३.	संकाय	अरबिटस्गोमेंसच्चाफ्त फर औस्टोसिंथेसेफरेगें (AO)
०४.	साथी सदस्य	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ ओरल और मैक्सिलोफासिअल सर्जरी
०५.	सदस्य	ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ़ ओरल और मैक्सिलोफासिअल सर्जरी
०६.	सदस्य	यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ़ क्रानिओ -मैक्सिलोफासिअल सर्जरी
०७.	सदस्य	अरबिटस्गोमेंसच्चाफ्त फर ोस्टोसिंथेसेफरेगें (AO)

डॉ अनुराग नेगी

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	सदस्य	इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी
०२.	साथी सदस्य	वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ़ ऑर्थोडॉन्टिस्ट्स

परीक्षक

डॉ अनुराग नेगी

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	बीडीएस फाइनल ईयर ऑर्थोडोंटिक्स परीक्षक	हि. प्र. सरकारी दंत चिकित्सा महाविद्यालय, शिमला	२४ जनवरी २०२१

त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठरोग विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ पायल चौहान	सहायक आचार्य	१९/०१/२०२१
०२.	डॉ मंजू दरोच	सहायक आचार्य	११/११/२०२०
०३.	डॉ पलवी सिंगला	सीनियर रेजिडेंट	२६/१०/२०२०

विभाग के विषय में

दो संकायों ने क्रमशः नवंबर २०२० और जनवरी २०२१ के महीने में त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठरोग विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वर्तमान काल में विभाग नेफ्रोलॉजी विभाग के अधीन विभागाध्यक्ष के रूप में डॉ. संजय विक्रांत के साथ कार्य कर रहा था। स्थापना विभाग के इस प्रारंभिक चरण में विभाग के कामकाज के लिए आवश्यक उपकरणों और विभिन्न वस्तुओं की खरीद के साथ काम शुरू हुआ। इसी दौरान एमबीबीएस का पहला बैच शुरू हुआ।

त्वचाविज्ञान विभाग द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में शामिल हैं:

एमबीबीएस शिक्षण का पाठ्यक्रम तैयार करना, स्नातक छात्रों की एईटीकॉम कक्षाएं लेना, योग सत्र। विभाग के संकाय विभिन्न समितियों अर्थात छात्रावास समिति, परीक्षक समिति, सांस्कृतिक समिति, अस्पताल निर्माण निगरानी समिति का हिस्सा थे। फैकल्टी ने ४ घंटे की प्रेजेंटेशन के साथ फैकल्टी मीट (२० घंटे) में भाग लिया। विभाग निर्माण योजनाओं से संबंधित विभिन्न बैठकों में भी शामिल हुआ। विभाग ने त्वचाविज्ञान विभाग के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं भी विकसित की हैं।

<u>विभागीय योजना</u>

रोगी देखभाल सेवाएं: विभाग ओपीडी, माइनर ओटी, आईपीडी में रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान करेगा। विभाग सूक्ष्मजैविक जांच के लिए डर्मोस्कोपी, हिस्टोपैथोलॉजी, डर्मेटोलॉजी साइड लैबोरेटरी स्थापित करने की भी योजना बना रहा है। आपातकालीन कॉल सेवा, लेजर, एचडीयू प्रबंधन, विटिलिगो सर्जरी, पैच और फोटो पैच परीक्षण, फोटोथेरेपी अतिरिक्त सेवाएं हैं जो निकट भविष्य में प्रदान की जाएंगी। विभाग पैथोलॉजी विभाग के सहयोग से इम्यूनोफ्लोरोसेंस स्थापित करने का भी इरादा रखता है।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक शिक्षण: विभाग एमबीबीएस छात्रों के लिए पाठ्यक्रम विकसित और कार्यान्वित करेगा। विभाग बेसिक डर्मेटोलॉजी, कुष्ठ रोग, वायरल और बैक्टीरियल संक्रमण और एसटीडी पढ़ाएगा।

स्नातकोत्तर शिक्षण: विभाग एमडी चलाएगा

डॉक्टरेट के बाद के कार्यक्रम: विभाग के पास डर्मोस्कोपी और डर्मोपैथोलॉजी और डर्मोसर्जरी के क्षेत्र में शॉर्ट ऑब्जर्वर-शिप होगा।

अनुसंधान: विभाग ने टेलीमेडिसिन में अनुसंधान करने की योजना बनाई है, विशेष क्लीनिक शुरू करने के लिए, संक्रामक विकारों में डर्मोस्कोपी, कुष्ठ, आईबी, एसटीडी, पित्ती, दवा प्रतिक्रिया, बाल और नाखून, सीडी, बाल चिकित्सा वर्णक त्वचाविज्ञान, ट्राइकोलॉजी, ऑन्कोडर्मेटोलॉजी और ऑनिकोस्कोपी।

सामुदायिक आउटरीच: दूर-दराज के क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन परामर्श, सीएमई, राज्य त्वचाविज्ञान समाज की भागीदारी, कुष्ठ जागरूकता कार्यक्रम। विभाग एसटीडी जागरूकता कार्यक्रमों के लिए आउटरीच कैंप आयोजित करेगा।

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ पायल चौहान

1. **चौहान P.**,जिंदल R, चुघ R.डर्मोस्कोपी ऑफ़ जुवेनाइल संथारनुलोमा .इंडियन डर्मटोल ऑनलाइन जर्नल , मार्च २०२१.
2. जिंदल R, **चौहान P**, सेठी S. डर्मोस्कोपिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ गुट्टे सोरायसिस , पीटीरिऑसिसरोसिए , एंड पीटीरिऑसिस लाइकेनऔइड एस्ट्रोनिका इन डार्क स्किन फोटोटीपीस :एन ऑब्ज़र्वेशनल स्टडी .डर्मेटोलॉजी थेरेपी . २०२१ जनवरी;३४(१):ई१४६३१

3. **चौहान P,** जिंदल R, मीणा D. इन ट्रा ली जोनल मीसल्स , मम्प्स , एंड रूबेला वैक्सीन इम्मुनोथेरपी इन मोल्लुसकुम कंटगीयसूम : ए रेट्रोस्पेक्टिव ऑब्ज़र्वेशनल स्टडी फ्रॉम ए टरशिएरी केयर सेण्टर इन नार्थ इंडिया .डर्मटोलॉजी थेरेपी . २०२१ जनवरी;३४(१):e१४६१५
4. जिंदल R, **चौहान P**, रतुरी S. पेम्फीगस वगतंस ऑफ़ हलोपो मस्कुएरडिंग अस अक्रोडर्माटिटिस कॉन्टिनुआ सुप्पुरात्वा .इंडियन J डर्मटोल वेनेरोल लेप्रोल . २०२१;८७(४):५६०-५६२.
5. **चौहान P,** अड्या KA. डर्मेटोस्कोपी ऑफ़ कतनेओस ग्रनुलोमाटोस डिसऑर्डर्स .इंडियन डर्मटोल ऑनलाइन J. २०२१ जनवरी १६;१२(१):३४-४४
6. जिंदल R, चौहान P, रॉय S.ट्रेंड्स ऑफ़ लेप्रोसी ओवर ए पीरियड ऑफ़ फोर इयर्स (२०१६-२०१९) एट ए टरशिएरी केयर हॉस्पिटल इन उत्तराखंड (इंडिया) एंड कपरिसों विथ लास्ट लूस्ड्रम (२०११-२०१५),इंडियन जर्नल ऑफ़ लेप्रोसी ९३:५३-६१
7. हज़ारिका N, **चौहान P**, दिव्यलक्ष्मी C, कैंसल NK, बहुरूपी Y.ओनैकोस्कपी : ए क्विक एंड इफेक्टिव टूल फॉर डीएगनोसींग ओन्यकोमायकोसीस इन ए रिसोर्स -पुअर सेटिंग . एकता देर्मतो वेनेरोल अलप पन्नोणिका अदरीअत २०२१ मार्च;३०(१):११-१४

डॉ मंजू दरोच

1. महाजन R, **दरोच M**, दे D, हांडा S.क्लिनिक -डर्मोस्कोपिक फीचर्स एंड ट्रीटमेंट रेस्पोंसिवेनेस्स इन पीडियाट्रिक अलोपेसा - एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टरशिएरी केयर पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी क्लिनिक . इंडियन J डर्मटोल , नवंबर-दिसंबर २०२०;६५(६):४८३-४८८.

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ पायल चौहान

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	कार्यकारी सदस्य	डर्माटोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया

अंतस्रावी,मधुमेह,उपापचय विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ प्रियेंद्र सिंह ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	२३/११/२०२०

विभाग के विषय में

एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग की शुरुआत नवंबर, २०२० में सहायक प्रोफेसर के रूप में एक संकाय में शामिल होने के साथ की गई थी। चूंकि विभाग नवोदित अवस्था में था, संकाय एंडोक्रिनोलॉजी ओपीडी/आईपीडी के साथ-साथ अस्पताल निर्माण समिति और मेस समिति जैसी विभिन्न प्रशासनिक समितियों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची तैयार करने में शामिल था।

विभागीय योजना

नैदानिक सेवाएं: एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग एंडोक्रिनोलॉजी के रोगियों को आउट पेशेंट और इन-पेशेंट आधार पर नियमित और आपातकालीन देखभाल प्रदान करेगा। ओपीडी सेवाओं में पीएमआर विभाग के साथ विभिन्न उप-विशेषज्ञता क्लीनिक के साथ-साथ ऑर्थोटिक सेवाएं भी शामिल होंगी। विभाग में अपनी आंतरिक हार्मोनल परख और डीएक्सए प्रयोगशाला होगी जो संस्थान के भीतर विभिन्न एंडोक्रिनोलॉजी विकारों के निदान में मदद करेगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार एंडोक्रिनोलॉजी में एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: स्नातकोत्तर छात्रों के एंडोक्रिनोलॉजी में घूर्णन प्रशिक्षण।

पद-डॉक्टोरल कार्यक्रम: विभाग में डायबिटीज मेलिटस में डिप्लोमा कोर्स और फेलोशिप प्रोग्राम के साथ-साथ एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म में पद ग्रेजुएट डीएम प्रोग्राम होंगे।

अनुसंधान: रुचि के क्षेत्र: मधुमेह पैर, मेटाबोलिक अस्थि रोग, पिट्यूटरी विकार

सामुदायिक जुड़ाव: विभिन्न अंतःस्रावी विकारों के लिए आउटरीच शिक्षा शिविर आयोजित किए जाएंगे। डायबिटीज मेलिटस के रोगियों के लिए सहायता समूह बनाए जाएंगे। फ्रैक्चर संपर्क सेवाएं शुरू की जाएंगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्यरत स्नातक एवं स्नातकोत्तर चिकित्सकों के लिए शिक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ प्रियेंद्र सिंह ठाकुर

1. **ठाकुर पी**, चेरियन के इ, कपूर एन, रिबका जी, गोयल ए, जकारिया यू, ईपेन सी ई, थॉमस एन, पॉल टी वी. प्रोक्सिमल हीप ज्योमेट्री, ट्रबॅक्युलर बोन स्कोर, बोन मिनरल डेंसिटी एंड बोन मिनरल पैरामीटर्स इन पेशेंट्स विथ क्रिप्टोगेनिक एंड हेपेटाइटिस बी रिलेटेड सिरोसिस- ए स्टडी फ्रॉम दह इंडियन सबकॉन्टिनेंट. जे क्लीन डेन्सिटोम. २०२१ मार्च ४:१एस०९४-६९५०(२१)०००१९-६. डीओआई: १०.१०१६/j.जेओसीडी.२०२१.०३.००१. इपुब अहेड ऑफ़ प्रिंट. पीएमआईडी: ३३७८९८०५

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ प्रियेंद्र सिंह ठाकुर

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	सदस्य	इंडियन सोसाइटी फॉर बोन एंड मिनरल रिसर्च
०२.	सदस्य	एंडोक्राइन सोसायटी
०३.	सदस्य	अमेरिकन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजिस्ट
०४.	सदस्य	अमेरिकन सोसाइटी ऑफ बोन एंड मिनरल रिसर्च
०५.	सदस्य	यूरोपियन सोसाइटी ऑफ़ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजिस्ट

कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड-नेक सर्जरी विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ डार्विन कौशल	सह-प्राध्यापक	२३/११/२०२०
०२.	डॉ शशिकांत अनिल पोळ	सहायक प्राध्यापक	०८/१२/२०२०

विभाग के विषय में

ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी हेड नेक सर्जरी (ईएनटी) विभाग ने २३ नवंबर २०२० को अपने पहले संकाय में शामिल होने के साथ शुरू किया। संस्थान में ओपीडी सेवाओं की शुरुआत तक, विभागीय संकाय ने विभिन्न उपभोग्य सामग्रियों की खरीद के संबंध में भाग लिया और ओपीडी सेवाएं शुरू करने के लिए बैठकें आयोजित कीं। आईपीडी सेवाएं शुरू करने के लिए उपकरणों की आवश्यकता का भी अनुमान लगाया गया था। फाउंडेशन कोर्स के दौरान विभाग ने स्नातक चिकित्सा शिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया। ईएनटी विभाग ने ०३.०३.२०२१ को जीएमएस दियारा स्कूल, बिलासपुर में एक 'स्क्रीनिंग और जागरूकता शिविर' का आयोजन करके "विश्व श्रवण दिवस" पर अपनी पहली सामुदायिक भागीदारी का आयोजन किया, जहां कान और सुनने की बीमारियों पर ध्यान देने के साथ ईएनटी रोगों के लिए छात्रों की जांच की गई और जागरूकता की गई। शिक्षकों को कान के संक्रमण वाले बच्चों की पहचान करने और उन्हें प्रबंधन के लिए ईएनटी विशेषज्ञ के पास भेजने के लिए भी बात की गई। इसी कार्यक्रम के दौरान कान की स्वच्छता बनाए रखने और श्रवण हानि के कारणों के बारे में छात्रों के लिए जागरूकता वार्ता भी दी गई।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल: विभाग की योजना रोगी परामर्श के अलावा छोटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं और ऑडियोलॉजी सेवाएं शुरू करने की है संस्थान में ओपीडी शुरू होने के साथ। विभाग ने संस्थान में कॉक्लियर इम्प्लांटेशन सेवाओं को शुरू करने की योजना बनाई है। स्लीप लैब और संवेदी परीक्षण के साथ निगलने के लचीले एंडोस्कोपिक मूल्यांकन (एफईईएसएसटी) लैब जैसी नैदानिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। रोबोटिक सर्जरी भी की जाएगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण: स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों को पढ़ाने के अलावा, विभाग वेबिनार और सीएमई आयोजित करने में सक्रिय रूप से शामिल होगा। विभिन्न कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। सिर और गर्दन की सर्जरी में एम.सीएच और बाल चिकित्सा ऑटोराइनोलरिंगोलोगी और खोपड़ी आधार सर्जरी में फेलोशिप शुरू की जाएगी।

अनुसंधान: विभाग की योजना सिर और गर्दन की सर्जरी, बाल चिकित्सा ओटोलरींगोलॉजी, खोपड़ी के आधार और नींद की सर्जरी के क्षेत्र में अनुसंधान करने की है।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग एआईआईएसएच, मैसूर और तंबाकू जागरूकता अभियान के सहयोग से विभिन्न आबादी, नवजात स्क्रीनिंग के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है। विभाग हिमाचल में ध्वनि प्रदूषण अभियान शुरू करने की भी योजना बना रहा है और चाहता है कि प्रेस्बीक्यूसिस का पता लगाने और शीघ्र पुनर्वास के लिए कार्यक्रम शुरू किया जाए।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

डॉ डार्विन कौशल

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
०१.	पैराथायरायड एडेनोमा का प्रबंधन	एलुमनी एकेडमिक एक्स्ट्रावागेंज़ा	नवंबर २०२०	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

मौखिक प्रबंध/पदर प्रस्तुति

डॉ डार्विन कौशल

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम
०१.	सप्तर्षि मंडल, मोहम्मद अतीक खान, प्रदीप बनर्जी, डार्विन कौशल, गोपाल बोहरा	"मायलोप्रोलिफेरेटिव पृथक थ्रोम्बोसाइटोसिस के आकस्मिक उपचार के लिए एक सुरक्षित, प्रभावी और अक्सर भूल गए साधन: दो पॉलीसिथेमिया वेरा रोगियों के चिकित्सीय प्लेटलेटफेरेसिस से दिलचस्प सीखने के बिंदु।"	ऑस्टिन, टीएक्स, यूएसए में एएसएफए (अमेरिकन सोसाइटी फॉर एफेरेसिस) वार्षिक बैठक २०२०
०२.	एस नंदी, चौधरी बी, कौशल डी, सोनी के, गोयल ए	कोविड-१९ का प्रभाव: भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में कार्सिनोमा स्वरयंत्र और हाइपोफरीनक्स के रोगियों पर प्रभाव	एफएचएनओ २०२१ (ऑनलाइन)
०३.	डी प्रकाश, चौधरी बी, सोनी के, कौशल डी, गोयल ए	एक एरोसोल जनरेटिंग सर्जिकल प्रक्रिया की अवधि पर पीपीई के प्रभाव का आकलन करना।	एफएचएनओ २०२१ (ऑनलाइन)
०४.	दास एन, पात्रो एसके, कौशल डी, पारीक पी, दीक्षित ए, चौधरी बी, सोनी के, गोयल ए	वॉल्यूमेट्रिक आर्क थेरेपी से इलाज किए गए सिर और गर्दन के कार्सिनोमा के रोगियों में कोक्लीअ द्वारा प्राप्त खुराक के लिए ट्यूमर और उपचार विशेषताओं का सहसंबंध।	एफएचएनओ २०२१ (ऑनलाइन)
०५.	दास एन, पात्रो एसके, कौशल डी, पारीक पी, दीक्षित ए, चौधरी बी, सोनी के, गोयल ए	सिर की गर्दन के कैंसर के रोगियों में सेंसरिनुरल हियरिंग लॉस के लिए विकिरण और सिस्प्लैटिन आधारित कीमोथेरेपी के सापेक्ष योगदान।	एफएचएनओ २०२१ (ऑनलाइन)

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस / शोध प्रबंध सहित) जारी रही है

डॉ डार्विन कौशल

क्र. संख्या	परियोजनाएं
०१.	एंडो डीसीआर में प्राथमिक स्टेंटिंग बनाम नो स्टेंटिंग: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (गैर-वित्त पोषित)
०२.	छिटपुट प्राथमिक अतिपरजीविता में अंतर्गर्भाशयी पैराथार्मोन निगरानी निर्देशित पैराथायरायड ग्रंथि छांटना। (गैर-वित्त पोषित)
०३.	२२q११.२DS का पता लगाने के संदेह में नवजात शिशुओं में सुनवाई हानि होने का संदेह नवजात श्रवण जांच के दौरान पाया गया- एक पायलट अध्ययन
०४.	मिनियन टू मॉन्स्टर: पैपिलरी कार्सिनोमा का स्पेक्ट्रम और एम्स जोधपुर में सीखे गए पाठ
०५.	कोविड -१९ में बहरापन: एक पायलट अध्ययन

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ डार्विन कौशल

1. **कौशल डी,** गुग्लिआनी ए, शर्मा वी, गोयल ए, चौधरी बी, सोनी के. आइडेन्टिफ्यिंग द फेसिअल नर्व इन पैरोटिड सर्जरी: हाउ वी डू ईट. ईरान जे ऑटोरहिनोलेरिंगोल.२०२१ मार्च;३३(११५):९३-९६. डी वी ए बी जी के एन बी के एस के

2. सोनी के, बोहरा जीके, नायर एनपी, **कौशल डी,** पात्रो एसके, गोयल ए. सेंसोरिनुराल हियरिंग लॉस इन डेंगू: ए पायलट स्टडी. ईरान जे ऑटोरहिनोलेरिंगोल. २०२१:३३(३): १५७-१६१. डीओआई: १०.२२०३८/आइजेओआरएल.२०२०.३९८७४.२३१४
3. **कौशल डी,** नायर एनपी, सोनी के, गोयल ए, चौधरी बी, वी समीमा. चैलेंजेज इन मैनेजमेंट ऑफ़ त्रएकिओब्रोन्कियल फॉरेन बॉडीज विथ डिलेड प्रेजेंटेशन: एन इंस्टीटूशनल एक्सपीरियंस. इंट आर्च ऑटोरहिनोलेरिंगोल. डीओआई: १०.१०५५/एस -००४०-१७१८९६४
4. सोनी के, एलहेन्स पी , राजन एन, **कौशल डी,** गोयल ए, चौधरी बी, शर्मा वी. कोरिलेशन बिटवीन द एक्सप्रेशन ऑफ़ एमएमपी-९, एमएमपी- १३, टीआईएमपी-१, पी१६ एंड डिफ्रेंटिएशन ऑफ़ हेड एंड नैक स्कैमस सेल कार्सिनोमा: ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्ज़र्वेशनल स्टडी. एनल्स ऑफ़ मैक्सिलोफासिअल सर्जरी.
5. **कौशल डी,** नायर एनपी, गोयल ए, शर्मा वी, मोहन वी. वीनस एक्टेसिअ ऑफ़ रेट्रोमान्डीबुलार एंड कॉमन फेसिअल वेइन्स: ए रेयर क्लीनिकल एंटिटी. तुर्क आर्च ऑटोरहिनोलेरिंगोल. २०२० दिसंबर;५८(४):२८२-२८५. डीओआई: १०.५१५२/टीएओ.२०२०.५५०६.
6. **कौशल डी,** शर्मा वी, गुग्लिआनी ए. एट ऑल. ऑटोलॉजी ट्रेनिंग इन इंडिया: इस इट अप टो द मार्क?. इंडियन जे ओटोलरैंगोल हेड नैक सर्जरी (२०२१). एचटीटीपीएस://डीओआई.ओआरजी/१०.१००७/एस१२०७०-०२१-०२४८५-०
7. भारती जेएन, सौदामिनी एबी, **कौशल डी.** स्केरी ब्लैक नोड्स. दिअग्न कीतोपथोल. २०२१ फ़रवरी ८. डीओआई: १०.१००२/डीसी.२४७११. इपुब अहेड ऑफ़ प्रिंट. पीएमआईडी: ३३५५५६६०
8. **कौशल डी,** वर्मा एके,शर्मा वी, एलहेन्स पी एंड कुमार पी. रोसाई डोर्फ़मैन डिजीज: बैल नैक वेर्सुस मून फाइस: ए बैलेंसिंग एक्ट? ए डायग्नोस्टिक एंड थेराप्यूटिक डाइलेमा. आईजेसीएमसीआर. २०२०; ६(४): ००३
9. कुमार एम, **कौशल डी,** एलहेन्स पी. ओरल ट्यूबरक्लोसिस – ए कॉमन डिजीज एट एन अनकॉमन साइट – ए केस रिपोर्ट, २०२१ ; सऊदी जे ओरल डेंट रेस, जनवरी २०२१; ६(१): ४३-४७

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

डॉ डार्विन कौशल

1. विश्व श्रवण दिवस, ०३-०३-२१, शासकीय विद्यालय बिलासपुर पर स्क्रीनिंग शिविर एवं जागरूकता व्याख्यान।

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ डार्विन कौशल

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	कार्यकारी निकाय सदस्य	न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया
०२.	सदस्य	यूरोपीय सिर और गर्दन समाज
०३.	आलोचक	जर्नल ऑफ ओटोलरींगोलॉजी एंड ईएनटी रिसर्च
०४.	आलोचक	एल्सेवियर-इंडिया प्वाइंट ऑफ केयर
०५.	आलोचक	एक्टा साइंटिफिक ओटोलरींगोलॉजी जर्नल
०६.	आजीवन सदस्य	एफएचएनओ (फाउंडेशन फॉर हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी)
०७	आजीवन सदस्य	राइनोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया
०८	आजीवन सदस्य	एसोसिएशन ऑफ फोनो सर्जन ऑफ इंडिया

परीक्षक

डॉ डार्विन कौशल

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	त्रितिय प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	एसएन मेडिकल कॉलेज, जोधपुर	२०२०
०२.	त्रितिय प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून	२०२१

न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ यतिराज सिंगी	सह-प्राध्यापक	२३/११/२०२०
०२.	डॉ दीपेन डाभी	सहायक प्राध्यापक	१८/०३/२०२१

विभाग के विषय में

एम्स बिलासपुर में फोरेंसिक मेडिसिन विभाग की स्थापना अकादमिक, नैदानिक और अनुसंधान गतिविधियों को उत्कृष्टता प्रदान करने के आदर्श वाक्य के साथ की गई है। यह नवंबर २०२० में एसोसिएट प्रोफेसर के शामिल होने के साथ कार्यात्मक हो गया। वह जल्द ही मार्च २०२१ में सहायक प्रोफेसर से जुड़ गए।

एक एम्स की स्थापना के लिए विभाग के संकाय सक्रिय रूप से विभिन्न क्षमताओं में शामिल थे, जो इसके मूल संस्थान एम्स नई दिल्ली के बराबर था।

प्रशासनिक गतिविधियाँ: संकाय सदस्यों को वार्डन, छात्रावास समिति, अनुशासनात्मक समिति, प्रशासनिक ब्लॉक समीक्षा समिति आदि जैसे विभिन्न प्रशासनिक दायित्व सौंपे गए थे।

शैक्षणिक: संकाय सदस्य एमबीबीएस के पहले बैच के फाउंडेशन कोर्स में शामिल थे और सांस्कृतिक योग्यता और कंप्यूटर कौशल पर कक्षाएं ली गईं। फैकल्टी टीचिंग रोस्टर के हिस्से के रूप में अकादमिक सत्र भी लिए गए।

अन्य: विभाग के संकाय विशेषज्ञ राय मांगने वाले मामले में राय देने के लिए तैयार थे। लोक अभियोजक कार्यालय के कार्यालय द्वारा राय मांगी गई थी जिला। बिलासपुर।

विभागीय योजना

फोरेंसिक मेडिसिन चिकित्सा विशेषता है जो न्याय के प्रशासन में चिकित्सा ज्ञान के अनुप्रयोग से संबंधित है। एक फोरेंसिक विशेषज्ञ अपराध स्थल की जांच, पदमार्टम कार्य और मेडिको-लीगल मामलों जैसे बलात्कार पीड़िता और बलात्कार के आरोपियों की परीक्षक, नशे और चोट प्रमाण पत्र जारी करने के लिए परीक्षण करता है, व्यक्ति की परीक्षक और उम्र के अनुमान आदि के लिए साक्ष्य। कार्य के दौरान एक फोरेंसिक विशेषज्ञ विशेषज्ञ की राय और अदालती साक्ष्य में भी शामिल होता है। विभाग विभिन्न मेडिको लीगल मामलों में पुलिस और मजिस्ट्रेट के साथ मिलकर काम करता है और मेडिको लीगल मामलों पर डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने में भी शामिल है।

रोगी देखभाल: विभागीय पदमॉर्टम, मेडिको-लीगल परीक्षकओं के माध्यम से मेडिको-लीगल जांच में सक्रिय रूप से शामिल होगा। विभाग का इरादा है जहर नियंत्रण केंद्र शुरू करने के लिए डॉक्टरों और आम जनता को टेलीफोन या ईमेल के माध्यम से विषाक्तता के मामलों की जानकारी प्रदान करने वाले सूचना केंद्र को जहर देगा। अस्पताल में भर्ती विषाक्तता के मामलों या विश्लेषण के लिए भेजे गए किसी नमूने के निदान के लिए एक विश्लेषणात्मक विष विज्ञान प्रयोगशाला भी होगी। विभाग मृतकों के सम्मानजनक प्रबंधन के लिए भी सुविधा प्रदान करेगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक शिक्षण: फैकल्टी व्यावहारिक कक्षाओं के संचालन के लिए विभिन्न मॉड्यूल के साथ एक पाठ्यक्रम के विकास में सक्रिय रूप से शामिल थे, जो मेडिकल अंडरग्रेजुएट्स को मेडिको-लीगल प्रक्रियाओं में सक्षम बनने के लिए पर्याप्त शिक्षण संसाधन और अवसर प्रदान करेगा। पाठ्यक्रम के साथ, विभाग सामान्य ज़हर के मामलों के प्रबंधन प्रदान करने के लिए आवश्यक बुनियादी चिकित्सा-कानूनी कौशल और ज्ञान सिखाने का इरादा रखता है। सक्षमता आधारित चिकित्सा शिक्षा पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की सिफारिशों का पालन करने का प्रयास किया जाएगा, जिसमें एक ध्वनि चिकित्सा शिक्षा के लिए अन्य विभागों के साथ महत्वपूर्ण एकीकरण शामिल है।

स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभाग के पास कार्यात्मक मुर्दाघर और क्लिनिकल फोरेंसिक मेडिसिन (सीएफएम) इकाई होगी।

स्नातकोत्तर शिक्षण: विभाग द्वारा पीजी पाठ्यक्रम के अनुसार एमडी पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। एनालिटिकल टॉक्सिकोलॉजिकल एंड क्लिनिकल सेवाओं के विस्तार के साथ क्लिनिकल टॉक्सिकोलॉजी में डीएम जैसे नए शिक्षण और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

डॉक्टरेट के बाद के कार्यक्रम: विभाग में पीएचडी और फैलोशिप कार्यक्रम होंगे

पैरामेडिकल साइंस के लिए पाठ्यक्रम: विभाग मुर्दाघर तकनीशियनों के प्रशिक्षण के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने का इरादा रखता है।

अनुसंधान: रुचि के क्षेत्र: एंथ्रोपोमेट्री, दुर्घटना बायोमैकेनिक्स, विश्लेषणात्मक विष विज्ञान विभाग राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थानों जैसे एम्स, पीजीआईएमईआर, जेआईपीएमईआर और राज्य के भीतर आईआईटी मंडी, एनआईटी हमीरपुर, आईआईएम सिरमौर और राज्य मेडिकल कॉलेजों जैसे अन्य उत्कृष्टता संस्थानों के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग की योजना सामान्य विषाक्तता और इसकी रोकथाम के बारे में शिविरों और रेडियो-वार्ता में भाग लेकर सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने की है। सड़क यातायात दुर्घटनाओं, आत्महत्या हेल्पलाइन आदि के बारे में जागरूकता के संबंध में विभाग पुलिस आउटरीच गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेगा।

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ यतिराज सिंगी

1. श्रीकृष्ण एच.के., **सिंगी वाई***, बब्लादी पी. रिलायबिलिटी ऑफ़ चिलोटिक इंडेक्स ओवर मिड प्यूबिक विड्थ इन सेक्स डेटर्मिनेशन इन कलबुर्गी रीजन ऑफ़ साउथ इंडिया, जेपीएएफएमएटी, २०(२), ७७-८१

परीक्षक

डॉ यतिराज सिंगी

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	द्वितीय प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	आरजीयूएचएस, कर्नाटक	१०-१२ दिसंबर २०२०
०२.	द्वितीय प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	आरजीयूएचएस, कर्नाटक	२८-३० मार्च २०२१

सामान्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ अजय जरयाल	सह-प्राध्यापक	२३/११/२०२०
०२.	डॉ भुपेन्दर कुमार	सहायक प्राध्यापक	२५/११/२०२०
०३.	डॉ कपिल शर्मा	सहायक प्राध्यापक	१६/११/२०२०

विभाग के विषय में

चिकित्सा विभाग में ३ संकाय सदस्य हैं। संकाय में शामिल होने के बाद से, संकाय के प्रत्येक सदस्य ने सभी शैक्षणिक और नैदानिक देखभाल जिम्मेदारियों में योगदान दिया है। विभाग के सदस्यों ने फाउंडेशन कोर्स में योगदान दिया और कक्षाएं लीं और प्रारंभिक नैदानिक प्रदर्शन के एक भाग के रूप में प्रथम वर्ष के व्याख्यान भी लिए। डॉ भूपेंद्र कुमार ने फ़ैमिली मेडिसिन बनाम आंतरिक चिकित्सा और रोगी देखभाल में दस्तावेज़ीकरण के महत्व पर फाउंडेशन कोर्स के दौरान व्याख्यान दिया। डॉ भूपेंद्र ने संस्थागत कोविड समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। डॉ. कपिल शर्मा ने फाउंडेशन कोर्स के दौरान समाज में डॉक्टर के महत्व और भूमिका पर व्याख्यान दिया। डॉ. कपिल ने संस्थागत आवास आवंटन समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

विभागीय योजना

नैदानिक सेवाएं: आंतरिक चिकित्सा विभाग आउट पेशेंट और इन-पेशेंट आधार पर वयस्क रोगियों को नियमित और आपातकालीन देखभाल प्रदान करेगा। ओपीडी सेवाओं में एडल्ट डायबिटीज और एथेरोस्क्लोरोटिक कार्डियो-वैस्कुलर डिजीज (डीएम एएससीवीडी) क्लिनिक, हार्ट फेलियर क्लिनिक, फॉल क्लिनिक, जेरियाट्रिक्स क्लिनिक, एचआईवी क्लिनिक, रुमेटोलॉजी क्लिनिक और लॉन्ग सीओवीआईडी, डीएम एएससीवीडी, रूमेटोइड आर्थराइटिस के लिए रजिस्ट्रियां जैसे विभिन्न उप-विशेषज्ञ क्लीनिक शामिल होंगे। उच्च रक्तचाप, थायराइड विकार और टीबी और एचआईवी जैसे पुराने संक्रमण। विभाग गंभीर रूप से बीमार रोगियों को आईसीयू बेड के चरण-वार कामकाज के साथ गहन देखभाल भी प्रदान करेगा। २ डी इको, टीएमटी, अपर जीआई एंडोस्कोपी, बोन मैरो एस्पिरेशन और बायोप्सी जैसी विभिन्न नैदानिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ देखभाल परीक्षण के बिंदु रोगियों के बेहतर प्रबंधन में मदद करेंगे। विभाग भविष्य में कार्डियो-मेटाबोलिक सेंटर, हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन और व्यावसायिक स्वास्थ्य विभाग की स्थापना करेगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: एमबीबीएस छात्रों को यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार आंतरिक चिकित्सा में पढ़ाना।

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: आंतरिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एमडी) संबंधित उप-विशेषज्ञ विभागों में रोटेटरी पोस्टिंग के साथ।

पद-डॉक्टोरल कार्यक्रम: विभाग में पीएचडी कार्यक्रम और उप-विशेषज्ञता फैलोशिप / प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के साथ-साथ जराचिकित्सा और कार्डियो-मेटाबोलिज्म में स्नातकोत्तर डीएम कार्यक्रम होंगे।

डॉक्टरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, छात्रों, शिक्षकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए नियमित बुनियादी जीवन समर्थन (बीएलएस) और बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन (पीएएलएस) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होंगे।

अनुसंधान: रुचि के क्षेत्र: उच्च रक्तचाप, संक्रामक रोग, इम्यूनोलॉजी, गंभीर देखभाल, थायराइड विकार, गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग, रुमेटोलॉजी, मधुमेह मेलिटस, एएससीवीडी, डिजिटल स्वास्थ्य और कार्डियोमेटाबोलिक रोगों में एआई।

सामुदायिक जुड़ाव: पुरानी जीवनशैली से संबंधित बीमारियों की प्राथमिक और माध्यमिक रोकथाम के लिए डीएम, धूम्रपान बंद करने, आहार और जीवन शैली में बदलाव पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जराचिकित्सा आबादी की जरूरतों के बारे में समुदायों और सरकार को संवेदनशील बनाया जाएगा। सीमेंट फैक्ट्रियों के श्रमिकों के व्यावसायिक स्वास्थ्य के संबंध में संचार और सहयोग किया जाएगा। स्कूलों और कॉलेजों में कम उम्र में उनकी रोकथाम के लिए गैर संचारी रोगों के बारे में जागरूकता पैदा की जाएगी।

मौखिक प्रबंध/पदर प्रस्तुति

डॉ अजय जरयाल

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
०१.	जरयाल ए, विक्रांत एस.	महामारी विज्ञान और रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी की आवश्यकता के परिणाम भारत के उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र से तृतीयक देखभाल अस्पताल में तीव्र गुर्दे की चोट।	डब्ल्यू सी एन २०२० वर्चुअल		
०२.	जरयाल ए, विक्रांत एस.	एंटी-जीबीएम क्रिसेंटिक के उपचार में रिट्क्सिमैब बनाम साइक्लोफॉस्फेमाइड ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस: एक अवलोकन संबंधी अध्ययन।	वर्चुअल एएसएन किडनी सप्ताह २०२०		

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ अजय जरयाल

1. मोदी जीके, यादव एके, घोष ए, कम्बोज के, कौर पी, कुमार वी, भंसाली एस, प्रसाद एन, सहाय एम, परमेश्वरन एस, वरुघेस एस, गैंग एस, सिंह एस, सरकार डी, गोपालकृष्णन एन, **जरयाल ए,** विक्रांत एस, अग्रवाल एसबी, झा वी नोनमेडिकल फैक्टर्स एंड हेल्थ-रिलेटेड क्वालिटी ऑफ़ लाइफ इन सीकेडी इन इंडिया. क्लीन जे ऍम सोक नेफ्रोल २०२०; १५: १९१–१९९

सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ मोहिम ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	१६/०३/२०२१

विभाग के विषय में

सामान्य सर्जरी विभाग मार्च २०२० में शुरू किया गया था और यह एमबीबीएस पाठ्यक्रम के विकास में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। विभाग ने आउट पेशेंट सेवाओं और माइनर ओटी सेवाओं को शुरू करने के लिए विभिन्न उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू की थी। विभाग द्वारा ओपीडी उपयोग के लिए २२ मार्च २०२१ को वस्तुओं/उपभोग्य सामग्रियों की एक न्यूनतम सूची दी गई थी, जिसे पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ स्टोर के माध्यम से खरीदा गया था और नोडल अधिकारी एम्स बिलासपुर को जारी किया गया था। हालांकि इस साल की पहली तिमाही में चल रही कोविड महामारी के कारण ओपीडी सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं। विभाग वर्तमान में एकल संकाय के साथ चल रहा है और इसका उद्देश्य प्रारंभिक रूप से स्नातक शिक्षण और जनता को आउट पेशेंट सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना है, जिसमें मामूली संचालन प्रक्रियाएं भी शामिल हैं। पहले पेशेवर एमबीबीएस शिक्षण के साथ, विभाग आगामी अगले सत्र में छात्रों के लिए दूसरी व्यावसायिक एमबीबीएस शिक्षण गतिविधियों के लिए तैयार होगा।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल: संस्थान में ओपीडी शुरू होने के साथ ही विभाग बाह्य रोगी सेवाएं और लघु शल्य चिकित्सा सेवाएं शुरू करेगा। इनडोर सेवाओं के शुरू होने के साथ ही बड़ी सर्जरी भी शुरू हो जाएगी। विभाग की योजना सब-स्पेशियलिटी क्लीनिक जैसे ब्रेस्ट क्लिनिक और मेटाबोलिक/मोटापा क्लिनिक शुरू करने की है। बैरिएट्रिक सर्जरी को बाद में अलग डिवीजन के रूप में स्थापित किया जाएगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

विभाग स्नातक मेडिकल छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल होगा। मरीजों के लिए इंडोर फैसिलिटी खुलने के बाद जनरल सर्जरी (एमएस) में पद ग्रेजुएशन शुरू किया जाएगा। मिनिमल एक्सेस सर्जरी में विभिन्न उप-विशिष्टताओं और एमसीएच/एफएनबी में फैलोशिप शुरू की जाएगी।

अनुसंधान: विभाग राज्य में प्रचलित समस्याओं पर अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहा है और इस क्षेत्र में दुर्दमता के प्रसार को प्रभावित करने वाले जनसांख्यिकीय कारकों को चाहता है। विभाग की प्रारंभिक/मेटास्टेटिक दुर्दमता में पारंपरिक तिब्बती चिकित्सा की भूमिका की जांच करने की भी योजना है। विभाग भारतीय सेटिंग के लिए लैप्रोस्कोपिक सर्जिकल उपकरणों के विकास के लिए आईआईटी, मंडी के साथ सहयोग करेगा।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग की योजना शिविरों और रेडियो-वार्ता में भाग लेकर आम समस्याओं के बारे में सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने की है। विभाग राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करने के लिए सामुदायिक आउटरीच शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेगा।

अस्पताल प्रशासन विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ मोहम्मद कौसर	सहायक प्राध्यापक	१३/११/२०२०
०२.	डॉ विक्रांत कँवर	सहायक प्राध्यापक	२६/११/२०२०

विभाग के विषय में

विभाग का विजन

सहेजें
(प्रणाली, प्रशासन, मूल्य और अर्थव्यवस्था)
साथ देखभाल
(करुणा, स्नेह, सम्मान और सहानुभूति)

मिशन वक्तव्य

"अनुकंपा, स्नेही, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल सुनिश्चित करने के लिए मूल्यों और अर्थव्यवस्था के माध्यम से प्रशासित एक प्रणाली बनाना"

विभाग के उद्देश्य

- प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और प्रदान करने के लिए संस्थान अस्पताल में दिन-प्रतिदिन की प्रशासनिक गतिविधियों का आयोजन और समन्वय करना।
- प्रक्रियाओं को सुचारू करने के लिए प्रौद्योगिकी संचालित स्वास्थ्य प्रणालियों को लागू करना।
- सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए स्वास्थ्य सेवा कार्यबल के प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण के लिए।
- संस्थाओं में कानूनी प्रथाओं को सुनिश्चित करने और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए।
- तृतीयक देखभाल अस्पतालों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रमों में समन्वय और सुविधा प्रदान करना और राज्य के अन्य अस्पतालों के लिए इन गतिविधियों के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य करना।
- प्रभावी प्रबंधन निर्णय लेने के लिए स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन अनुसंधान करने के लिए।
- अस्पताल योजना और प्रबंधन में मौजूदा रुझानों के बारे में वकालत करना और सलाह देना।

इसके अलावा, विभाग के संकाय अधिकारियों द्वारा सौंपे गए संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, सामुदायिक जुड़ाव और प्रशासनिक जिम्मेदारियों में लगे हुए हैं।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: ओपीडी सेवाओं की योजना, आयोजन, स्टाफिंग, पूर्ण विकसित आईपीडी और नैदानिक सेवाओं के नियोजित और चरणबद्ध कार्यान्वयन

शिक्षण और प्रशिक्षण: स्नातक शिक्षण (फाउंडेशन कोर्स में और एकीकृत शिक्षण के रूप में), स्नातकोत्तर शिक्षण (एमएचए / एमडी पाठ्यक्रम), वेबिनार और सीएमई और एम्स संकाय और अन्य संस्थानों के लिए एच-लैंप कार्यक्रम और राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में।

अनुसंधान: रुचि के क्षेत्र: हेल्थकेयर में गुणवत्ता, टेलीहेल्थ, लीन मैनेजमेंट, प्रोक्योरमेंट प्रैक्टिस में सुधार, रोगी सुरक्षा, हेल्थकेयर डिलीवरी मॉडल रिसर्च, हेल्थकेयर में मितव्ययी नवाचार, हरित अस्पताल, अस्पताल संचालन अनुसंधान

सामुदायिक भागीदारी: आउटरीच शिविर सेवाएं, आदिवासी स्वास्थ्य, दूरस्थ स्थानों में टेलीहेल्थ और विभिन्न रोगी देखभाल सेवाओं के लिए आईईसी गतिविधियां।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

डॉ मोहम्मद कौसर

क्र. संख्या	शीर्षक	दिनांक	आयोजक
०१.	कोविड-१९ टाइम्स में हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा	१० दिसंबर २०२०	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

डॉ विक्रांत कँवर

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन
०१.	टेलीडर्मेटोलॉजी: कोविड-१९ के दौरान वैकल्पिक आउट पेशेंट हेल्थकेयर डिलीवरी मॉडल	४४वीं विश्व कांग्रेस, अंतर्राष्ट्रीय अस्पताल संघ

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ मोहम्मद कौसर

Dr Mohammad Kausar

1. **मोहम्मद के**, लथवाल ए, महेश आर, सत्पथी एस. इकनोमिक कम्पटीशन एंड इतस डेटर्मिनेन्ट्स इन मेडिकल इक्विपमेंट पब्लिक प्रोक्योरमेंट. जे मेड इंग टेक्नोल. २०२१ मार्च २३:१-९. डीओआई: १०.१०८०/०३०९१९०२.२०२१.१८९१३१०. इपुब अहेड ऑफ़ प्रिंट. पीएमआईडी: ३३७५४९२६.
2. **कौसर एम**, सिद्धार्थ वी, गुप्ता एसके. ए स्टडी ऑन इकनोमिक इवैल्यूएशन ऑफ़ एन आउटरीच हेल्थ-केयर फैसिलिटी इन झज्जर डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ हरयाणा: सर्विस डिलीवरी मॉडल फॉर इन्क्रेअसिंग एक्सेस टो हेल्थ केयर. इंडियन जे पब्लिक हेल्थ. २०२१ जनवरी-मार्च;६५(१):४५-५०. डीओआई: १०.४१०३/आईजेपीएच.आई जे पी एच_४३१_२०. पीएमआईडी: ३३७५३६८९.

डॉ विक्रांत कँवर

1. गुलेरिया केएसडीएस, पटियाल एन, नेगी एके, **कंवर वी,** दिनेश के. यूटिलाइजेशन ऑफ़ आउटपेशेंट इसंजीवनी नेशनल टेलीकंसल्टेशन सर्विस दुरिंग कोविड- १९ पान्डेमिक इन ए पब्लिक हेल्थकेयर इंस्टीटूशन इन नार्थ इंडिया. इंडियन जे फार्म फार्माकोल २०२०;७(४):२६५-२६९.
2. नेगी एके, पटियाल एन, गुलेरिया केएसडीएस, **कंवर वी,** कंसल डी। परसेप्शन ऑफ़ पेशेंट्स गेटिंग टेलीकंसल्टेशन इन एन इ-ओपीडी दुरिंग कोविड पान्डेमिक. इंडियन जे फार्म फार्माकोल २०२०;७(४):२२२-२

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

डॉ विक्रांत कँवर

1. वर्ष २०२२-२३ के लिए स्वास्थ्य नीति प्रबंधन के क्षेत्र में फुलब्राइट फेलोशिप (एच एच एच) के लिए राष्ट्रीय स्तर पर शॉर्टलिस्ट किया गया
2. हिमाचल प्रदेश में बाहरी विशेषज्ञ निर्धारक के रूप में कायाकल्प मूल्यांकन का आयोजन किया
3. एनएचएसआरसी, नई दिल्ली के लिए बाहरी प्रशिक्षक

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ विक्रांत कँवर

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	सदस्य	टेलीमेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ अनुराधा शर्मा	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	१८/१२/२०२०
०२.	डॉ प्रशांत सूद	अतिरिक्त प्राध्यापक	२२/०३/२०२१
०३.	डॉ पुनीत कुमार शर्मा	सह - प्राध्यापक	०८/१२/२०२०
०४.	डॉ मेघा शर्मा	सहायक प्राध्यापक	०९/११/२०२०
०५.	डॉ स्वाति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	२२/०२/२०२१

विभाग के विषय में

विभागीय गतिविधियाँ: वार्षिक रिपोर्ट की अवधि के दौरान, पांच संकाय सदस्य माइक्रोबायोलॉजी विभाग में शामिल हुए। फरवरी २०२१ में दो लैब तकनीशियन भी विभाग में शामिल हुए। विभाग ने जनवरी २०२१ के महीने में ओपीडी और एमबीबीएस शिक्षण के लिए उपकरण, उपभोग्य और न्यूनतम मानव संसाधन के लिए अपनी आवश्यकता प्रस्तुत की। माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने चरण । के लिए अपनी सेवाओं का दायरा प्रस्तुत किया। (आयुष प्रखंड में अस्थायी ओपीडी) जनवरी २०२१ में। चल रहे कोविड-१९ महामारी के साथ, विभाग ने आयुष ब्लॉक के सीटी स्कैन रूम में आणविक प्रयोगशाला की स्थापना का प्रस्ताव दिया और जनवरी २०२१ में उपकरण और उपभोग्य आवश्यकता को प्रस्तुत किया। साथ ही, जैसा कि कोविड-१९ प्रबंधन समिति का हिस्सा, समय-समय पर बैठकें हुईं और नियंत्रण के उपाय किए गए। उपकरण के संबंध में विभाग में दो आटोक्लेव और दो माइक्रोस्कोप लगाए गए थे, जिनमें से एक आटोक्लेव फरवरी २०२१ में परीक्षण में विफल रहा।

प्रशासनिक गतिविधियाँ: संकाय सदस्यों को चिकित्सा अधीक्षक, शैक्षणिक समिति, कोविड -१९ प्रबंधन समिति, स्टोर समिति, रैगिंग विरोधी और अनुशासनात्मक समिति, आदि जैसे विभिन्न प्रशासनिक दायित्व सौंपे गए थे।

शैक्षणिक: संकाय सदस्य एमबीबीएस के पहले बैच के फाउंडेशन पाठ्यक्रम में शामिल थे और हाथ की स्वच्छता, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण पर कक्षाएं ली गईं। फैकल्टी टीचिंग रोस्टर के हिस्से के रूप में व्याख्यान भी लिए गए। अंतर-विभागीय शैक्षणिक गतिविधि के संबंध में, मार्च २०२१ में दो जर्नल क्लब आयोजित किए गए थे।

अन्य: ११ जनवरी २०२१ को एमबीबीएस के पहले बैच के उद्घाटन समारोह के आयोजन में विभाग के संकाय सक्रिय रूप से शामिल थे।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: एचआईसीसी एएमएसपी, आईडीएसपी, आईएनएसएआर, एनएबीएल बर्फ़ विभाग अलग विशेषज्ञ। सहित- कोविड-१९-आरएटी, आरटी-पीसीआर कीटाणुशोधक, जी-क्रम परिवर्तन, जेडएन परिवर्तन, केओएच, अल्बर्ट्स स्टेन, वेट माउंट्स, गिमेसा स्टेन। कार्ड परीक्षण, अर्ध-स्वचालित - डेंगू, मलेरिया, स्क्रब टाइफस, वायरल हेपेटाइटिस।

विभाग भविष्य में माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी के क्षेत्र में उन्नत नैदानिक सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रहा है जैसे कि जीनएक्सपर्ट, माल्डी-टीओएफ, जीन अनुक्रमण, एलपीए, संस्कृति (बीएसएल ३), डीएमसी, वायरोलॉजी-आईसीटीसी, एलिसा, आणविक (वायरल लोड, आदि) सीरोलॉजी- एएसओ, डीएनएस बी, एसएटी, एसटीआई लैब

शिक्षण और प्रशिक्षण

स्नातक शिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर शिक्षण: पीजी पाठ्यक्रम के अनुसार एमडी माइक्रोबायोलॉजी का शिक्षण

डॉक्टरेट के बाद के कार्यक्रम: विभाग चलाएगा पीएचडी कार्यक्रम

पैरामेडिकल साइंस के लिए कोर्स: एमएससी, बीएससी, बीएससी एमएलटी, एमएससी एमएल को प्रशिक्षण देगा विभाग)

अनुसंधान: रुचि का क्षेत्र: माइकोलॉजी, ब्लड कल्चर, एचआईसीसी, मॉलिक्यूलर माइकोलॉजी, डेटा एनालिटिक्स, माइकोबैक्टीरियोलॉजी, पैरासिटोलॉजी, बैक्टीरियोलॉजी, एएसटी, एसटीआई, एनारोबिक, वायरोलॉजी, सीरोलॉजी। रोगी देखभाल में सुधार के लिए अनुवाद अनुसंधान, सीडीसी-आईसीयू परियोजना।

सामुदायिक भागीदारी: सीएफएम के सहयोग से स्क्रब टाइफस, डेंगू, वायरल हेपेटाइटिस के लिए स्वच्छता संवर्धन, टीकाकरण संवेदीकरण, एएमएसपी और आईईसी गतिविधियां।

शिक्षा

डॉ अनुराधा शर्मा

१. डायग्नोस्टिक मेडिकल माइकोलॉजी पर आईएसएचएएम कोर्स - ९५% स्कोर (अगस्त २०२०)

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ अनुराधा शर्मा

1. फंगल इंफेक्शन स्टडी फोरम (एफआईएसएफ) द्वारा २६-२८ मार्च २०२१ को आयोजित माइकोकॉन (वर्चुअल), चौथा मास्टरक्लास और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
2. इंडिया एलायंस (डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट) द्वारा आयोजित चिकित्सा और नैदानिक विज्ञान के लिए वैज्ञानिक लेखन और अनुसंधान नैतिकता पर ऑनलाइन कार्यशाला-१९ सितंबर २०२०
3. एमसीक्यू गठन पर एनबीई कार्यशाला ८ मार्च २०२१ नई दिल्ली में।

डॉ पुनीत कुमार गुप्ता

1. वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिकता के महामारी प्रवण संक्रामक रोग। **XVII** यूपी-यूके-माइक्रोकॉन-२०२१। माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स ऋषिकेश द्वारा आयोजित। २२-२३ मार्च, २०२१ को ऑनलाइन मोड।

डॉ मेघा शर्मा

1. फंगल इंफेक्शन स्टडी फोरम (एफआईएसएफ) द्वारा २६-२८ मार्च २०२१ को आयोजित माइकोकॉन (वर्चुअल), चौथा मास्टरक्लास और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ अनुराधा शर्मा

1. मीना डीएस, कुमार डी, बोहरा जीके, गर्ग एमके, यादव पी, **शर्मा ए**, एट अल । पल्मोनरी नोकार्डिओसिस विथ अस्पेरगिलोसिस इन ए पेशेंट विथ सीओपीडी: ए रेयर को-इन्फेक्शन. ईडी केसेस. २०२०;२०:इ००७६६. पब्लिश्ड २०२० अप्रैल १५. डीओआई:१०.१०१६/जे. आई डी सी आर.२०२०.इ००७६६.

डॉ पुनीत कुमार गुप्ता

1. कुमार आर, सिंह वी, मोहंती ए, बहुरूपी वाई, **गुप्ता पीके**। कोरोना हेल्थकेयर वारियर्स इन इंडिया: नॉलेज, ऐटिटूड, एंड प्रैक्टिसेज दुरिंग कोविड-१९ ऑउटब्रेक. जे एडु हेल्थ प्रोमोट २०२१;१०:४४.
2. जॉब एस, बहुरूपी वाई, **गुप्ता पीके**, सिंह एम, पांडा पीके, अग्रवाल पी, मिश्रा यूबी। कोविड-१९ सैंपल कलेक्शन कीओस्क इन एम्स ऋषिकेश: ए सेफ एंड एफ्फिसिएंट मॉडल. इंडियन जे कॉम हेल्थ. २०२१;३३(१):०३-०८.

डॉ मेघा शर्मा

1. **शर्मा एम** और चक्रवर्ती ए. ऑन द ओरिजिन ऑफ़ कैंडिडा ओरिस: एनसेस्टर, एनवायर्नमेंटल स्ट्रेस्सेस, एंड एन्टीसेप्टिक्स. एमबायो.२०२० दिसंबर १५;११(६):इ०२१०२-२०.
2. शर्मा के, गुप्ता ए, **शर्मा एम**, शर्मा ए, बंसल आर, शर्मा एसपी, सिंह आर, गुप्ता वी। द इमर्जिंग चैलेंज ऑफ़ दिअग्नॉसिंग ड्रग-रेसिस्टेंट टूबर्क्युलर उवेइटिस: एक्सपीरियंस ऑफ़ ११० आईज फ्रॉम नार्थ इंडिया. ओकुल इम्मुनोल इंफ्लामं. २०२१ जनवरी २;२९(१):१०७-११४. डीओआई: १०.१०८०/०९२७३९४८.२०१९.१६५५५८१.

3. मेघा के, **शर्मा एम**, गुप्ता ए, सहगल आर, खुराना एस. माइक्रोबायोलोजिकल डायग्नोसिस ऑफ़ अकन्थामएबीक केराटाइटिस: एक्सपीरियंस फ्रॉम टेरशेरी केयर सेण्टर ऑफ़ नार्थ इंडिया. दिएगं मिक्रोबिओल इन्फेक्ट डिस.२०२१ जून;१००(२):११५३३९.

डॉ स्वाति गुप्ता

1. तीवसोः जेबीए, **गुप्ता एस**, मोहन बी, तनेजा एन. इन्ट्रिंसिक रेजिस्टेंस ऑफ़ मिक्रोऑर्गेनिस्मस: ए मस्ट-नो एंटिटी व्हेन ट्रीटिंग बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स. जे पेडिएटर यूरोल. २०२० अप्रैल;१६(२):२६१-२६२. डीओआई: १०.१०१६/जे.जेपीयूरोल.२०१९.११.०२०. ईपब २०२० जनवरी २२

परीक्षक

डॉ अनुराधा शर्मा

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	एमडी (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग) परीक्षा	एम्स जोधपुर	दिसंबर २०२०

डॉ पुनीत कुमार गुप्ता

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	बीएससी एमएलटी परीक्षा	डॉ आरपीजीएमसी, कांगड़ा	५-६ फरवरी २०२१

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ अनुराधा शर्मा

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	सदस्य	आई एस एच ए एम
०२.	सदस्य	आईएसएमएम
०३.	सदस्य	एएसएम
०४.	सदस्य	आईएएमएम
०५.	सदस्य	आईडीएसए

नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ नलिनी ए	सहायक आचार्य	०६/०२/२०२१

विभाग के विषय में

बिलासपुर हिमाचल प्रदेश के अखिल भारतीय संस्थान में फरवरी, २०२१ में एक संकाय में शामिल होने के साथ नियोनेटोलॉजी विभाग की स्थापना की जा रही है। विभाग अभी भी आउट पेशेंट क्लीनिक, नवजात गहन देखभाल इकाई, लेबर रूम और ऑपरेशन थिएटर सुविधाओं के साथ निर्माणाधीन है। रोगाणुरोधी प्रबंधन के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति के साथ-साथ विभाग के लिए उपकरण और उपकरणों की खरीद के लिए विभागीय प्रोटोकॉल तैयार करने में संकाय सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इसके अलावा, संकाय को एनआईसीयू की डिजाइनिंग के लिए अस्पताल निर्माण समिति में शामिल किया गया था। फैकल्टी विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों जैसे वेबिनार, ऑनलाइन सीएमई, ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से शामिल थी। अन्य संस्थानों में सह-पीआई के रूप में संकाय को शामिल करने वाली विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं।

विभागीय योजना

नैदानिक सेवाएं: नियोनेटोलॉजी विभाग आउट पेशेंट और इन-पेशेंट आधार पर नवजात शिशुओं को नियमित और आपातकालीन देखभाल प्रदान करेगा। ओपीडी सेवाओं में नियमित टीकाकरण, विभिन्न उप-विशेषता क्लीनिक जैसे कि प्रसवकालीन क्लिनिक, वेल बेबी क्लिनिक, उच्च जोखिम वाले अनुवर्ती क्लिनिक, आनुवंशिक परामर्श और चयापचय जांच शामिल होंगे। नियमित ओपीडी सेवाओं के अलावा, मरीजों को चल रहे COVID १९ महामारी में टेली-परामर्श दिया जाएगा जो महामारी के बाद भी जारी रहेगा। विभाग स्तर ३ नवजात गहन देखभाल इकाई के विकास के साथ गंभीर रूप से बीमार जन्मजात और बाहरी नवजात शिशुओं को उच्च स्तरीय गहन देखभाल प्रदान करेगा जिसमें सामान्य एनआईसीयू के अलावा एचएफओवी, आईएनओ, ईसीएमओ, बेडसाइड इकोकार्डियोग्राफी, ईईजी और पैरेंट्रल न्यूट्रीशन जैसी उच्च तकनीक शामिल होगी। देखभाल। विभिन्न नैदानिक सुविधाएं जैसे नवजात शिशुओं में विभिन्न विकारों की जांच, आरओपी के लिए समय से पहले जांच, श्रवण दोष के साथ-साथ दुर्लभ नवजात विकारों के लिए आणविक और आनुवंशिक निदान। उच्च जोखिम वाले नवजात शिशुओं के पुनर्वास और मस्तिष्क संवेदीकरण के लिए आरबीएसके के सहयोग से जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र स्थापित किया जाएगा। निकट भविष्य में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की जाएगी जिसमें नवजात शिशुओं के लिए सभी उन्नत निदान और उपचार सुविधाएं भी शामिल होंगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार नियोनेटोलॉजी में एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: बाल चिकित्सा स्नातकोत्तर निवासियों के नियोनेटोलॉजी में घूर्णन प्रशिक्षण।

पद-डॉक्टोरल कार्यक्रम: विभाग में पीएचडी कार्यक्रम, उप-विशेषज्ञता फैलोशिप के साथ-साथ स्नातकोत्तर डीएम कार्यक्रम भी होंगे

डॉक्टरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, विभाग अन्य स्वास्थ्य कर्मियों जैसे नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए नियोनेटोलॉजी में उनके कौशल विकास के लिए नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाएगा। छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए नियमित रूप से नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होंगे। इसके अलावा, डॉक्टरों और नर्सों के लिए उन्नत यांत्रिक वेंटिलेशन और अनुसंधान पद्धति जैसी विभिन्न कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

अनुसंधान: अनुसंधान के क्षेत्र: विकासात्मक रूप से सहायक देखभाल, आवश्यक नवजात देखभाल, देखभाल के बिंदु यूएसजी, नवजात सेप्सिस और रोगाणुरोधी प्रबंधन, नवजात पुनर्जीवन, गैर इनवेसिव वेंटिलेशन, बरकरार अस्तित्व, नवजात पीलिया, सामुदायिक नवजात विज्ञान.

सामुदायिक जुड़ाव: विभिन्न सामुदायिक केंद्रों में स्तनपान, आवश्यक नवजात देखभाल, घर आधारित नवजात देखभाल और नवजात पुनर्जीवन के संबंध में सामुदायिक जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एनआरपी और सुविधा आधारित नवजात देखभाल पर एसएनसीयू नर्सों और डॉक्टरों के लिए

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्र में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन पर अधिक जोर दिया जाएगा। पूरे राज्य को कवर करने के लिए राज्य और जिला अधिकारियों के साथ-साथ अन्य राज्य मेडिकल कॉलेजों के साथ सहयोग किया जाएगा। परिधीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए वेब आधारित शिक्षण मॉड्यूल तैयार किए जाएंगे।

शिक्षा

डॉ. नलिनी ए

नपटल पाठ्य्-क्रम	1. बेसिक कोर्स इन बिओमेडिकल रिसर्च –नपटल
कोर्सेरा पाठ्य्-क्रम	2. त्वचाविज्ञान-त्वचा की यात्रा 3. रिसर्च डाटा मैनेजमेंट एंड शेयरिंग 4. COVID १९: आपको क्या जानना चाहिए 5. नवजात शिशुओं को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के निर्देश 6. नवजात मूल्यांकन 7. नवजात शिशु के माता-पिता का समर्थन 8. रोज़ाना पालन-पोषण: बच्चे के पालन-पोषण की एबीसी 9. नवजात शिशु के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल 10. माइंड कंट्रोल: COVID १९ के दौरान अपने मानसिक स्वास्थ्य का प्रबंधन
फ. डि. पि	11. ई लर्निंग: ३०-३-२०, ३-४-२० और २९-४-२० 12. एलएमएस के लिए ई सामग्री निर्माण: १३-५-२०, १९-५-२० और २०-५-२

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ. नलिनी ए

1. बच्चों में COVID १९ -सीएमसी, वेल्लोर, ऑनलाइन
2. नियोनेट्स-एनएनएफ में COVID १९ और MISC, ऑनलाइन
3. बच्चों में COVID १९ और MISC-PGIMER, ऑनलाइन
4. यूपी ई नियोकॉन २०२० यूपी एनएनएफ चैप्टर
5. एनटीईपी कार्यशाला २०२० -यूपी आईएपी
6. प्वाइंट ऑफ केयर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट-एम्स, दिल्ली
7. वैश्विक स्वास्थ्य प्रशिक्षण नेटवर्क-जीसीएलपी
8. वैश्विक स्वास्थ्य प्रशिक्षण नेटवर्क- जीसीपी
9. केरल-एनएनएफ केरल से COVID १९ सबक
10. बहुत बढ़िया अया कार्यक्रम-आईएपी
11. प्रिस्क्राइबिंग रैशनल एंटीबायोटिक्स-आईएपी
12. एफएफएफ वेबिनार-एवीएमसी

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं जारी रही है

डॉ. नलिनी ए

क्र. संख्या	परियोजनाएं	सिद्धांत जांचकर्ता
०१.	पुडुचेरी में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मातृ शिशु में विटामिन डी की कमी की व्यापकता और उससे जुड़े कारकों का अनुमान लगाना-ए क्रॉस सेक्शनल अध्ययन	डॉ. नलिनी ए

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस / शोध प्रबंध सहित)

जारी रही है

डॉ. नलिनी ए

क्र. संख्या	परियोजनाएं
०१.	डॉ मधुलिका बाल रोग स्नातकोत्तर के लिए थीसिस को गाइड: कॉर्ड एल्ब्यूमिन बिलीरुबिन मोलर अनुपात गंभीर हाइपरबिलीरुबिनमिया की भविष्यवाणी में २०२१ तक पूरा होने की उम्मीद है।
०२.	अनीता बाल रोग स्नातकोत्तर के लिए थीसिस सह गाइड: नवजात शिशुओं में फोटोथेरेपी के बाद रिबाउंड हाइपरबिलीरुबिनमिया के लिए नैदानिक प्रोफाइल और जोखिम कारक- एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन
०३.	ICMR STS २०२० प्रोजेक्ट गाइड फॉर अस्वथी: बिलीरुबिन का पूर्वानुमानात्मक स्तर नवजात शिशुओं में श्रवण विकृति का कारण बनता है एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन
०४.	डॉ अश्विनी बाल रोग स्नातकोत्तर के लिए प्रोजेक्ट गाइड: विशेष स्तनपान के भविष्यवक्ता के रूप में LATCH स्कोर
०५.	डॉ. विशारद बाल रोग स्नातकोत्तर के लिए प्रोजेक्ट गाइड: व्यक्त स्तनदूध (ईबीएम) की तुलना, स्वैडलिंग और दोनों गैर-औषधीय विधियों के संयोजन में एनाल्जेसिक के रूप में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में वेनिपंक्चर से गुजर रहे नवजात शिशुओं में- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

संपन्न

डॉ. नलिनी ए

S. No.	Projects
०१.	१ मिनट पर नवजात शिशुओं की कॉर्ड क्लैम्पिंग में देरी पर गुणवत्ता सुधार परियोजना
०२.	नवजात पैर की लंबाई का मानवशास्त्रीय सहसंबंध
०३.	गर्भनाल TSH का सीरम TSH के साथ ४८ घंटे में सहसंबंध
०४.	एक तृतीयक देखभाल केंद्र में नवजात शिशुओं में विटामिन डी की कमी और मानवशास्त्रीय मापदंडों के साथ इसके सहसंबंध की व्यापकता - एक पार अनुभागीय अध्ययन

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ. नलिनी ए

1. अश्विनी अंबालागन, **नलिनी अश्वथमन**, एन.एस. रघुपति परेवालेन्स ओफ विटामिन डी डेफिशियेंसी एंड इतस करेलशन विथ अन्थ्रोपोमेट्रिक मासुरेमेन्ट्स इन नोनटस इन आ टेरतीआर्य केयर सेंटर - ए क्रॉस सेक्शनल पायलट स्टडी । इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंटेम्पररी पीडियाट्रिक्स २०२१ फरवरी;८(२):२९५-२९९ DOI: https://dx.doi.org/१०.१८२०३/२३४९-३२९१.ijcp२०२१०११६
2. सी. रेणुका देवी, **नलिनी ए**, एनएस रघुपति ए क्वालिटी इम्प्रोवेमेंट स्टडी ओन ब्रेस्टफीडिंग िनिटिटिओं रेट वीथिन १ ऑवर ऑफ़ लाइफ इन इन्बॉर्न नोनटस इन आ टेरतीआर्य केयर सेंटर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंटेम्पररी पीडियाट्रिक्स २०२० फरवरी ;७(२):२५२-२५६ DOI: http://dx.doi.org/१०.१८२०३/२३४९-३२९१.ijcp२०२०००५
3. डॉ के श्रवण कुमार, **डॉ नलिनी ए**, डॉ एन.एस. रघुपति सरवाइकल मेनिंगोसेले- ए केस रिपोर्ट जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड क्लिनिकल रिसर्च वॉल्यूम ८ अंक ६ पृष्ठ ४५५-४५७ जून २०२०। DOI: https://dx.doi.org/१०.१८५३५/jmscr/v८i६.७

वृक्क रोग विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ संजय विक्रांत	प्रोफ़ेसर	२१/११/२०२०

विभाग के विषय मे

२१ नवंबर, २०२० को संकाय के शामिल होने के साथ एम्स बिलासपुर में नेफ्रोलॉजी विभाग शुरू किया गया था। विभाग ने प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों और संकाय शिक्षाविदों के फाउंडेशन कोर्स में भाग लिया, जो दैनिक आधार पर आयोजित किए जाते थे। यह COVID १९ महामारी की पहली लहर का दौर था और ओपीडी चालू नहीं थी। लेकिन विभाग ने आयुष प्रखंड में ओपीडी में आने वाले मरीजों को व्हाट्सऐप और वीडियो कॉल के जरिए नेफ्रोलॉजी टेलीकंसल्टेशन और व्यक्तिगत तौर पर परामर्श मुहैया कराया.

विभाग योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: गुर्दे के रोगियों के लिए नियमित और आपातकालीन देखभाल बाह्य रोगी और रोगी आधार के रूप में। विभाग अस्पताल के विभिन्न विभागों और आईसीयू में भर्ती मरीजों को नेफ्रोलॉजी परामर्श प्रदान करेगा। विभाग डायलिसिस के सभी तौर-तरीके- हेमोडायलिसिस, एसएलईडी, सीआरआरटी, प्लास्मफेरेसिस और दवा और विषाक्त विषाक्तता को हटाने के लिए उपलब्ध कराएगा। विभाग के पास गुर्दे की अंतिम चरण की बीमारी के रोगियों के लिए एक पुरानी पेरिटोनियल डायलिसिस कार्यक्रम और गुर्दा प्रत्यारोपण कार्यक्रम होगा। नेफ्रोलॉजी विभाग मृत दाता प्रतीक्षा सूची और अनुवर्ती प्रतीक्षा सूची वाले रोगियों को भी बनाए रखेगा और ऐसे रोगियों को प्रत्यारोपण करेगा जब कभी मृत अंग प्रत्यारोपण शुरू हो जाएगा। चूंकि विभाग उन व्यक्तियों की पूर्ण और व्यापक देखभाल के लिए जिम्मेदार है जो या तो गुर्दा प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं या गुर्दा प्रत्यारोपण प्राप्त कर चुके हैं, इसलिए नेफ्रोलॉजी विभाग में "गुर्दे प्रत्यारोपण" का शीर्षक जोड़ने का प्रस्ताव है और इसे "नेफ्रोलॉजी और गुर्दा प्रत्यारोपण विभाग" के रूप में फिर से नाम दिया गया है। रोगियों का समग्र कल्याण।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

अंडरग्रेजुएट टीचिंग: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार नेफ्रोलॉजी और डायलिसिस में एमबीबीएस का शिक्षण

पद ग्रेजुएट टीचिंग: मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स और पैथोलॉजी के पद ग्रेजुएट छात्रों के नेफ्रोलॉजी में रोटेशनल ट्रेनिंग।

विभाग में स्नातकोत्तर डीएम (नेफ्रोलॉजी) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होगा।

पैरामेडिकल साइंस के लिए कोर्स: नर्सों के लिए पद बेसिक डायलिसिस नर्सिंग सर्टिफिकेट कोर्स और बी.एससी. (ऑनर्स।) डायलिसिस तकनीशियनों के लिए रीनल डायलिसिस टेक्नोलॉजी कोर्स।

अनुसंधान: अनुसंधान के क्षेत्र: उष्णकटिबंधीय एकेआई, सीकेडी, ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस और वास्कुलिटिस, गुर्दे की पथरी की बीमारी, एडीपीकेडी, उच्च रक्तचाप, मधुमेह गुर्दे की बीमारी, इलेक्ट्रोलाइट और एसिड-बेस विकार, क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी, पेरिटोनियल डायलिसिस, हेमोडायलिसिस, किडनी ट्रांसप्लांटेशन और हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन

सामुदायिक आउटरीच: क्रोनिक किडनी रोग, डायलिसिस, प्रत्यारोपण और अंग दान के बारे में जागरूकता के लिए आउटरीच शिविर। सीएमई/कार्यशालाओं/सम्मेलनों का संगठन।

शिक्षा

डॉ संजय विक्रांत

1. कार्मिक और प्रशिक्षण के लिए भारत सरकार दीक्षा विभाग का ऑनलाइन प्रशिक्षण:
   i. संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण प्रशिक्षण मई २७,२०२०
   ii. COVID-१९ की मूल बातें २८ मई, २०२०
   iii. आईसीयू देखभाल और वेंटिलेशन प्रबंधन २८ मई, २०२०

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ संजय विक्रांत

1. क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी- अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी वेब कॉम द्वारा एक अपडेट १६ मई, २०२०
2. अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी वर्चुअल एक्टिविटी शीर्षक हाइलाइट्स २०२० मई २९-३०, २०२०।
3. AKI-CRRT २०२० सैन डिएगो से आभासी सम्मेलन की मुख्य विशेषताएं फ़रवरी १२-१४, २०२१
4. २०-२१ मार्च २०२१ तक यूके में कॉमनवेल्थ स्कॉलरशिप कमीशन की ओर से ब्रिटिश काउंसिल द्वारा इंस्पायरिंग ट्रस्ट पर नेतृत्व कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

डॉ संजय विक्रांत

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
०१.	"किडनी हेल्थ फॉर एवरीवन एवरीव्हेर – लिविंग वेल विथ किडनी डिजीज	वर्ल्ड किडनी डे २०२१	११ मार्च २०२१	नेफ्रोलॉजी विभाग, आईजीएमसी शिमला और द सोसाइटी फॉर किडनी केयर

मौखिक प्रबंध/पदर प्रस्तुति

डॉ संजय विक्रांत

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुती	सम्मेलन का नाम	दिनांक
०१.	जरयाल ए, विक्रांत स	एपिडेमियोलॉजी एंड आउटकम ऑफ़ ररत रेक्किरिंग अकी फ्रॉम टेरतीआर्य केयर हॉस्पिटल फ्रॉम सुब्क्रोपिकाल रीजन ऑफ़ इंडिया	वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ़ नेफ्रोलॉजी (व स न), अबू धाबी यूएई	दिसंबर २०२०

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं जारी रही है

डॉ संजय विक्रांत

क्र. संख्या	परियोजनाएं	सिद्धांत जांचकर्ता	निधीयन एजेंसी
०१.	"इंडियन क्रॉनिक किडनी डिजीज स्टडी" आईजीएमसी शिमला में मल्टीसेंट्रिक कोहोर्ट स्टडी - फेज २"	डॉ संजय विक्रांत	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
०२.	एलुपुरिनोल फॉर CVD इन CKD (AvoiD-CKD)- ए डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल	डॉ संजय विक्रांत	डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस गवर्नमेंट ऑफ इंडिया-डीबीटी

संपन्न

डॉ संजय विक्रांत

क्र. संख्या	परियोजनाएं	सिद्धांत जांचकर्ता	निधीयन एजेंसी
०१.	आईजीएमसी शिमला में "इंडियन क्रॉनिक किडनी डिजीज स्टडी" मल्टीसेंट्रिक कोहोर्ट स्टडी	डॉ संजय विक्रांत	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

	- फेज १		

सहयोगात्मक परियोजनाएं जारी रही है

डॉ संजय विक्रांत

क्र. संख्या	परियोजनाएं	सहयोगी विभाग/संस्था
०१.	गेनोमिक स्टडी इन पकेडी इन मुल्टीसेंट्रीक स्टडी	काशी हिन्दु विश्व-विध्यालय, वाराणसी

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ संजय विक्रांत

1. जरयाल ए, विक्रांत एस. एपिडेमियोलॉजी एंड आउटकम ऑफ़ ररट रेक्किरिंग AKI फ्रॉम टेरटीआरय केयर हॉस्पिटल फ्रॉम सुब्त्रोपिकल रीजन ऑफ़ इंडिया . किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स २०२०; ५, स ८–स ९
2. जरयाल ए , विक्रांत एस. , सिंह र , चौहान न , शर्मा डी , कुमार ए . शार्ट -टर्म ोुटकेस ऑफ़ टनलेड कुफ्फेड कॅथेटर्स -ए सिंगल सेण्टर एक्सपीरियंस . किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स २०२१; ६(४):स २५४-स २५५

1. जरयाल ए , विक्रांत एस. फोस्फोमैसीन फॉर पद -रीनल ट्रांसप्लांट यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन : रे -एमेर्जेंस ऑफ़ एन ओल्ड ड्रग -ए केस रिपोर्ट . इंडियन जर्नल ऑफ़ ट्रांसप्लांटेशन २०२०;१४ (३), २५५

परीक्षक

डॉ संजय विक्रांत

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय
०१.	डीएम (नेफ्रोलॉजी) शोध प्रबंध मूल्यांकन	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ संजय विक्रांत

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	कार्यकारी सदस्य (उत्तरी क्षेत्र)	इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ संजय विक्रांत

1. हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल द्वारा "सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट" १ जुलाई, २०२०

तंत्रिका विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ आशीष शर्मा	सह प्राध्यापक	२३/११/२०२०

विभाग के विषय में

१) नैदानिक/नैदानिक: समय व्यतीत (३०%)
आधिकारिक ओपीडी सेवाओं की अनुपस्थिति के बावजूद: मैंने आयुष ब्लॉक परामर्श कक्षों में अपने दम पर रोगियों (चार महीने की अवधि में लगभग ७५० रोगियों) को ३ घंटे / दिन के लिए देखा है।

२) शिक्षण: समय बिताया (२०%)
   i) व्याख्यान/बेडसाइड की संख्या: यूजी शिक्षण में शामिल: फाउंडेशन कोर्स/एईटीसीओएम योग्यताएं और निम्नलिखित विषयों को कवर किया गया (प्रत्येक एक घंटे के कुल दस व्याख्यान)
      - अभिविन्यास मॉड्यूल: चिकित्सा और वैकल्पिक प्रणालियों का इतिहास
      - व्यावसायिक विकास और नैतिक मॉड्यूल: विकलांगता दक्षता
      - सामुदायिक अभिविन्यास मॉड्यूल: रोगियों और परिवारों, समुदायों के साथ बातचीत।
      - भाषा और कंप्यूटर कौशल मॉड्यूल: स्थानीय भाषा कौशल
      - AETCOM दक्षताओं: डॉक्टर-रोगी संबंध
   ii) शिक्षण सत्र में भागीदारी: नियमित रूप से प्रतिदिन एक घंटा (५ दिन/सप्ताह) संकाय शैक्षणिक बैठक में भाग लिया

३) संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लिया आदि। समय बिताया (५%)/ केवल आभासी भागीदारी
संस्थान के खर्चे पर : कोई नहीं
अपने खर्चे पर : दो

विभागीय योजना

रोगी देखभाल : विभाग निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करेगा:

- चिकित्सीय*: ऑल इन वन जनरल न्यूरोलॉजी ओपीडी, स्क्रीनिंग ओपीडी, डेडिकेटेड सब-स्पेशलिटी क्लीनिक (जैसे सिरदर्द/ मिर्गी/ स्ट्रोक/ आंदोलन संबंधी विकार/संज्ञानात्मक और व्यवहार न्यूरोलॉजी/ न्यूरो-इम्यूनोलॉजी/ न्यूरोमस्कुलर/ न्यूरो-संक्रमण/ स्लीप न्यूरोलॉजी/ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी/ न्यूरो-ओटोलॉजी/ न्यूरो-ऑप्थाल्मोलॉजी/ न्यूरोसाइकिएट्री/ न्यूरो-रिहैब आदि। आईपीडी: जनरल वार्ड, एचडीयू/ आईसीयू आपातकालीन सेवाएं: इनपेशेंट: अस्पताल की आपात स्थिति में रिपोर्ट करने वाले विभागीय और अंतर्विभागीय आउट पेशेंट विशिष्ट न्यूरोलॉजिकल आपात स्थितियों के लिए समर्पित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसे स्ट्रोक रिस्पांस टीम।
- डायग्नोस्टिक: न्यूरोलॉजी लैब सेवाएं: आउट पेशेंट लैब सेवाएं: ईईजी/ईएनएमजी-एनसीएस और ईएमजी/ईपी/टीसीडी/बेसिक आरटीएमएस/डेकेयर प्रक्रियाएं इनपेशेंट लैब सेवाएं (३): ईएमयू-वीईईजी/स्लीप लैब-पीएसजी/उन्नत आरटीएमएस

विभाग द्वारा ५ वर्षों में इनपेशेंट न्यूरोलॉजी लैब सेवाएं (ईएमयू/स्लीप लैब/एडवांस्ड टीएमएस लैब) शुरू की जाएंगी। विभाग आपात स्थिति भी प्रदान करेगा: आपातकालीन और ट्रॉमा सेवा में रिपोर्टिंग करने वाले सभी इनपेशेंट और आउट पेशेंट के लिए २४ X ७ आपातकालीन न्यूरोलॉजी सेवाएं, ५ वर्षों में समर्पित स्ट्रोक रिस्पांस टीम।

*सेवाओं का दायरा-जनशक्ति/उपकरण/अवसंरचना की उपलब्धता के आधार पर

शिक्षण और प्रशिक्षण:

यूजी टीचिंग: विभाग ओरिएंटेशन कोर्स, फाउंडेशन कोर्स, अर्ली क्लिनिकल एक्सपोजर, एईटीसीओएम मॉड्यूल, न्यूरो-मेडिसिन के वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल इंटीग्रेशन में भाग लेगा।

स्नातकोत्तर शिक्षण: विभाग ने एक कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है ताकि वे राज्य के चिकित्सा संस्थानों के पीजी के लिए एक बार / २ महीने के सप्ताहांत न्यूरोलॉजी शिक्षण पाठ्यक्रमों के साथ अतिथि अतिथि संकाय हो सकें। विभाग पद डॉक्टरल कोर्स (डीएम न्यूरोलॉजी) शुरू करेगा। विभाग अन्य संस्थानों के प्रतिष्ठित संकायों को अतिथि संकायों के रूप में नियुक्त करने के लिए विभागीय अध्ययन बोर्ड स्थापित करने की भी योजना बना रहा है। इच्छुक चिकित्सा छात्रों और

चिकित्सा पेशेवरों के लिए अल्पकालिक नैदानिक पर्यवेक्षक जहाज प्रदान किया जाएगा
विभाग आसान पुनर्प्राप्ति के लिए नियमित संपादन और उचित संग्रह के साथ दैनिक आधार पर जोड़ने के लिए विभागीय नैदानिक और लैब कार्य की केस आधारित वीडियो लाइब्रेरी स्थापित करेगा। इसका उपयोग छात्रों/विभागीय प्रस्तुतियों/ सीएमई/ कार्यशालाओं/ सम्मेलनों आदि को पढ़ाने के लिए किया जाएगा वास्तविक जीवन केस-आधारित चर्चा/ एमसीक्यू/ प्रश्नोत्तरी आदि मूल विभागीय खजाना जिसका उपयोग कई तरीकों से किया जा सकता है।

अनुसंधान: विभाग को विभिन्न रोग विशिष्ट रजिस्ट्रियां स्थापित करेगा। आसान पूर्वव्यापी अनुसंधान के लिए नैदानिक और प्रयोगशाला कार्य के डिजिटल डेटाबेस को बनाए रखने की भी योजना है।
स्ट्रोक के क्षेत्र में क्लिनिकल परीक्षण करेगा विभाग:

- ICMR-INSTRuCT नेटवर्क न्यूरो-पुनर्वास के क्षेत्र में सहयोगात्मक परियोजनाएं,
- नवीन कम लागत वाले उपकरण और प्रौद्योगिकी विकसित करना।
- विभिन्न न्यूरो-लैब्स से मूल कार्य का निर्माण करने के लिए: वीईईजी / ईएमयू: पीएनईएस सेमोलॉजी, ईआरपी, टीसीडी-सोनो-थ्रोम्बोलिसिस, पीएसजी-पैरासोमनिया / नार्कोलेप्सी, एनआईबीएस-आरटीएमएस: स्ट्रोक रिहैब / एमडी बेसिक पैथोफिजियोलॉजी विभाग

यूजी छात्रों के लिए आईसीएमआर-एसटीएस अनुसंधान कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल होगा और व्यवहार्य अनुसंधान अनुदान प्रस्ताव तैयार करेगा। विभाग की योजना एनआईटी हमीरपुर / आईआईटी मंडी / सीआरसी सुंदरनगर / मेडिकल कॉलेज / मेडिकल आईएनआई के साथ सहयोग करने की भी है।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग आउटरीच ओपीडी/स्वास्थ्य और कल्याण शिविर और विभिन्न जन जागरूकता गतिविधियों का आयोजन करेगा। विभाग लाइफलाइन एक्सप्रेस में मिर्गी क्लिनिक में भाग लेने की भी योजना बना रहा है: भारत का पहला अस्पताल ट्रेन / अखिल भारतीय / दूरस्थ क्षेत्र विभाग द्वारा टेलीमेडिसिन सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी।

शिक्षा

डॉ आशीष शर्मा

1. ICMR-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (ICMR-NIE), चेन्नई द्वारा पेश किए गए ऑनलाइन कोर्स, "बेसिक कोर्स इन बायोमेडिकल रिसर्च" के लिए नामांकित: सभी मॉड्यूल को पूरा किया और सभी ऑनलाइन मूल्यांकन प्रस्तुत किए

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

डॉ आशीष शर्मा

1. कोर्स को -डायरेक्टर : ब्रेनस्टॉर्म २०२१ – वर्चुअल एजुकेशन एक्टिविटी ऑफ़ सी एम् इ फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ आशीष शर्मा

1. नेशनल वर्चुअल एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ ट्रॉपिकल न्यूरोलॉजी सबसेक्शन ऑफ़ इंडियन अकादमी ऑफ़ न्यूरोलॉजी , मार्च २०२१
2. ३र एम्स/पीजीआईआर न्यूरोलॉजी अपडेट, दिसंबर २०२१
1. ब्रेनस्टॉर्म २०२१/स म इ फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

डॉ आशीष शर्मा

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन
०१.	tDCS इन अर्ली मोटर रिकवरी इन स्ट्रोक	ब्रेनस्टॉर्म २०२१/सीएमई फाउंडेशन ऑफ इंडिया
०२.	मैनेजमेंट ऑफ़ एपिलेप्सी : बियॉन्ड सीज़र	वेबिनार/फोरम ऑफ इंडियन न्यूरोलॉजी एजुकेशन

	कण्ट्रोल	
०३.	फंडामेंटल्स ऑफ़ एबम	वेबिनार/इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी
०४.	मूवमेंट डिसऑर्डर्स – मॉडरेटर	तीसरा एम्स/पीजीआई न्यूरोलॉजी अपडेट

मौखिक प्रबंध/पदर प्रस्तुति

डॉ आशीष शर्मा

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
०१.	डॉ आशीष शर्मा	न्यूरो-ब्रुसेलोसिस: ई-प्लेटफॉर्म प्रस्तुति	नेशनल वर्चुअल एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ ट्रॉपिकल न्यूरोलॉजी	२६-२८ मार्च २०२१	इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ आशीष शर्मा

1. जे एड मेड डेंट साइंस रेस २०२०;८(५): ६१-६५।
1. यूरोपियन जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर एंड क्लिनिकल मेडिसिन, २०२१; ७(११): ८३११-८३१५

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ आशीष शर्मा

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	संबंधित सदस्य	यूरोपियन अकादमी ऑफ़ न्यूरोलॉजी
०२.	संपादकीय बोर्ड सदस्य	एनल्स ऑफ़ मूवमेंट डिसऑर्डर (आधिकारिक जर्नल ऑफ़ मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी ऑफ़ इंडिया)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ आशीष शर्मा

1. मार्च (२६-२८), २०२१ में इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के ट्रॉपिकल न्यूरोलॉजी उपखंड के राष्ट्रीय आभासी वार्षिक सम्मेलन में न्यूरो-ब्रुसेलोसिस पर ई-प्लेटफॉर्म प्रस्तुति के लिए प्रथम उपविजेता पुरस्कार

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ हरप्रीत कौर	सह प्राध्यापक	२०/११/२०२०
०२.	डॉ निशा मलिक	सहायक प्राध्यापक	०५/०२/२०२१
०३.	डॉ सुश्रुति कौशल	सहायक प्राध्यापक	२८/११/२०२०
०४.	डॉ अस्मिता	सहायक प्राध्यापक	११/१२/२०२०

विभाग के विषय में

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग नवंबर २०२० में स्थापित किया गया था जब प्रारंभिक संकाय इस संस्थान में शामिल हुए थे। चूंकि संस्थान अपने प्रारंभिक चरण में है, इसलिए विभाग के काम का प्रमुख हिस्सा एमबीबीएस शिक्षण शुरू करने के लिए जमीनी कार्य और तैयारी है, जिसके लिए पहला बैच जनवरी २०२१ में शामिल हुआ। विभाग ने 'फाउंडेशन कोर्स' के दौरान एमबीबीएस छात्रों के शिक्षण में भाग लिया। हमने प्रसूति और स्त्री रोग में स्नातक शिक्षण के लिए रूपरेखा भी रखी जो तीसरे सेमेस्टर से शुरू होगी।

हमारे विभाग में फैकल्टी ने 'अकादमिक मीटिंग्स' में भाग लिया, जो हमारे संस्थान में आयोजित फैकल्टी के लिए एक अकादमिक गतिविधि थी, जहाँ सामान्य रुचि के विषयों पर चर्चा की गई थी। क्लिनिकल सेवाओं को शुरू करने की तैयारी में, हमने आउट पेशेंट विभाग, इन-पेशेंट विभाग और लेबर रूम जैसे आपातकालीन क्षेत्रों के लिए 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर' बनाया है। हमने संस्थान के एंटी-माइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम के अनुसार अपने विभाग के लिए एंटीबायोटिक नीति भी तैयार की।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल: विभाग की योजना ओपीडी सेवाओं को जल्द से जल्द शुरू करने की है, दोनों टेलीकंसल्टेशन और फिजिकल ओपीडी के माध्यम से। ओपीडी सेवाओं के साथ मामूली सर्जिकल प्रक्रिया शुरू की जाएगी। संस्थान में वैकल्पिक और आपातकालीन सेवाओं के साथ आईपीडी सुविधा शुरू होने के साथ आईपीडी सेवाएं शुरू की जाएंगी। इनफर्टिलिटी क्लिनिक, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी क्लिनिक, जेनेटिक क्लिनिक और ऑन्कोलॉजी क्लीनिक जैसे सब-स्पेशियलिटी क्लीनिक शुरू किए जाएंगे। नियमित प्रसूति एवं स्त्री रोग के अलावा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, रोबोटिक सर्जरी और भ्रूण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मरीजों को आईवीएफ सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण: एमबीबीएस छात्रों के स्नातक शिक्षण में विभाग सक्रिय रूप से शामिल होगा। विभाग प्रसूति एवं स्त्री रोग में स्नातकोत्तर शुरू करेगा। क्लिनिकल सेवाओं के विस्तार के साथ, नए शिक्षण और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जैसे प्रजनन चिकित्सा में डीएम, गायनी ऑन्कोलॉजी में एम.सीएच, न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग में फैलोशिप, भ्रूण चिकित्सा में फैलोशिप शुरू किए जाएंगे।

अनुसंधान: विभाग पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, एम्स, नई दिल्ली और राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। मातृ स्वास्थ्य विशेष ऑन्कोलॉजी, एनीमिया और पोषण, बांझपन और किशोर स्वास्थ्य मुद्दों जैसे पीसीओएस और एंडोमेट्रियोसिस के क्षेत्र में अनुसंधान की योजना बनाई जाएगी।

सामुदायिक भागीदारी: सर्वाइकल कैंसर, बांझपन और स्तनपान जैसी सामान्य बीमारियों के लिए सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों की योजना बनाई जाएगी। समुदाय में सर्वाइकल कैंसर/एचपीवी जीनोटाइप और एनीमिया स्क्रीनिंग गतिविधियों के लिए स्क्रीनिंग की योजना बनाई जाएगी।

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

डॉ हरप्रीत कौर

1. ३० नवंबर २०२० को फर्टिविजन २०२० में "रिसर्च मेथडोलॉजी" पर कार्यशाला का आयोजन सदस्य

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ हरप्रीत कौर

1. फर्टिविजन- ४-५ दिसंबर, २०२० को चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के आईएफएस चैप्टर द्वारा आयोजित एक वैश्विक सम्मेलन।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

डॉ हरप्रीत कौर

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
०१.	निःशुल्क पेपर प्रस्तुति सत्र के लिए न्यायाधीश	फर्टिविजन	४-५th दिसंबर २०२०	IFS
०२.	शोध पत्रों के आलोचनात्मक मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ संकाय	फर्टिविजन में अनुसंधान पद्धति कार्यशाला	३०th नवम्बर २०२०	IFS

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ हरप्रीत कौर

1. **कौर एच**, प्राणेश जीटी, राव केए। इमोशनल इम्पैक्ट ऑफ़ डिले इन फर्टिलिटी ट्रीटमेंट देय तो Covid-१९ पान्डेमिक . ज एच र स दिसंबर .२०२०;१४४:२०
2. **कौर एच**, शर्मा एस, वर्मा एम. विटामिन डी डेफिशियेंसी इन प्रेगनेंसी एंड इट्स इफ़ेक्ट ओन मैटरनल एंड पेरिनेटल आउटकम . आईजेआईएफएम २०२०। ११(१):११-१५

डॉ निशा मलिक

1. **मलिक एन,** गुप्ता ए, दहिया डी, नंदा एस, सिंघल एस, वनामेल पी. सीजेरियन डिलीवरी इन सेकंड स्टेज : इन्सिडेन्स , इम्पैक्ट एंड हाउ टू टैकल थे राइजिंग रेट्स ? जे गाइनकोल सर्ज फरवरी २०२१:३७(१).१०-१५

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ हरप्रीत कौर

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	सहायक संपादक	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इनफर्टिलिटी एंड फीटल मेडिसिन

नेत्र विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ नितिन कुमार	सहायक प्राध्यापक	१०/११/२०२०
०२.	डॉ नृपेन गौर	सहायक प्राध्यापक	१९/११/२०२०

विभाग के विषय में

दो संकाय सदस्यों के शामिल होने के साथ नवंबर २०२० में एम्स बिलासपुर में विभाग शुरू किया गया था। विभाग ने मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के गठन और स्नातक एमबीबीएस पाठ्यक्रम की योजना के रूप में रोगी देखभाल सेवाएं शुरू करने की योजना बनाने की दिशा में काम किया। विभाग नेत्र विज्ञान की ओपीडी और आईपीडी सेवाएं शुरू करने के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद की योजना बनाने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल: संस्थान में ओपीडी सेवाएं शुरू होने के साथ ही रोगियों को आउट पेशेंट सेवाएं प्रदान की जाएंगी। ओपीडी शुरू होने के साथ ही माइनर ओटी में भी माइनर सर्जरी की जाएगी। विभाग के विस्तार के साथ, प्रमुख नेत्र शल्य चिकित्सा जैसे फेकमूल्सीफिकेशन, ट्रॉमा सर्जरी, एक्स्ट्रा-ओकुलर सर्जरी, स्क्विंट सर्जरी और विट्रो-रेटिनल सर्जरी शुरू की जाएगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण: विभाग एमबीबीएस छात्रों को उनके पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पढ़ाना शुरू करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। आने वाले समय में विभाग में पद ग्रेजुएशन (एमडी) कोर्स शुरू किए जाएंगे। बीएससी ऑप्टोमेट्री, एमएससी कोर्स, वेट लैब ट्रेनिंग और सब-स्पेशियलिटी फेलोशिप जैसे अतिरिक्त कोर्स शुरू किए जाएंगे।

अनुसंधान: विभाग ने विट्रो-रेटिना, यूवाइटिस, प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपैथी, बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान और स्ट्रैबिस्मस, ओकुलोप्लास्टिक्स और ओकुलर ऑन्कोलॉजी में अनुसंधान करने की योजना बनाई है।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग की कॉर्निया, ग्लूकोमा, रेटिनोब्लास्टोमा, आरओपी और डायबिटिक रेटिनोपैथी के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। विभाग सर्जिकल सेवाओं के लिए आउटरीच नेत्र शिविर आयोजित करने की योजना बना रहा है। विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में टेली-नेत्र विज्ञान सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ नितिन कुमार

1. शर्मा के, **मेनिया एन**, बजगाई पी, शर्मा एम, शर्मा ए, कटोच डी, सिंह आर. नॉन टूबर्क्युलर मैकोबैक्टेरिअ एसोसिएटेड उवेइटिस इन एचआईवी पॉजिटिव पेशेंट्स .ओकुल इम्यूनोल सूजन। २०२० अगस्त १९:१-८। डोई: १०.१०८०/०९२७३९४८.२०२०.१७८८६१०.मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी: ३२८१३६०६।
2. सुदर्शन एस, **मेनिया एनके**, सेल्वामुथु पी, त्यागी एम, कुमारसामी एन, बिस्वास जे. ऑक्युलर सिफलिस इन पेशेंट्स विथ ह्यूमन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस /अक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम इन थे एरा ऑफ़ हाइली एक्टिव अंतिरेट्रोविराल थेरेपी .इंडियन जे ओफ्थाल्मोल। २०२० सितंबर;६८(९):१८८७-१८९३। डोई: १०.४१०३/ijo.IJO_१०७०_२०. पीएमआईडी: ३२८२३४०९; पीएमसीआईडी: पीएमसी७६९०५५५.
3. **नितिन कुमार**, सवलीन कौर, सृष्टि राज, विवेक लाल और जसप्रीत सुखिजा (२०२१):: कॉसेस एंड अउटकॉमेस ऑफ़ पेशेंट्स प्रेसेंटिंग विथ डिप्लोपिए : ए हॉस्पिटल -बेस्ड स्टडी , न्यूरो - ओफ्थल्मोलॉजी , DOI: १०.१०८०/०१६५८१०७.२०२०.१८६००९१
4. छाबड़ा पी, हांडा एस, सिंह एम, बाल्यान एम, **कुमार एन**, रोहिल्ला एम, एट अल डिफ्यूज़ एंटिरियर रेटिनोब्लास्टोमा मस्कुएरडिंग अस कॉम्प्लिकेटेड कैटरेक्ट - ए केस रिपोर्ट . इंडियन जे मेड पीडियाट्र ओनकोल २०२०; ४१:९२३-५.
5. **कुमार एन**, वल्लियप्पन ए, बंसल आर. उनयूज़यूअल सुपीरियर आईरिस एंड रेटिनोचोरोइडल कोलोबोमा .

इंडियन जे ओफ्थाल्मोल। २०२० मई;६८(५):९२१। डोई: १०.४१०३/ijo.IJO_१८७६_१९. पीएमआईडी: ३२३१७४९०; पीएमसीआईडी: पीएमसी७३५०४७३
6. **कुमार एन**, बंसल आर. स्यूडोहाइपोपियन आफ्टर कैटरेक्ट सर्जरी. इंडियन जे ओफ्थाल्मोल। २०२० सितंबर;६८(९):१९७३। डोई: १०.४१०३/ijo.IJO_४९९_२०. पीएमआईडी: ३२८२३४४४; पीएमसीआईडी: पीएमसी७६९०४९५.
7. **कुमार एन**, बंसल आर., कोरॉयडल मेटास्टेसिस एज़ प्रेजेंटिंग एक्सप्रेशन ऑफ़ लंग स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा, इंडियन जे मेड रेस १५२ (सप्लीमेंट), नवंबर २०२०, पीपी १७२ डीओआई: १०.४१०३/ijmr.IJMR_२२६८_१९
8. **कुमार एन**, बंसल आर. पिग्मेंटेशन ऑफ़ ऑप्टिक डिस्क । इंडियन जे ओफ्थाल्मोल। २०२० जून;६८(६):११८३। डोई: १०.४१०३/ijo.IJO_१८७४_१९. पीएमआईडी: ३२४६१४७२; पीएमसीआईडी: पीएमसी७५०८०९६।
9. **कुमार एन**, बाल्यान एम, बंसल आर. मल्टीमॉडल इमेजिंग इन फैमिलियल डोमिनेंट ड्रूसन। इंडियन जे ओफ्थाल्मोल। २०२० अक्टूबर;६८(१०):२२६६। डोई: १०.४१०३/ijo.IJO_२३३_२०. इरेटम इन: इंडियन जे ओफ्थाल्मोल। २०२१ जून;६९(६):१६४१। पीएमआईडी: ३२९७१६८४; पीएमसीआईडी: पीएमसी७७२७९६९।

डॉ नृपेन गौर

1. शशनी ए, शर्मा पी, **गौर एन**, फुलझेले एस. साइक्लिक ओकुलोमोटर पाल्सी इन ए यंग मेल। नेटल मेड जे इंडिया। २०२० सितंबर-अक्टूबर;३३(५):३१३। डोई: १०.४१०३/०९७०-२५८X.३१७४६३। पीएमआईडी: ३४२१३४६६।
2. शशनी ए, **गौर एन**, टक्कर बी, धस्माना आर। स्मार्टफोन-असिस्टेड टेलीमेडिसिन फॉर ए केस ऑफ लाइव सबरेटिनल सिस्टीसरकोसिस। बीएमजे केस रेप। २०२० नवंबर २;१३(११):e२३९७१९। डोई: १०.११३६/बीसीआर-२०२०-२३९७१९। पीएमआईडी: ३३१३९३७९; पीएमसीआईडी: पीएमसी७६०७५७१
3. **गौर एन,** शर्मा पी। कमेंट्री: ए ड्राप ए डे , कीप्स मायो? इंडियन जे ओफ्थाल्मोल। २०२० अप्रैल;६८(४):६५६-६५७। डोई: १०.४१०३/ijo.IJO_१९४०_१९. पीएमआईडी: ३२१७४५९७; पीएमसीआईडी: पीएमसी७२१०८४७।

किताब में अध्याय

डॉ नितिन कुमार

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	संस्करण	प्रकाशक	प्रकाशन का वर्ष	संख्या
०१.	अमन कुमार, **नितिन कुमार मीणा**, अनिरुद्ध अग्रवाल	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन रेटिनल डिजीज	आंद्रेज ग्रज़ीबोव्स्की	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड ओफ्थल्मोलॉजी	१st	सिंगापुर	स्प्रिंगर	२०२०

अस्थिरोग विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ गौरव कुमार शर्मा	सहायक प्राध्यापक	०८/१२/२०२०
०२.	डॉ राजेश कुमार रजनीश	सहायक प्राध्यापक	०९/११/२०२०
०३.	डॉ विष्णु बाबूराज	वरिष्ठ रेजिडेंट	०१/०१/२०२१

विभाग के विषय में

एम्स, बिलासपुर में हड्डी रोग विभाग २०२० में दो संकाय सदस्यों को शामिल करके शुरू किया गया था। विभाग एमबीबीएस शिक्षण की योजना बनाने में शामिल रहा है। विभाग ने संस्थान में ओपीडी और आईपीडी सेवाएं शुरू करने के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची और विनिर्देश भी प्रदान किए। विभाग संस्थान में सेवाएं शुरू करने की योजना में भागीदार रहा है। क्लिनिकल सेवाएं शुरू करने के बाद विभाग के सुचारू कामकाज के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की गई।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल: संस्थान में ओपीडी सेवाओं की शुरुआत के साथ, विभाग ओपीडी परामर्श के अलावा रोगियों को पीओपी आवेदन और इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन जैसी सेवाएं प्रदान करेगा। आईपीडी की शुरुआत के साथ प्रमुख आर्थोपेडिक सर्जरी शुरू की जाएंगी और विभाग रोगी केंद्रित देखभाल प्रदान करने के लिए 'शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास' विभाग के साथ मिलकर काम करेगा। विभाग आर्थोपेडिक ऑन्को-सर्जरी और 'बोन बैंक' भी शुरू करेगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण: विभाग स्नातक एमबीबीएस शिक्षण और एमएस ऑर्थोपेडिक्स प्रशिक्षुओं के स्नातकोत्तर शिक्षण में शामिल होगा। आगामी विषयों पर सम्मेलन / वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। सर्जिकल स्किल लैब में वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। समय के साथ विभाग की योजना एमसीएच और फेलोशिप कोर्स शुरू करने की है।

अनुसंधान: विभाग की योजना ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और बायोकैमिस्ट्री के सहयोग से ऑर्थोबायोलॉजी में अनुसंधान करने की है। विभाग ने ऑस्टियोआर्थराइटिस में चोंड्रोसाइट कल्चर, चोंड्रोसाइट + एलोग्राफ़्ट / टाइटेनियम प्रोस्थेसिस में अनुसंधान करने की योजना बनाई है।

सामाजिक सहभाग: विभाग की योजना सामुदायिक आउटरीच के माध्यम से विभिन्न सेवाएं प्रदान करने की है जैसे विकलांगता शिविर, विकलांग क्लीनिक और हड्डी रोग शिविर।

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ राजेश कुमार रजनीश

1. कुमार पी, जिंदल के, अग्रवाल एस, कुमार वी, **रजनीश आरके***. ३०-डे मोर्टेलिटी रेट इन हिप फ्रैक्टर्स अमंग थे एल्डर्ली विथ कोएक्सिस्टेंट COVID-१९ इन्फेक्शन : ए सिस्टेमेटिक रिव्यु. इंडियन जे ऑर्थोप। २०२१ मार्च ३:१-११
1. ढिल्लों एमएस, **रजनीश आरके** *, ढिल्लों एस, कुमार पी. इस तेरे सिग्नीफिकेंट रेगेनेरशन ऑफ़ थे हैमस्ट्रिंग टेंडॉन्स आफ्टर हार्वेस्ट फॉर ए स एल रिकंस्ट्रक्शन ? ए सिस्टेमेटिक रिव्यु ओफ लिटरेचर . जे क्लिनऑर्थोप ट्रॉमा। २०२१;१६:२०८-२१८

बालरोग शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ बिजय कुमार सेठी	सह – प्राध्यापक	१२/०१/२०२१

विभाग के विषय में

बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा विभाग एक संकाय सदस्य के शामिल होने के साथ स्थापित किया गया था। विभाग ओपीडी और आईपीडी सेवाओं को शुरू करने के लिए उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की आवश्यकताओं को पेश करने में सक्रिय रहा है। विभाग स्नातक चिकित्सा शिक्षण में भी शामिल रहा है।

विभागीय योजना:

रोगी देखभाल: विभाग सभी बाल चिकित्सा और नवजात शल्य चिकित्सा स्थितियों में नैदानिक, परामर्श, प्रबंधन और अनुवर्ती देखभाल प्रदान करेगा। सर्जिकल स्थितियों का प्रसव पूर्व निदान भी किया जाएगा। एकल चीरा लैप्रोस्कोपी और प्राकृतिक छिद्र ट्रांसल्यूमिनल एंडोसर्जरी सहित बाल चिकित्सा सर्जिकल रोगियों के लिए सर्जरी शुरू की जाएगी। पीडियाट्रिक सर्जिकल आईसीयू भी स्थापित किया जाएगा।

अध्यापन एवं प्रशिक्षण: विभाग स्नातक मेडिकल छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों को सामान्य शल्य चिकित्सा में पढ़ाने में सक्रिय रूप से शामिल होगा। पीडियाट्रिक सर्जरी में एम.सीएच, जिसमें पीडियाट्रिक सर्जरी में ६ साल का इंटीग्रेटेड कोर्स शामिल है, शुरू किया जाएगा। विभाग पीडियाट्रिक यूरोलॉजी और पीडियाट्रिक मिनिमल इनवेसिव सर्जरी में फेलोशिप भी शुरू करेगा।

अनुसंधान: विभाग एक्सस्ट्रोफी ब्लैडर, एनोरेक्टल विकृतियों, सिंगल स्टेज हाइपोस्पेडिया की मरम्मत और पोस्टीरियर यूरेथ्रल वाल्व, क्लीफ्ट लिप, मेनिंगोमीलोसेले और रीनल एजेनेसिस के प्रसवपूर्व निदान के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं की योजना बनाएगा।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग की योजना कटे होंठ, कटे तालु, इंटरसेक्स विकार और हाइपोस्पेडिया जैसे स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की है।

बालरोग विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ समृति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	२३/११/२०२०
०२.	डॉ जसबीर सिंह	सहायक प्राध्यापक	१३/११/२०२०

विभाग के विषय में

बाल रोग विभाग नवंबर, २०२० में २ संकायों में शामिल होने के साथ स्थापित किया गया था। चूंकि एमबीबीएस पाठ्यक्रम जनवरी, २०२१ में शुरू किया गया था, विभागीय संकाय एमबीबीएस छात्रों के फाउंडेशन पाठ्यक्रम में शामिल थे। संकाय ढांचागत योजना की स्थापना और विभागीय एसओपी तैयार करने में सक्रिय रूप से शामिल था। संकाय ने रोगाणुरोधी प्रबंधन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में विभाग के लिए रोगाणुरोधी नीति तैयार की थी। विभाग ने ओपीडी और आईपीडी सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न उपकरणों और उपकरणों की खरीद के लिए सूचियां तैयार की थीं। चूंकि संस्थान अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, इसलिए संकाय सदस्यों ने विभिन्न समिति अर्थात मेस समिति, मेस सुरक्षा, अस्पताल निर्माण समिति और सिमुलेशन समिति के सदस्य के रूप में सक्रिय रूप से योगदान दिया। फैकल्टी और डेलिगेट के रूप में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेकर, पदर प्रस्तुति और पब्ड इंडेक्सेड जर्नल में एक प्रकाशन के द्वारा संकाय अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों में भी शामिल था।

विभाग उच्च गुणवत्ता अनुसंधान करने के साथ-साथ चिकित्सा छात्रों को उत्कृष्टता के साथ-साथ साक्ष्य आधारित गुणवत्ता सेवाओं के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विभागीय योजना:

नैदानिक सेवाएं: बाल रोग विभाग बाल रोगियों को आउट पेशेंट और इन-पेशेंट आधार पर नियमित और आपातकालीन देखभाल प्रदान करेगा। ओपीडी सेवाओं में नियमित और वैकल्पिक टीकाकरण, पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी आदि जैसे विभिन्न उप-विशेषज्ञ क्लीनिक और भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर) विभाग के सहयोग से विभिन्न विकलांग बच्चों का पुनर्वास भी शामिल होगा। नियमित ओपीडी सेवाओं के अलावा, मरीजों को चल रहे COVID १९ महामारी में टेली-परामर्श दिया जाएगा जो महामारी के बाद भी जारी रहेगा। विभाग गंभीर रूप से बीमार बच्चों को लेवल ३ बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाई के विकास के साथ गहन देखभाल भी प्रदान करेगा। पीडियाट्रिक ब्रोंकोस्कोपी, पीडियाट्रिक पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, पीडियाट्रिक ईईजी, एनसीवी, टिश्यू बायोप्सी, जेनेटिक और मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स फॉर रेयर पीडियाट्रिक डिसऑर्डर जैसी विभिन्न डायग्नोस्टिक प्रक्रियाएं राज्य में ही बाल रोगियों में विभिन्न दुर्लभ बीमारियों के निदान और उपचार में मदद करेंगी। निकट भविष्य में बच्चों के लिए सभी उन्नत निदान और उपचार सुविधाओं के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की जाएगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार बाल रोग में एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: नियोनेटोलॉजी और संबंधित सुपरस्पेशलिटी विभागों में रोटेशन के साथ बाल रोग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एमडी)

पद-डॉक्टोरल कार्यक्रम: विभाग में पीएचडी कार्यक्रम, उप-विशेषज्ञता फैलोशिप के साथ-साथ स्नातकोत्तर डीएम कार्यक्रम भी होंगे

डॉक्टरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, विभाग अन्य स्वास्थ्य कर्मियों जैसे नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए बाल रोग में उनके कौशल विकास के लिए नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाएगा। छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए नियमित बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन (पीएएलएस) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होंगे।

अनुसंधान: अनुसंधान के क्षेत्र: बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी, बाल चिकित्सा संक्रामक रोग- क्षय रोग, उष्णकटिबंधीय संक्रमण, बाल चिकित्सा गंभीर देखभाल, स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमण, बाल चिकित्सा आपातकाल और गंभीर देखभाल में अनुकरण, सामुदायिक और सामाजिक बाल रोग, बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी, बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी अन्य विभागों के साथ-साथ राज्य और देश के अन्य प्रमुख संस्थानों के सहयोग से समुदाय में अनुसंधान किया जाएगा।

सामुदायिक जुड़ाव: स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों में बचपन की सामान्य समस्याओं के संबंध में सामुदायिक जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्र में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन पर अधिक जोर दिया जाएगा। पूरे राज्य को कवर करने के लिए राज्य और जिला अधिकारियों के

साथ-साथ अन्य राज्य मेडिकल कॉलेजों के साथ सहयोग किया जाएगा। परिधीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए वेब आधारित शिक्षण मॉड्यूल तैयार किए जाएंगे। जनता के लिए बीएलएस कार्यक्रम स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न विद्यालयों में आयोजित किया जाएगा।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

डॉ समृति गुप्ता

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
०१.	स्टेरॉइड्स इन PICU: नो -कॉशन इस अड़वीसेड.	२२ण्ड नाशनाल कांफ्रेंस ऑफ़ पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर , पड़ी क्रिटी कॉन २०२०	४-७th दिसंबर २०२०	IAP – क्रिटिकल केयर

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ समृति गुप्ता

1. इंटरनेशनल: वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ पीडियाट्रिक इंटेंसिव एंड क्रिटिकल केयर सोसाइटीज (WFPICCS २०२०), वर्चुअल कॉन्फ्रेंस (१-४ दिसंबर, २०२०) की १०वीं कांग्रेस
2. नेशनल : २२ण्ड नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर , PediCritiCon २०२०; वर्चुअल कांफ्रेंस (४th -७th दिसंबर,, २०२०)

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ समृति गुप्ता

1. **गुप्ता एस**, शंकर जे, नरसरिया पी, लोढ़ा आर, काबरा एसके, शर्मा एस. क्लीनिकल एंड लेबोरेटरी पैरामीटर्स एसोसिएटेड विथ सेप्टिक मायोकार्डियल डिसफंक्शन इन चिल्ड्रन विथ सेप्टिक शॉक . इंडियन जे पीडियाट्र (२०२१);८८ (८):८०९-१२।

डॉ जसबीर सिंह

1. दलाल पी, गठवाला जी, **सिंह जे**. नायर एनपी, त्यागराजन वी. गैस्ट्रोएन्टेरिटिस इन हरयाणा , इंडिया पद इंट्रोडक्शन ऑफ़ रोटावायरस वैक्सीन . इंडियन जे पीडियाट्र २०२१;८८:१०–१५
2. रतन केएन, **सिंह जे**। नियोनेटल सैक्रोकोकसीगल टेराटोमा:: आवर २०-ईयर एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टरशियारी केयर सेंटर इन नार्थ इंडिया .ट्रॉप डॉक्टर। २०२०;५१:२०९-२१२
1. बंसल एस, कौर ए, राय एस, कौर जी, गोयल जी, **सिंह जे**, एट अल। करेलशन ऑफ़ विटामिन डी डेफिशियेंसी विथ प्रेडिक्टर्स ऑफ़ मोर्टेलिटी इन क्रिटिकल्ल्य इलल चिल्ड्रन एट ए टरशियारी केयर सेंटर इन नार्थ इंडिया—ए प्रोस्पेक्टिव , ऑब्ज़र्वेशनल स्टडी . J जे पीडियाट्र इंटेंसिव केयर। २०२० डीओआई: १०.१०५५/एस-००४०-१७१९१७१

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ समृति गुप्ता

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	संबद्ध सदस्य	सोसाइटी ऑफ़ क्रिटिकल मेडिसिन
०२.	सदस्य	यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी
०३.	पूर्ण सदस्य	अमेरिकन थोरेसिक सोसाइटी
०४.	सदस्य	अमेरिकन अकादमी ऑफ़ पीडिएट्रिक्स
०५.	आजीवन सदस्य	इंडियन चेस्ट सोसाइटी
०६.	आजीवन सदस्य	इंडियन सोसाइटी ऑफ़ क्रिटिकल केयर मेडिसिन

विकृति विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ गुरविंदर कौर	सहायक प्राध्यापक	११/११/२०२०

विभाग के विषय में

विभाग में वर्तमान में केवल एक फैकल्टी है और यह ढांचागत योजना की स्थापना और विभागीय एसओपी तैयार करने में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग ने अकादमिक और नैदानिक प्रयोगशालाओं दोनों के लिए अभिकर्मकों, उपकरणों की खरीद के लिए सूची तैयार की है। चूंकि संस्थान अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, इसलिए संकाय ने विभिन्न समिति अर्थात अस्पताल निर्माण समिति और अकादमिक और प्रशासनिक ब्लॉक समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: विभाग द्वारा नियमित और आपातकालीन जांच (सीबीसी, पीबीएफ, यूरिन माइक्रोस्कोपी, पीटी, एपीटीटी, ईएसआर) सेवाएं की जाएंगी। विभाग हिस्टोपैथोलॉजी, आईएचसी, बोन मैरो एस्पिरेशन, डायरेक्ट इम्यूनोफ्लोरोसेंस जैसी विभिन्न नैदानिक सेवाएं भी प्रदान करेगा। विभाग निकट भविष्य में फ्लो साइटोमेट्री, डीएफआईएसएच, आरटीपीसीआर जैसी उन्नत नैदानिक सेवाओं की पूर्ति करेगा।
निकट भविष्य में इफ्यूजन साइटोलॉजी, एस्पिरेशन और एक्सफोलिएटिव साइटोलॉजी, कोगुलेशन प्रोफाइल, एचपीएलसी, लिक्विड बेस्ड साइटोलॉजी, फ्रोजन सेक्शन जैसी विभिन्न नई सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण:
स्नातक शिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण
स्नातकोत्तर शिक्षण: पीजी पाठ्यक्रम के अनुसार एमडी पैथोलॉजी का शिक्षण
डॉक्टरेट के बाद के कार्यक्रम: विभाग में पीएचडी और फैलोशिप कार्यक्रम होंगे
पैरामेडिकल साइंस के लिए पाठ्यक्रम: विभाग बीएससी, बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अनुसंधान: अनुसंधान के क्षेत्र: न्यूरोपैथोलॉजी और कोशिका विज्ञान। विभाग विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अन्य नैदानिक विभागों के साथ सहयोग करेगा। विभिन्न विकृतियों के लिए पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ और विभिन्न अन्य एम्स के साथ अनुसंधान सहयोग।

सामुदायिक भागीदारी: सर्वाइकल रूटीन हेमेटोलॉजी, कैंसर स्क्रीनिंग और APLA वर्कअप स्क्रीनिंग के लिए आउटरीच कैंप लगाए जाएंगे।

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ गुरविंदर कौर

1. पीजीआईएमईआर न्यूरोपैथोलोग्य टीचिंग कोर्स; ५ दिसंबर २०२०

भेषजगुण विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ मीनाक्षी मीनू	सहायक प्राध्यापक	२४/११/२०२०
०२.	डॉ यांगशेन ल्हामो	सहायक प्राध्यापक	२५/११/२०२०

विभाग के विषय में

फार्माकोलॉजी एमबीबीएस कोर्स का एक अभिन्न अंग है। एमबीबीएस स्नातकों के शिक्षण और प्रशिक्षण में इस विषय का गहरा महत्व है। यह सुनिश्चित करना हमारे विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि राष्ट्रीय और संस्थागत उद्देश्यों को पूरा किया जाए और विभाग एमबीबीएस पेशेवरों को विकसित करने में अपनी भूमिका निभा सके, जो इस विषय में पूरी तरह से प्रशिक्षित हैं। जैसा कि संस्थान अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, फार्माकोलॉजी विभाग ने अपनी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की थी कि कैसे विभाग एमबीबीएस शिक्षा, रोगी देखभाल और अनुसंधान में योगदान देगा ताकि निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक अभ्यास करने के लिए सक्षम चिकित्सा स्नातकों के उत्पादन के संस्थागत और राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा किया जा सके। , हमारे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य के बोझ के लिए उपशामक और पुनर्वास दवा। फार्माकोलॉजी विभाग के संकायों ने विभाग के विकास के लिए १ वर्ष, ३ वर्ष और ५ वर्ष का लक्ष्य निर्धारित किया था। विभाग ने कम्प्यूटर असिस्टेड लर्निंग लेबोरेटरी, स्किल लैबोरेटरी की स्थापना तथा विभागीय पुस्तकालय एवं संग्रहालय की स्थापना के लिए विभिन्न उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू की थी। विभाग अकादमिक भवन के डिजाइन संशोधन में गतिशील रूप से शामिल था जहां विभाग अंतरिक्ष के इष्टतम उपयोग में सहायता के लिए स्थित होगा। फैकल्टी ने फार्माकोविजिलेंस में संवेदीकरण पर प्रस्तुतिकरण के साथ विभिन्न शैक्षणिक बैठकों में भाग लिया। विभाग के संकाय भी विभिन्न समितियों यानी अकादमिक और प्रशासनिक ब्लॉक समीक्षा समिति, छात्रावास समिति का हिस्सा थे।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: रोगी देखभाल के लिए, विभाग ने भारतीय फार्माकोपिया आयोग के सहयोग से प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र की स्थापना शुरू करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की। प्रारंभ में योजना फार्माकोविजिलेंस में काम करने की है, बाद में मैटरियोविजिलेंस, वैक्सीनविजिलेंस और हेमोविजिलेंस को शामिल करने के लिए कार्यक्रम गतिविधियों का विस्तार करना है। विभाग मरीजों की बेहतर देखभाल के लिए चिकित्सीय औषधि निगरानी केंद्र स्थापित करने की भी योजना बना रहा है।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक अध्यापन: संकायों को व्यावहारिक कक्षाओं के संचालन के लिए विभिन्न मॉड्यूल के साथ एक पाठ्यक्रम के विकास में सक्रिय रूप से शामिल किया गया था, जो चिकित्सा स्नातक के लिए पर्याप्त शिक्षण संसाधन और अवसर प्रदान करेगा ताकि वे इष्टतम लाभ के लिए दवाओं के तर्कसंगत उपयोग में सक्षम हो सकें। रोगी। पाठ्यक्रम के साथ, विभाग प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक देखभाल स्तरों पर सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं का प्रबंधन प्रदान करने के लिए आवश्यक बुनियादी नैदानिक कौशल और ज्ञान सिखाने का इरादा रखता है। हम बेहतर चिकित्सा शिक्षा के लिए अन्य विभागों के साथ महत्वपूर्ण एकीकरण को शामिल करते हुए योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की सिफारिशों का पालन करने का प्रयास करते हैं। मुख्य ध्यान एक तर्कसंगत नुस्खे को लिखने में सक्षमता लाने, रोगाणुरोधी प्रबंधन और आवश्यक दवा की मूल बातें समझने और फार्माकोलॉजी के लिए प्रासंगिक स्वास्थ्य देखभाल के मुद्दों के साथ छात्रों को संवेदनशील बनाने पर होगा।

विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर के लिए क्लिनिकल फार्माकोलॉजी लैब, कंप्यूटर असिस्टेड लैबोरेटरी, प्रायोगिक फार्माकोलॉजी प्रयोगशाला भी स्थापित करेगा।

स्नातकोत्तर शिक्षण: विभाग द्वारा एमडी और डीएम (क्लिनिकल फार्माकोलॉजी) पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे

डॉक्टरेट के बाद के कार्यक्रम: विभाग में पीएचडी और फैलोशिप कार्यक्रम होंगे

पैरामेडिकल साइंस के लिए पाठ्यक्रम: विभाग बीएससी, बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अनुसंधान: उन्नति के लिए अनुसंधान है, विभाग ने इस संस्थान में एक नैदानिक परीक्षण इकाई और एक

उत्पाद विकास केंद्र स्थापित करने की योजना तैयार की थी। विभाग ऑन्कोफार्माकोलॉजी, इन्फ्लामोफार्माकोलॉजी, न्यूरोफार्माकोलॉजी, नैनोटेक्नोलॉजी, पॉपुलेशन फार्माकोकाइनेटिक्स, फार्माकोविजिलेंस, फार्माकोइकॉनॉमिक्स और फार्माकोजेनोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों को अंजाम देगा।

सामुदायिक भागीदारी: हमारे फार्माकोविजिलेंस, दवा पालन और रोगाणुरोधी प्रतिरोध के बारे में संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और अतिथि व्याख्यान के रूप में संवेदीकरण कार्यक्रम।

शिक्षा

डॉ यांगशेन ल्हामो

1. ७ जनवरी, २०२१ को आयोजित होने वाली कोविड-१९ वैक्सीन-सह-सीटीपी बैठक के फार्माकोविजिलेंस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम; भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में COVID-१९ टीकों के फार्माकोविजिलेंस के लिए ADR निगरानी केंद्रों के समन्वयकों और फार्माकोविजिलेंस एसोसिएट्स को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ मीनाक्षी मीनू

क्र. संख्या	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
०१.	एडवर्स इवेंट फोल्लोविंग इम्यूनाइजेशन COVID अंतरिम रिपोर्ट	११/०२/२०२१	अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आईटीएसयू और फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया
०२.	न्यू ड्रग एंड क्लीनिकल ट्रायल्स	२०/०२/२०२१	नेशनल अक्क्रेडिटशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हैल्थकारे प्रोवाइडर्स

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ मीनाक्षी मीनू

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	सदस्य	इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी (आईपीएस)
०२.	सदस्य	इंडियन सोसाइटी फॉर रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स (आईएसआरपीटी)

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ रूपाली केशवराव पार्लेवार	प्राध्यापक एवं प्रमुख	०८/०२/२०२१
०२.	डॉ पूनम वर्मा	अतिरिक्त प्राध्यापक	०१/०१/२०२१
०३.	डॉ प्रबल जोशी	सह - प्राध्यापक	२०/११/२०२०
०४.	डॉ जानी हितेशकुमार अरविंदभाई	सहायक प्राध्यापक	०९/१२/२०२०
०५.	डॉ भूपेंद्र पटेल	सहायक प्राध्यापक	१४/१२/२०२०
०६.	डॉ प्रीति चिमनलाल भंडारी	सहायक प्राध्यापक	०९/१२/२०२०

विभाग के विषय में

जीवित चीजें कैसे कार्य करती हैं, इसकी समझ के पीछे फिजियोलॉजी विज्ञान है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर (हि.प्र.) में, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग छात्रों को शरीर क्रिया विज्ञान के क्षेत्र में सीखने और विकसित होने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में, एमबीबीएस के लिए स्नातक शिक्षण जारी है। विभाग में फिजियोलॉजी में एमडी के साथ स्नातकोत्तर शिक्षण की सुविधा जल्द ही प्रक्रियाधीन है।

इस संस्थान में फिजियोलॉजी के संकाय व्याख्यान, व्यावहारिक कक्षाओं, छोटे समूह शिक्षण, प्रदर्शन, स्व-निर्देशित शिक्षण कक्षाओं, संगोष्ठियों आदि के माध्यम से स्नातक शिक्षण गतिविधियों में लगे हुए हैं। विभाग के पास संचालन के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित रुधिर विज्ञान, उभयचर और नैदानिक शरीर विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। एमबीबीएस छात्रों की प्रायोगिक कक्षाएं। इस विभाग में विभिन्न स्नातकोत्तर प्रयोगशालाएं भी स्थापित करने का प्रस्ताव है जैसे ऑटोनोमिक फंक्शन लैब, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी लैब, पल्मोनरी फंक्शन लैब, लाइफस्टाइल मॉडिफिकेशन और इंटीग्रेटेड क्लिनिक, ईईजी / ईआरपी, एनसीवी, ईएमजी जैसी सुविधाओं के साथ न्यूरोफिजियोलॉजी लैब, विकसित क्षमता आदि। अनुसंधान और प्रशिक्षण उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा सकता है।

विभाग पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों को करने के लिए एक अनुकूल वातावरण के साथ उत्कृष्ट शिक्षण और प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: विभाग नैदानिक उद्देश्यों के लिए पल्मोनरी फंक्शन लैब, न्यूरोफिज़ियोलॉजी प्रयोगशाला, ऑटोनोमिक फ़ंक्शन प्रयोगशाला स्थापित करने का इरादा रखता है। क्लिनिकल विभाग के साथ मिलकर योग और लाइफस्टाइल मैनेजमेंट क्लिनिक की स्थापना करें। विभाग ने निकट भविष्य में स्लीप फिजियोलॉजी प्रयोगशाला की स्थापना और न्यूरोसर्जरी में शारीरिक निगरानी के निहितार्थ का पता लगाने के लिए कार्य योजना तैयार की है। मनोचिकित्सा विभाग के साथ मिलकर नशीली दवाओं के दुरुपयोग के पुनर्वास के लिए एक दिमाग और शरीर क्लिनिक भी विकसित करें।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक शिक्षण: विभाग एमबीबीएस छात्रों के लिए पाठ्यक्रम विकसित और कार्यान्वित करेगा। रुधिर विज्ञान, नैदानिक शरीर क्रिया विज्ञान और उभयचर प्रयोगशाला की स्थापना।

स्नातकोत्तर शिक्षण: विभाग द्वारा संचालित होंगे एमडी व डीएनबी पाठ्यक्रम

डॉक्टरेट के बाद के कार्यक्रम: विभाग में पीएचडी और एमएससी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होंगे।

पैरामेडिकल साइंस के लिए पाठ्यक्रम: विभाग बीएससी, बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अनुसंधान: विभाग की न्यूरोफिज़ियोलॉजी, नींद, स्वायत्त कार्यों, व्यायाम, योग, प्रजनन शरीर विज्ञान, फुफ्फुसीय कार्यों, भाषा आदि में अनुसंधान करने की योजना है।

भौगोलिक स्थिति आधारित अनुसंधान को बढ़ावा देना। विभाग की योजना राज्य के भीतर आईआईटी मंडी, एनआईटी हमीरपुर, आईआईएम सिरमौर और राज्य मेडिकल कॉलेजों जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करने की भी है। हिमाचल के विभिन्न विभागों, सरकार जैसे स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग आदि के साथ समझौता ज्ञापन।

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ भूपेंद्र पटेल

1. भंडारी एस, शक्तिवत एएस, शर्मा आर, मेहता एस, **पटेल बी**, कपिल के एट अल। COVID-१९-ए डिस्क्रिप्टिव स्टडी ऑफ़ डेमोग्राफिक ट्रेंड्स इन राजस्थान , लिस्टेड इन टॉप फाइव स्टेट्स ऑफ़ इंडिया . मेनोफिया मेड जे २०२०; ३४:३२८–३३२. https://doi.org/१०.४१०३/mmj.mmj_१८३_२०
2. भंडारी एस, शक्तिवत एएस, **पटेल बी**, रैंकावत जी, टाक ए, गुप्ता जेके एट अल। हयड्रोक्सयचलोरोक्किने इन रहेउमाटोलॉजिकल डिसऑर्डर्स : थे पोटेंशियल बफर अगेंस्ट कोरोनावायरस डिजीज -१९? जे मेड साइंस हेल्थ २०२०; ६ (३): ५८-६५।https://doi.org/१०.४६३४७/jmsh.२०२०.v०६i०३.०१०
3. भंडारी एस, शक्तिवत एएस, टाक ए, शुक्ला जे, गुप्ता जे, **पटेल बी** एट अल।. एवलुएटिंग इंटरेक्शन्स बिटवीन हाइपरग्लेसेमिया एंड क्लॉटिंग फैक्टर्स इन पेशेंट्स सफ्रिंग विथ SARS-CoV-२ इन्फेक्शन . क्लीनिकल डीएबेटोलोजी २०२१;१०(१):११४-१२२. https://doi.org/१०.५६०३/DK.a२०२१.००२२

परीक्षक

डॉ रूपाली केशवराव पार्लेवार

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	१स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	डॉ आरपीजीएमसी, टांडा (हि.प्र.)	२०-२३ फरवरी २०२१

डॉ पूनम वर्मा

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	१स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	गवर्नमेंट दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून	१५-१८ फरवरी २०२१
०२.	१स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षक	हिंद आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ	२२-२४ फरवरी २०२१

मनश्चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ ज्योति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	२८/११/२०२०

विभाग के विषय में

वर्तमान में विभाग में एक भी फैकल्टी है जिसमें कोई सीनियर रेजिडेंट नहीं है। भविष्य में अधिक संकाय सदस्यों की भर्ती के साथ, विशेष क्लीनिक शुरू करने की योजना है: बाल मार्गदर्शन, वैवाहिक और मनोवैज्ञानिक क्लिनिक, नशामुक्ति और परामर्श संपर्क सेवाएं। भविष्य में नशामुक्ति शिविर आयोजित करने, सामान्य मानसिक विकारों के बारे में चिकित्सा अधिकारियों की क्षमता निर्माण और रेफरल की योजना बनाई गई है। हम विकलांगता प्रमाणन के लिए रोगी का आकलन करने की भी योजना बना रहे हैं जैसा कि इसके लिए संदर्भित किया जाएगा। अनुसंधान सहयोग - अंतर और अंतर विभागीय और बहुकेंद्रित अध्ययन किए जाएंगे। इनडोर सुविधा शुरू होने के साथ इलेक्ट्रो-कंसल्सिव थेरेपी और बायोफीडबैक शुरू किया जाएगा। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट की भर्ती के साथ, हम साइकोमेट्री शुरू करने की योजना बना रहे हैं। यूजी प्रशिक्षण के अलावा, हम भविष्य में पीजी प्रशिक्षण शुरू करने और पीजी नर्सिंग प्रशिक्षण शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

विभागीय योजना

नैदानिक सेवाएं: मनश्चिकित्सा विभाग आउट पेशेंट और इन-पेशेंट आधार पर मनोरोग रोगियों को नियमित और आपातकालीन देखभाल प्रदान करेगा। ओपीडी में मनोचिकित्सा सेवाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। अन्य सेवाओं में एमपीसी और सीजीसी, डेडडिक्शन सेंटर, ईसीटी और बायोफीडबैक जैसे विशेष क्लीनिक के साथ-साथ इंडोर रोगियों के लिए ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना शामिल होगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार मनोचिकित्सा में एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: मनोचिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एमडी)

चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा मनोरोग सेवाओं के संबंध में नर्सों का प्रशिक्षण एवं समुदाय में कार्यरत चिकित्सा अधिकारियों का क्षमता निर्माण भी किया जायेगा.

अनुसंधान: संस्थान के भीतर अन्य विभागों के साथ-साथ देश के अन्य प्रमुख संस्थानों के साथ-साथ समुदाय में भी अनुसंधान किया जाएगा। अन्य विभागों से विचार-विमर्श किया जाएगा।

सामुदायिक जुड़ाव: आम जनता के बीच मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के संबंध में सामुदायिक जागरूकता की जाएगी। मानसिक विकारों से ग्रसित रोगियों की जांच एवं शीघ्र रेफर करने के लिए चिकित्सा अधिकारियों एवं परिधीय स्वास्थ्य कर्मियों का क्षमता निर्माण किया जायेगा। समुदाय में सेवाएं प्रदान करने के लिए आउटरीच शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ ज्योति गुप्ता

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	आजीवन साधारण सदस्य	इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी

विकिरण निदान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ मिनहाज़ सादिक शैख़	सहायक प्राध्यापक	०३/०२/२०२१
०२.	डॉ प्रतीक सिहाग	सहायक प्राध्यापक	०४/०२/२०२१
०३.	डॉ लोकेश राणा	सहायक प्राध्यापक	२३/११/२०२०

विभाग के विषय में

रेडियो-निदान विभाग, जो अस्पताल की स्थापना के किसी भी स्तर पर रोगी प्रबंधन में एक अभिन्न अंग है, निदान में मजबूत योगदान प्रदान करता है। विभाग को क्रमशः दिसंबर २०२० और जनवरी २०२१ में एक मोबाइल एक्स-रे और एक अल्ट्रासाउंड मशीन सौंपी गई। हमारा एक आगामी संस्थान होने के नाते ओपीडी सेवाएं अभी तक चालू नहीं थीं, हमने अपना समय विभाग के कामकाज और मशीन रखरखाव से संबंधित एसओपी विकसित करने के लिए समर्पित किया। इस अवधि के दौरान हमने अंडर-ग्रेजुएट "रेडियोलॉजी पाठ्यक्रम" का भी मसौदा तैयार किया, जिसे बाद में स्वीकार किया गया और संस्थान के स्नातक पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। इस बीच, हमने सभी विभागों के संकायों को शामिल करते हुए अकादमिक बैठकों में भी भाग लिया; संबंधित क्षेत्रों में व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करना और चर्चा करना और हमारे ज्ञान आधार को बढ़ाने और नैदानिक सेवाओं में सुधार के लिए अन्य विभागों के साथ जुड़ाव का दायरा।

विभागीय योजना

नैदानिक सेवाएं: रेडियो-निदान विभाग प्रारंभिक चरण में ओपीडी रोगियों को रेडियोग्राफी और अल्ट्रासाउंड सेवाएं प्रदान करेगा जिसे सीटी और एमआरआई को शामिल करने के लिए विस्तारित किया जाएगा। अन्य सेवाओं में बेरियम अध्ययन, इंट्रावेनस यूरोग्राफी, मैमोग्राफी और सीटी और एमआर एंजियोग्राफी जैसे विपरीत अध्ययन शामिल होंगे। यूएसजी और सीटी का उपयोग करके एफएनएसी और ऊतक बायोप्सी जैसी पारंपरिक नैदानिक प्रक्रियाएं भी शुरू की जाएंगी जो रोगों के निदान को स्थापित करने में मदद करेंगी। बाद के चरण में चिकित्सीय इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेवाएं भी स्थापित की जाएंगी जो रोगियों पर न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रियाओं के लिए जिम्मेदार होंगी

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार रेडियो-निदान में एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: रेडियो-निदान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एमडी)

पद-डॉक्टरल कार्यक्रम: विभिन्न उप-विशिष्टताओं में पद डॉक्टरेट फेलोशिप पाठ्यक्रम स्थापित किए जाएंगे

पैरा-मेडिकल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम: बी.एससी रेडियोलॉजी

डॉक्टरों और पैरामेडिकल छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, अंतर-विभागीय शैक्षणिक सहयोग द्वि-दिशात्मक सीखने में मदद करेगा। विभाग विभिन्न राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सीएमई और सम्मेलन आयोजित करने में शामिल होगा।

अनुसंधान: संस्थान के भीतर अन्य विभागों के साथ-साथ देश के अन्य प्रमुख संस्थानों के सहयोग से अनुसंधान किया जाएगा। पहले से मौजूद प्रोटोकॉल और संगठनात्मक योजनाओं का ऑडिट उन्हें सुधारने के उद्देश्य से किया जाएगा।

सामुदायिक जुड़ाव: अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनता के बीच पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के संबंध में सामुदायिक जागरूकता की जाएगी। विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से क्षेत्र में सामुदायिक आउटरीच पहल की जाएगी।

विकिरण चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ प्रियंका ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	२३/११/२०२०

विभाग के विषय में

रेडियोथेरेपी विभाग नवंबर, २०२० में एक संकाय में शामिल होने के साथ शुरू किया गया था। अस्पताल के अन्य प्रखंडों (एम्स बिलासपुर) के साथ-साथ ब्लॉक-एफ में विभाग निर्माणाधीन है। विभागीय योजना और निर्माण के लेआउट में संकाय सक्रिय रूप से शामिल था। विभाग के लिए विभिन्न एसओपी तैयार किए गए। छात्रों को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने में मदद करने के लिए संकाय छात्र परामर्श कार्यक्रम में शामिल था। इसके अलावा, संकाय विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों जैसे संकाय शैक्षणिक बैठकों और सम्मेलनों में शामिल था।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: रेडियोथेरेपी विभाग कैंसर रोगियों को ओपीडी सेवाओं के साथ-साथ डे केयर सुविधा भी प्रदान करेगा। विभाग मरीजों को एक्सटर्नल बीम रेडियोथेरेपी और ब्रेकी-थेरेपी सेवाएं भी मुहैया कराएगा। इन सेवाओं के साथ ही सबस्पेशलिटी क्लीनिक और पेलिएटिव केयर ओपीडी की स्थापना की जाएगी। अन्य विभागों के सहयोग से अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री शुरू की जाएगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार रेडियोथेरेपी में एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: रेडियोथेरेपी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एमडी)

पैरा-मेडिकल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम: बी.एससी रेडियोथेरेपी

डॉक्टरों और पैरामेडिकल छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, साइटोटोक्सिक दवाओं के सुरक्षित संचालन के बारे में नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। मेडिकल फिजिक्स में इंटर्नशिप भी शुरू की जाएगी।

अनुसंधान: रुचि के क्षेत्र: स्तन और स्त्री रोग संबंधी विकृतियां।

शोध संस्थान के भीतर अन्य विभागों के साथ-साथ देश के अन्य प्रमुख संस्थानों के सहयोग से किया जाएगा।

सामुदायिक जुड़ाव: स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं और आम जनता को जोखिम कारकों, रोकथाम, स्क्रीनिंग और कैंसर के शीघ्र निदान के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए सामुदायिक जागरूकता की जाएगी। साथ ही रेडियोथेरेपी के बारे में जन जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए शिक्षा कार्यक्रम भी होंगे।

शिक्षा

डॉ प्रियंका ठाकुर

1. बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स (एनपीटीईएल) (ऑनलाइन) (अगस्त-दिसंबर २०२०)
2. करंट रेगुलेटरी रिक्वायरमेंट्स फॉर कंडक्टिंग क्लीनिकल ट्रायल इन इंडिया फॉर न्यू ड्रग एंड इंवेस्टीगेशनल न्यू ड्रग , वर्शन ३ (नपटल) (ऑनलाइन) (फेब .-अप्रैल २०२१०)

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ प्रियंका ठाकुर

1. ४th मल्टीडिसकीप्लीनरी लंग कैंसर मैनेजमेंट कोर्स बय ASCO ऑन ५th-६th एंड १२th एंड १३th दिसंबर २०२०. (वर्चुअल)

परीक्षक

डॉ प्रियंका ठाकुर

क्र. संख्या	परीक्षक	संस्थान/विश्व-विध्यालय	दिनांक
०१.	बीएससी पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी	डॉ. आरपीजीएमसी, टांडा (हि.प्र.)	२२-१४ जनवरी २०२१

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ चित्रेश कुमार	सह-प्राध्यापक	०९/१२/२०२०

विभाग के विषय में

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में तीन स्वीकृत फैकल्टी पद हैं (एसोसिएट प्रोफेसर- एक, सहायक प्रोफेसर- दो)। सहायक प्राध्यापक की दो पद आज तक रिक्त हैं। एम्स बिलासपुर में कोई ओपीडी या आईपीडी सेवाएं नहीं होने के कारण कोई नैदानिक कार्य नहीं किया गया था। उस समय के दौरान, संकाय ओपीडी/आईपीडी के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची तैयार करने और प्रस्तुत करने में सक्रिय रूप से शामिल था। संकाय ने अंतरिक्ष आवंटन और विभाग के कामकाज के संबंध में बैठकों में भी भाग लिया। विभाग ने फाउंडेशन कोर्स के दौरान एमबीबीएस छात्रों के स्नातक शिक्षण में भाग लिया।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: विभाग संस्थान में ओपीडी सेवाओं की शुरुआत के साथ ओपीडी सेवाओं के साथ-साथ कैंसर जांच सेवाएं भी शुरू करेगा। लैप्रोस्कोपिक कैंसर सर्जरी शुरू की जाएगी और विभाग की योजना रोबोटिक सर्जरी का उपयोग करके जटिल ऑन्कोलॉजी सर्जरी करने की है। सभी कैंसर रोगियों के लिए कैंसर रजिस्ट्री शुरू की जाएगी।

शिक्षण और प्रशिक्षण: विभाग विशेष रूप से एकीकृत शिक्षण में स्नातक एमबीबीएस शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल होगा। सेवाओं के विस्तार के साथ ही सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में एमसीएच कोर्स और ओंकोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जरी में फेलोशिप शुरू की जाएगी।

अनुसंधान: विभाग अन्य विभागों और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और एम्स, नई दिल्ली जैसे अन्य संस्थानों के सहयोग से मिनिमली इनवेसिव कैंसर सर्जरी, स्तन कैंसर और एंडोक्राइन ट्यूमर जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान करेगा।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग की योजना कैंसर जोखिम कारक जागरूकता और कैंसर जांच शिविरों के लिए सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता शिविर आयोजित करने की है।

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शिरकत

डॉ चित्रेश कुमार

1. वार्षिक कांफ्रेंस ऑफ़ सर्जन्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (ए. एस.आय.सी.ओ.न. २०२०)

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

डॉ चित्रेश कुमार

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
०१.	रीसेंट एडवांसेज इन एंडोक्राइन सर्जरी – पैनेलिस्ट	ए. एस.आय.सी.ओ.न. २०२०	१९/०२/२०२०/	एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया
०२.	ऑप्टिमिज़िंग अक्सिल्लरी मैनेजमेंट इन ब्रैस्ट कैंसर – केस बेस्ड स्केनरियस – पैनेलिस्ट	ए. एस.आय.सी.ओ.न. २०२०	१९/०२/२०२०/	एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया
०३.	ब्रैस्ट कैंसर स्क्रीनिंग	चिकित्सा अधिकारी का प्रशिक्षण	०८/०१/२०२०	छत्तीसगढ़ सरकार
०४.	ब्रैस्ट कैंसर स्क्रीनिंग	चिकित्सा अधिकारी का प्रशिक्षण	१५/०१/२०२०	छत्तीसगढ़ सरकार
०५.	मैमोग्राफी	वर्चुअल PG मास्टर क्लास इन सर्जरी	०७/०२/२०२१	एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया

प्रकाशन

अनुसंधान अनुच्छेद

डॉ चित्रेश कुमार

1. कुमार, सी., रंजन, पी., कटारिया, के. एट अल। अनुराग इन्टरफैशल मस्टेक्टॉमी : ए न्यू पोस्तुलते इन ब्रैस्ट कैंसर सर्जरी. इंडियन जे सर्ज (२०२१)। https://doi.org/१०.१००७/s१२२६२-०२१-०२८००-७

जर्नल या सोसाइटी या संगठन में सदस्यता/पद

डॉ चित्रेश कुमार

क्र. संख्या	सदस्यता/ पद	जर्नल/ सोसाइटी/ संगठन
०१.	कार्यकारी समिति सदस्य	एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया

रक्तआधान औषधि एवं रक्त कोष विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
०१.	डॉ राकेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	२७/११/२०२०

विभाग के विषय में

विभाग में वर्तमान में केवल एक फैकल्टी है और यह ढांचागत योजना की स्थापना और विभागीय एसओपी तैयार करने में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग ने रक्त केंद्र की स्थापना दोनों के लिए उपार्जन के लिए उपकरणों की सूची तैयार कर ली है. चूंकि संस्थान अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, इसलिए संकाय ने विभिन्न समितियों अर्थात छात्रावास समिति और अस्पताल निर्माण समिति के सदस्य के रूप में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

विभागीय योजना

रोगी देखभाल सेवाएं: आधान औषधि विभाग नियमित ब्लड बैंक के अलावा कलपुर्जों एवं एफेरेसिस सुविधाओं से युक्त रक्त केंद्र स्थापित करेगा। रक्त केंद्र ल्यूको-कम और विकिरणित रक्त उत्पाद भी प्रदान करेगा जो विशेष रूप से नवजात शिशुओं और कैंसर रोगियों जैसे इम्यूनोडिफ़िशिएंसी रोगियों के लिए उपयोगी होंगे। बाद में रक्त उत्पादों का एनएटी परीक्षण किया जाएगा ताकि रक्त संचारित संक्रमणों की दर को कम किया जा सके। ब्लड सेंटर पूरी तरह से ऑटोमेटिक होगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक प्रशिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन में एमबीबीएस छात्रों का शिक्षण

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: आधान चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एमडी)

पैरा-मेडिकल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम: बीएससी और एमएससी मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (एमएलटी) पहले शुरू किया जाएगा, उसके बाद बीएससी और एमएससी ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन शुरू किया जाएगा।

संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, परिधीय स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर तकनीशियनों और डॉक्टरों के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अनुसंधान: संस्थान के अन्य विभागों और राज्य के साथ-साथ देश के अन्य प्रमुख संस्थानों के सहयोग से अनुसंधान की योजना बनाई जाएगी

सामुदायिक जुड़ाव: क्षेत्र और राज्य में रक्तदान के लिए प्रेरणा अभियान चलाया जाएगा। रक्तदान व अंगदान केंद्रों का सहयोग लिया जाएगा।

वित्तीय रिपोर्ट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

वित्तीय प्रगति

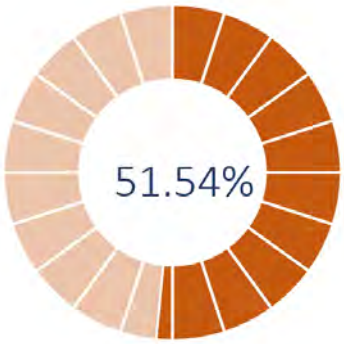
51.54%

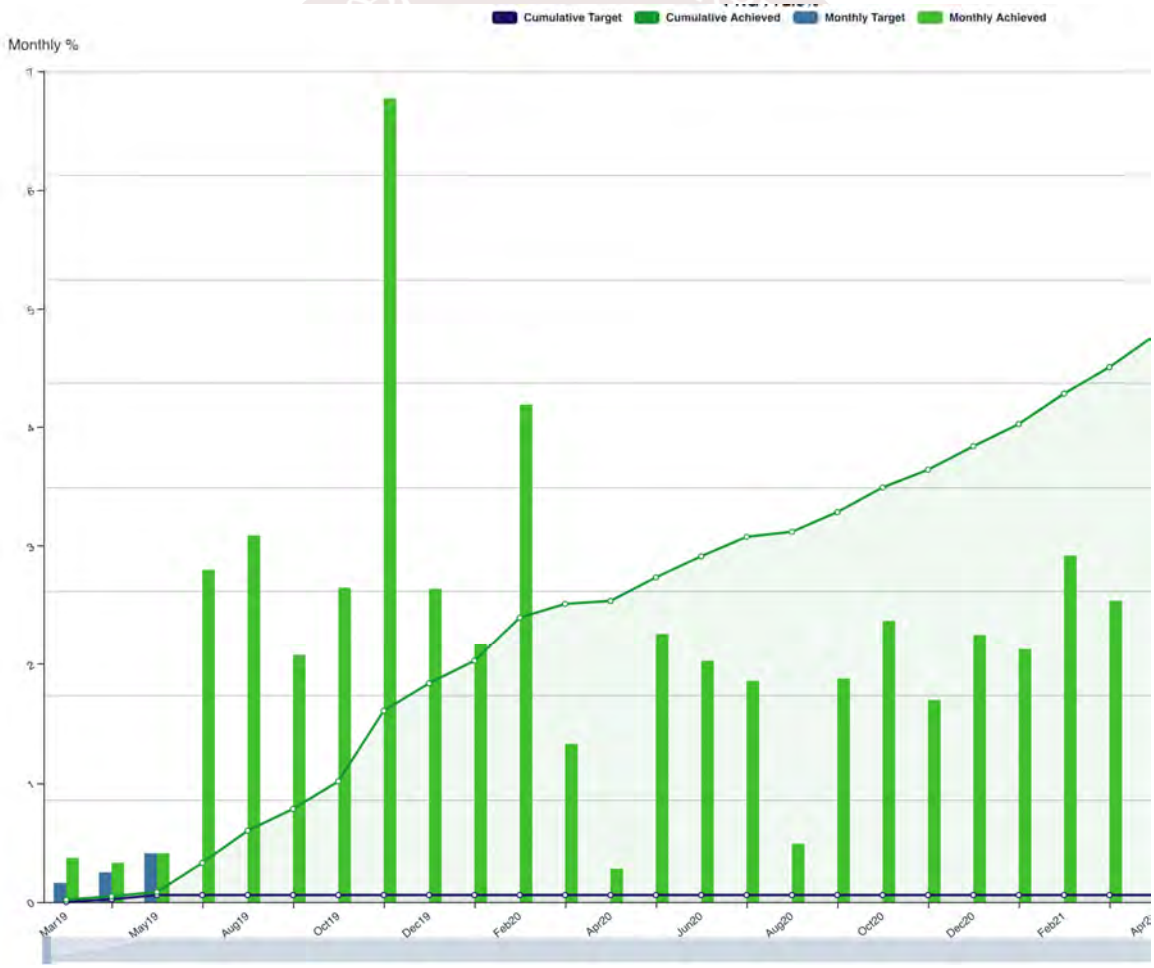
Cumulative Target
Cumulative Achieved
Monthly Target
Monthly Achieved
Monthly %
0
1
2
3
4
5
6
7
Mar19
May19
Aug19
Oct19
Dec19
Feb20
Apr20
Jun20
Aug20
Oct20
Dec20
Feb21

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(Amount in Rs.)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund and Liabilities			
Corpus/Capital Fund	1A	4,52,85,76,713.38	68,22,38,728.00
Reserve & Surplus	2	1.00	1.00
Earmarked/Endowment/Corpus Fund	3	2,64,74,858.00	1,35,58,346.00
Secured Loans & Borrowings	4	4,27,43,08,890.92	4,04,74,48,438.00
Unsecured Loans & Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities & Provisions	7	26,45,01,600.00	26,45,01,600.00
TOTAL		**9,09,38,62,063.30**	**5,00,77,47,113.00**
ASSETS			
Fixed Assets - Net Block	8	7,67,22,46,342.38	1.00
Investment - From Earmaked/Endowment Fund	9	-	-
Investment -Others	10	-	-
Current Assets, Loans , Advances etc.	11	1,42,16,15,720.92	5,00,77,47,112.00
Miscellaneous Expenditure- Incidental		-	-
TOTAL		**9,09,38,62,063.30**	**5,00,77,47,113.00**
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	25		

Place : Bilaspur
Date : 26.06.2021

(Kumar Abhay, IAAS)
Finncial Advisor,
AIIMS BILASPUR

(Dr.Vir Singh Negi)
Executive Director,
AIIMS BILASPUR

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2021

(Amount in Rs.)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Income from Sales/Services	12	-	-
Grant/Subsidies	13	3,70,83,488.00	14,41,654.00
Fees/Subscriptions	14	6,79,066.00	-
Income from Investments (Income on Invest.	15	-	-
earmarked/endow. Funds transferred to Funds)		-	
Income from Royality, Publications	16	-	-
Interest Earned	17	-	-
Other Income	18	-	-
Increases/Decrease of Finished Goods & WIP	19	-	-
TOTAL (A)		**3,77,62,554.00**	**14,41,654.00**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	3,51,53,058.00	14,31,654.00
Other Administrative Expenses	21	11,39,445.00	10,01,600.00
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	-	-
Interest	23	-	-
Depreciation (Net total at the year end corresponding to Sch.-8)		4,81,76,130.63	
TOTAL (B)		**8,44,68,633.63**	**24,33,254.00**
Balance being excess of Income over Expenditure	**(A-B)**	**-4,67,06,079.63**	**-9,91,600.00**
Transfer to Special Reserve (Specify each)		-	-
Transfer to/ from General Reserve		-	-
BALANCE BEING SURPLUS/(DEFICIT) CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		-4,67,06,079.63	
Significant Accounting Policies	25		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	26		

Place :Bilaspur
Date : 26.06.2021

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor,
AIIMS, Bilaspur

(Dr.Vir Singh Negi)
Executive Director
AIIMS, Bilaspur

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

CONSOLIDATED RECEIPT & PAYMENT FOR THE YEAR 01-04-20 TO 31-03-2021

(Amount in Rs.)

RECEIPTS	Current Year 31.03.2021	Previous Year 31.03.2020	PAYMENTS	Current Year 31.03.2021	Previous Year 31.03.2020
Opening Balance - Institute			**Expenses Institute A/c**		
Canara Bank Escrow Account	9,31,604.00	10,00,000.00	**Administrative Expenses**		
Canara Bank Grant Receivable Account	26,25,00,000.00	26,25,00,000.00	Travel Expenses	10,89,290.00	91,252.00
PGIMER Chandigarh	1,36,26,742.00		Bank Charges	90.00	-
Imprest with S.S Nagiyal	10,000.00		Electricity & water charges	4,18,642.00	-
Grant in Aid (GOI) Instl. A/c			Office Expenses	15,82,892.00	-
Grant-in-Aid (For salary)	3,00,00,000.00	50,00,000.00	Imprest to SS Nagiyal	286833.00	-
Grant-in-Aid (For General)	1,00,00,000.00	50,00,000.00	Imprest to Rekha	10000.00	-
Grant-in-Aid (For Creation of capital assets)	1,00,00,000.00	50,00,000.00	Advance to NBCC	728700000.00	-
			Advance to HITES	13836568.92	-
			Computer Purchase	75600.00	-
Other Receipt Institute			**Establishment Expenses**		
Admission fees	6,58,252.00	-	Salary & Wages	33620231.00	13,40,402.00
SBI ATM Rent Charge	20,814.00	-	**Closing Balance Institute**		
Other Capital Receipt			Imprest with S.S Nagiyal(cash)	10,000.00	10,000.00
HEFA Loan-NBCC	72,87,00,000.00	-	Receivable from PGI	2,65,43,254.00	1,36,26,742.00
HEFA Loan-HITES	1,38,36,568.92	-	Canara Bank Grant Receivable	-	26,25,00,000.00
			Canara Bank Escrow A/c	26,34,31,514.00	9,31,604.00
			SBI Account	6,79,066.00	
TOTAL	1,07,02,83,980.92	27,85,00,000.00		1,07,02,83,980.92	27,85,00,000.00

Place : Bilaspur
Date : 26.06.2021

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor
AIIMS, Bilaspur

(Dr.Vir Singh Negi)
Executive Director,
AIIMS, Bilaspur

Speed Post

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़

Indian Audit & Accounts Department
Office of The Director General of Audit (Central), Chandigarh

सत्यमेव जयते

स०/No: डी.जी.ए.(सी)के. व्यय/SAR AIIMS Bls 2020-21/2021-22 1230 6 दि०/Dated: 21/2/2022

सेवा मे,

सचिव,
Ministry of Health & Family Welfare,
Government of India,
Nirman Bhawan,
New Delhi - 110001

विषय: All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2020-21 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

कृप्या All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2020-21 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु सलंग्न पायें | संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए|

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएँ|

कृपया इस पत्र की पावती भेजें|

भवदीय,

संलग्न: उपरोक्त अनुसार

— हस्ता —
महानिदेशक

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2020-21 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु निदेशक, All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Bilaspur, Changar Palasiyan, Village Kothipura, Tehsil Sadar, Distt. Bilaspur, Himachal Pradesh - 174001 को प्रेषित की जाती है|

भवदीय,

निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

प्लाट न. 20-21, सेक्टर - 17ई, चण्डीगढ़ - 160017 Plot No. 20-21, Sector-17E, Chandigarh - 160017
दूरभाष/ Tel.No. 0172 - 2782020 & 2706117 फैक्स/ FAX No:0172 - 2782021 / 2783974 ई-मेल/ Email: pdacchandigarh@cag.gov.in

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) for the year ended 31 March 2021

We have audited the Balance Sheet of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2021, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 18 (2) of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Act, 1956. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this Report have been drawn up in the uniform format approved by the Ministry of Finance, Government of India.

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that:

1

A. Receipts and Payments Account

The Institute received a sum of ₹ 113.59 crore from the Government during the year for repayment of HEFA loan and loan amounting to ₹ 87.34 crore was repaid. However, receipt of ₹ 26.25 crore only has been shown in the Receipts and Payments Account. This has resulted in understatement of Receipts, as well as Payments by ₹ 87.34 crore each.

B. General

B.1 The Institute has not prepared the Schedule of Significant Accounting Policies. The Institute has not depicted the policies regarding the basis of preparation of Annual Accounts, method and rates of depreciation, valuation of inventory, etc. No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report.

B.2 The Institute has not created provision for gratuity and other retirement benefits for its employees.

B.3 Corpus/ Capital Fund (Schedule 1A)

Above includes ₹ 301.96 crore, being the total payment released directly by Ministry as advances to NBCC and HITES during the year 2020-21. The utilised portion of these advances paid to the executing agencies is being capitalised to respective fixed assets such as Capital works-in-progress/ Buildings/ Equipments, etc., and unutilized amounts are being shown under the head 'Advances'. These payments made by the Ministry constitute grants by the Government of India. No accounting policy in this regard has been framed and disclosed by the Institute.

B.4 Transactions relating to the Institute's receipts and payments during the year were executed by its mentor Institute PGIMER Chandigarh. Their accounting was also done by the mentor institute. Vouchers & ledgers on accrual basis in respect of accounting transactions/ balances pertaining to Income, Assets (including additions to assets) and Liabilities were not prepared by the Institute.

Further, Head-wise details and centralized records in respect of student fee, indicating Hostel fee, security deposits, pending fees, etc., were not furnished to audit.

B.5 As per the Uniform Format of Accounts, accounts are to be prepared on accrual basis. The Institute has booked Salary in the accounts on cash basis from March 2020 to February 2021, instead of April 2020 to March 2021 in contravention to the prescribed system of accounting.

Relevant accounting policy in this regard has also not been disclosed.

B.6 New Pension Scheme (NPS) contribution was not deducted from the salary of Employees/Doctors and matching contribution/liability was not booked on the plea that

registration of the Institute with PFRDA was under progress and PRANs are yet to be obtained.

B.7 The Institute possessed furniture items in its premises. However, the same have been included in the building/capital work-in-progress, as details/ documents indicating the value of the furniture purchased had not been obtained by the Institute from NBCC who had been assigned the work of the supply of furniture, alongwith the work of providing the infrastructure.

C. Grant-in-aid

The position of grants-in-aid of the Institute during the year 2020-21 is as under: -

			(Amount in ₹ lakh)	
Particulars	**OH-31**	**OH-35**	**OH-36**	**Total**
Opening balance as on 01.04.2020	36.60	50.00	48.99	135.59
Add: Grant Received	100.00	100.00	300.00	500.00
Total funds available	136.60	150.00	348.99	635.59
Less: expenditure	33.88	0.76	336.20	370.84
Unspent balance at the end of the year	102.72	149.24	12.79	264.75

Out of Grant of ₹ 113.59 crore received for repayment of HEFA loan, Loan Repayment of ₹ 87.34 crore was made, leaving an unutilised balance of ₹ 26.25 crore.

Besides, an amount of ₹ 301.96 crore was directly released by the Ministry to NBCC and HITES, being the construction agency and equipment supplier respectively, out of which ₹ 113.02 crore was unutilised.

D. Management letter

Deficiencies which have not been included in the Audit report have been brought to the notice of the Institute's management through a management letter issued separately for remedial/ corrective action.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2021;

and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Director General of Audit
(Central), Chandigarh

Place: Chandigarh
Date 2/2/22

4

Annexure to Audit Report

1. **Adequacy of System of Internal Audit**

Internal audit was not conducted by the Institute. Internal audit manual was also not prepared.

2. **Adequacy of Internal Control System**

Internal Control System is considered inadequate as:-

a) The Institute has not prepared its Accounting Manual;

b) There is shortage of Controlling Officers at key positions such as Financial advisor, Registrar, Accounts Officer, Office Superintendent, Assistant Administrative Officer. Further, non-recruitment of staff has resulted in non-conducting of internal audit and non-conducting of physical verification of fixed assets.

c) As per Sl. No. 4(1) of the All India Institute of Medical Sciences Regulations 2019, meetings of the Institute are required to be conducted at least twice in a year. Sl. No. 8 of these regulations prescribe that the Governing body of the Institute should ordinarily meet atleast thrice in a year. Only one meeting each of the Institute body and Governing body was held during 2020-21, resulting in contravention of the prescribed regulations.

d) Full particulars of receipts such as nature of income & receipt no. not recorded in the cash books.

e) Security deposits/ fidelity guarantees have not been obtained from the employees handling valuables/ stocks;

f) Fixed assets register has not been maintained.

g) Following essential records have not been maintained by the Institute:

- Grants-in-aid register;
- TA and LTC register;
- Expenditure control register;
- Medical claim expenditure register; and
- Register of contracts.

3. **System of Physical Verification of Fixed Assets**

Physical verification of fixed assets was not conducted.

4. **System of Physical Verification of Inventories**

The Institute has shown the consumable stock as nil in the accounts. However, inventory register was not shown to the audit.

5

5. **Regularity in payment of statutory Dues**

Complete records related to deduction of statutory dues such as labour cess, GST, PF and ESI contribution and deposit thereof were not shown to audit. Therefore, regularity in payment of statutory dues could not be verified.

Director

DO No: **DGA (C)/CE/SAR/AIIMS Bilaspur/21-22/308**

सुशील कुमार ठाकुर, आई.ए.ए.एस.
Sushil Kumar Thakur, IAAS

सत्यमेव जयते

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL), CHANDIGARH

Dated: **02.02.2022**

Dear Dr. Negi,

As you are aware, the audit of annual accounts of your Institute for the year ended 31 March 2021 was conducted and audit comments in respect of the same have been reported through the Separate Audit Report. However, certain deficiencies noticed which have not been included in the Separate Audit Report but nevertheless are significant (as detailed in the annexure) are being brought to your attention for remedial action.

You are requested to take corrective measures in this regard.

Warm regards

Yours sincerely,

Dr. Vir Singh Negi,
Executive Director,
All India Institute of Medical Science,
Bilaspur (Himachal Pradesh)

प्लॉट नं. 20-21, लेखा भवन, सैक्टर 17-ई, चण्डीगढ़-160017 Plot No. 20-21, Lekha Bhawan, Sector 17-E, Chandigarh-160017
दूरभाष / Tel.: 0172-2782020, 2782022, फैक्स / Fax : 0172-2782021, 2783974, ईमेल / E-mail : pdacchandigarh@cag.gov.in

Annexure to the management letter

A. Balance Sheet

A.1 Earmarked/Endowment/Corpus Fund (Schedule 3)
Grant-in-aid for general
Capital expenditure during the year (Schedule 8): ₹ 34.63 lakh

Above represents the grant utilised on account of recurring expenditure ₹ 33.88 lakh and non-recurring expenditure ₹ 0.76 lakh. Aforesaid Capital expenditure of ₹ 0.76 lakh should have been met from the Capital grant. This has resulted in overstatement of Capital Grant and understatement of General Grant by ₹ 0.76 lakh.

The words used "Capital Expenditure during the year (Schedule 8)" were not appropriate, as the recurring expenditure only was required to be met from the General grant.

Title of the schedule also should not have contained the words "Corpus Fund", as the Corpus Fund was included in the Schedule 1A.

A.2 Assets
Fixed Assets (Schedule 8)

A.2.1 Capital Work-in-progress: ₹ 653.43 crore

Above does not include stamp duty of ₹ 10.01 lakh incurred in the previous year towards the HEFA loan agreement taken for construction of the Institute. This should have been booked under Capital Work-in-Progress, till completion of building. This has resulted in understatement of Capital Work-in-Progress and understatement of Corpus/Capital Fund by ₹ 10.01 lakh each.

No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report.

A.2.2 Office Equipment: ₹ 0.76 lakh

Above represents expenditure on account of purchase of computers, which should have been depicted under the head Computers. This has resulted in over statement of office equipment by ₹ 0.65 lakh (₹ 0.76 lakh less depreciation by ₹ 0.11 lakh) and understatement of Computers by ₹ 0.46 lakh (₹ 0.76 lakh less depreciation by ₹ 0.30 lakh), besides understatement of deficit by ₹ 0.19 lakh.

B. General

B.1 Security Deposits

Examination of records revealed that security deposits of ₹ One lakh with respect to canteen/Mess in the form of Term Deposit Receipt (TDR) was lying with the Institute as on

31.03.2021. Aforesaid securities amounting ₹ One lakh were neither accounted for in the Accounts nor disclosed by way of Notes.

B.2 The balance in respect of PGIMER Chandigarh included in sundry debtors was ₹ 2,65,43,254/- whereas the balance confirmed by the PGIMER was ₹ 2,64,74,858/-. Difference of ₹ 68396/- needs to be reconciled.

Director